THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 19 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख कृ.3 2082 बुधवार, 16 अप्रैल-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ❊ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में एनकाउंटर जारी

पुंछ, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के सुरनकोट के लसाना इलाके में सेना और आतंकियों के बीच एनकाउंटर जारी है। सोमवार रात को आतंकियों की खबर मिलने के बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान आतंकियों ने सेना के जवानों पर फायरिंग की, जिसमें रोमियो फोर्स का एक जवान घायल हो गया। मुठभेड़ पुंछ को जम्मू से जोड़ने वाले नेशनल हाईवे के पास हुई। सेना की व्हाइट नाइट कोर ने 'एक्स' पर कहा- सोमवार रात लसाना में आर्मी और जम्मू-कश्मीर पुलिस के ज्वाइंट सर्च ऑपरेशन के दौरान आतंकियों से संपर्क हुआ। आतंकी भाग न पाए, इसके लिए अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है।

सोनिया-राहुल की बढ़ी मुश्किलें

ईडी ने दायर किया आरोपपत्र

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर शिकंजा कसते हुए मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपपत्र दायर किया है। जांच एजेंसी की ओर दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में आरोपपत्र दाखिल किया गया है। ईडी ने दोनों नेताओं को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी बनाया गया है। आरोपपत्र में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सैम पित्रोदा, सुमन दुबे समेत कई नेताओं के नाम भी शामिल हैं।

इस मामले में विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा, अभियोजन पक्ष की वर्तमान शिकायत पर संज्ञान के पहलू पर अगली बार 25 अप्रैल, 2025 को इस अदालत के समक्ष विचार किया जाएगा, जब ईडी और आईओ के विशेष वकील अदालत के अवलोकन के लिए केस डायरी का उत्पादन भी सुनिश्चित करेंगे। ईडी की ओर से दाखिल किए गए आरोपपत्र पर राउज एवेन्यू कोर्ट में 25 अप्रैल को सुनवाई होगी। ईडी की ओर से धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 की धारा 44 और 45 के तहत धन शोधन के अपराध के लिए अभियोजन शिकायत दर्ज की गई है।

इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी से जुड़ी संपत्तियों पर कब्जा करने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी। यह पहली बार है जब कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ किसी मामले में चार्जशीट दाखिल की गई है। बता दें कि, ईडी ने साल 2014 में दिल्ली के मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट के आदेश पर एजेएल और यंग इंडिया के खिलाफ पीएमएलए के तहत जांच शुरू की थी। ईडी ने एजेएल यानी एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड और यंग इंडिया की अभी तक करीब 751.9 करोड़ रुपये कीमत की प्रॉपर्टी जब्त की है।

राहुल के मानहानि केस में 28 अप्रैल को अगली सुनवाई

सुल्तानपुर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। रायबरेली सांसद राहुल गांधी के मानहानि मामले में आज सुल्तानपुर के एमपी/एमएलए कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान गवाह कोर्ट परिसर में मौजूद था, लेकिन वादी के अधिवक्ता संतोष पांडे उसे न्यायालय में पेश नहीं कर सके। इसके चलते विशेष कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 28 अप्रैल की तारीख तय कर दी। यह मामला भाजपा नेता विजय मिश्रा द्वारा दर्ज किया गया था। बीते 3 अप्रैल को सुनवाई नहीं हो सकी थी। परिवादी भाजपा नेता की ओर से गवाह कोर्ट में उपस्थित नहीं हुए थे। इसलिए कोर्ट ने अब अगली सुनवाई 15 अप्रैल को तय की थी। कोतवाली देहात के हनुमानगंज निवासी व भाजपा नेता विजय मिश्रा ने वर्ष 2018 में राहुल गांधी के विरूद्ध मानहानि का परिवाद एमपी/एमएलए कोर्ट में दर्ज कराया था।

वक्फ कानून पर बोले रिजिजू इसका मकसद पिछली गलतियों में सुधार करना

कोच्चि, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को वक्फ अधिनियम में संशोधन करने के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अधिनियम में संशोधन मुस्लिम समुदाय को लक्षित करने के लिए नहीं किया गया है, बल्कि इसका उद्देश्य पिछली गलतियों में सुधार करना है। रिजिजू का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब विभिन्न मुस्लिम संगठन कानून में संशोधन करने को लेकर विरोध कर रहे हैं और पश्चिम बंगाल में हिंसक हो गए हैं।

रिजिजू ने कोच्चि में एक प्रेस वार्ता की। इस दौरान उनके साथ केंद्रीय राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन और राज्य भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर भी मौजूद रहे। पत्रकारों को संबोधित करते हुए रिजिजू ने कहा कि केंद्र सरकार का इरादा साफ है। सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि भारत में किसी की जमीन को 'जबरन और एकतरफा' छीनने का कोई प्रावधान न हो। रिजिजू ने आगे कहा कि वक्फ कानून में संशोधन इसलिए किया गया, क्योंकि इसके कुछ प्रावधानों ने 'वक्फ बोर्डों को अभूतपूर्व शक्ति और अधिकार' दे दिए हैं।

'अस्पताल से नवजात की तस्करी होने पर रद्द हो लाइसेंस'

> बच्चों के गायब होने के मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बाल तस्करी के मामले को लेकर सख्त आदेश जारी किया। कोर्ट ने कहा कि अगर अस्पताल से नवजात गायब होते हैं तो अस्पताल का लाइसेंस रद्द कर दिया जाए। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने सभी निचली अदालतों को बाल तस्करी से जुड़े मामलों की सुनवाई छह महीने में पूरी करने का आदेश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने बाल तस्करी के मामलों से निपटने के तरीके को लेकर भी उत्तर प्रदेश सरकार की आलोचना की। ऐसे अपराध रोकने के लिए राज्यों को सख्त दिशा-निर्देश दिए। न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि देशभर के हाईकोर्ट में बाल तस्करी के कितने मामले लंबित हैं, इसकी जानकारी दी जाए। इसके बाद छह महीने में मुकदमे को पूरा करने और दिन-प्रतिदिन सुनवाई करने के निर्देश जारी किए जाएंगे।

बच्चा चोरी हो तो रद्द करें अस्पताल का लाइसेंस

सुप्रीम कोर्ट ने बाल तस्करी के मामलों से निपटने के लिए सख्त निर्देश जारी किए। कोर्ट ने कहा कि अगर कोई नवजात शिशु चोरी होता है तो अस्पतालों का लाइसेंस रद्द कर दिया जाना चाहिए। यदि कोई महिला अस्पताल में बच्चे को जन्म देने आती है और बच्चा चोरी हो जाता है, तो पहला कदम लाइसेंस निलंबित करना होना चाहिए। पीठ ने चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा तथा इसे न्यायालय की अवमानना माना जाएगा।

इलाहाबाद हाईकोर्ट को लगाई फटकार

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को तस्करी करके लाए गए बच्चे को उत्तर प्रदेश के दंपती को सौंपने को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई की। इस मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आरोपियों को अग्रिम जमानत दे दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने आरोपियों की जमानत रद्द की और मामले की गंभीरता न समझने पर इलाहाबाद हाईकोर्ट और उत्तर प्रदेश सरकार दोनों को फटकार लगाई।

पीठ ने कहा कि आरोपी दंपती बेटा चाहते थे और उन्होंने चार लाख रुपये में बच्चा खरीद लिया। जबकि वे जानते थे कि बच्चा चोरी करके लाया गया है। हाईकोर्ट ने भी जमानत आवेदनों पर संवेदनहीनता से कार्रवाई की। इसके चलते आरोपी फरार हो गए। कोर्ट ने कहा कि ऐसे आरोपी समाज के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं। जमानत देते समय हाईकोर्ट को कम से कम यह शर्त तो लगानी ही चाहिए थी कि आरोपी हर सप्ताह थाने में हाजिरी देंगे। वहीं उत्तर प्रदेश सरकार की खिंचाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि हम निराश हैं। जमानत के बाद सरकार की ओर से कोई अपील क्यों नहीं की गई? कोई गंभीरता नहीं दिखाई गई।

हरियाणा जमीन सौदे मामले में रॉबर्ट वाड्रा से ईडी ने की पूछताछ

बाहर आकर बोले-डरने वाला नहीं हूं

गुरुग्राम, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को हरियाणा भूमि सौदे से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कारोबारी और वायनाड से कांग्रेस प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा से पूछताछ की। हालांकि, वाड्रा ने एजेंसी के समन राजनीतिक प्रतिशोध करार दिया। उन्होंने कहा कि पूछताछ के दौरान पहले भी ईडी के साथ घंटों बिताए हैं, हजारों पेज साझा किए हैं, लेकिन फिर भी एजेंसी उनके खिलाफ मामले उठा रही है। मैं न ही किसी दबाव में आने वाला हूं और न ही किसी से डरने वाला हूं।

56 साल के रॉबर्ट वाड्रा मध्य दिल्ली के सुजान सिंह पार्क स्थित अपने आवास से एपीजे अब्दुल कलाम रोड पर स्थित ईडी मुख्यालय तक दो किलोमीटर पैदल गए। ईडी कार्यालय के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया, यह कुछ और नहीं बल्कि राजनीतिक प्रतिशोध है। जब भी मैं अल्पसंख्यकों के लिए बोलता हूं तो वे मुझे रोकने की कोशिश करते हैं, हमें कुचलने की कोशिश करते हैं। उन्होंने संसद में राहुल को भी रोकने की कोशिश की। यह एजेंसियों का दुरूपयोग है और यह राजनीतिक प्रतिशोध है। मैं पहले की तरह उनके साथ सहयोग करूंगा।

इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय ने रॉबर्ट वाड्रा को जमीन सौदा मामले में दूसरी बार तलब किया था। समन के तहत वे मंगलवार सुबह ईडी दफ्तर पहुंचे थे। पहले ईडी ने उन्हें समन कर 8 अप्रैल को पेश होने को कहा था। हालांकि, तब वे पेश नहीं हो पाए थे। सूत्रों के मुताबिक, जांच एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत वाड्रा का बयान दर्ज किया। इससे पहले संघीय जांच एजेंसी ने एक अन्य धन शोधन मामले में वाड्रा से पूछताछ की थी।

मुझे कुछ भी छिपाने की जरूरत नहीं :

इससे ईडी दफ्तर जाते वक्त रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि सरकार बदले के तहत कारवाई कर रही है। मुझे नहीं पता कि आखिर गलती क्या है। मुझे किसी से भी कुछ भी छिपाने की जरूरत नहीं है। मैं कुछ भी गलत नहीं किया है। मेरे खिलाफ जांच एजेंसियों का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। यह सब कुछ मुझे परेशान करने और फंसाने के लिए किया जा रहा है।

वक्फ कानून के खिलाफ प्रदर्शन का मामला पहुंचा शीर्ष कोर्ट

बंगाल हिंसा की अदालत की निगरानी में जांच की मांग

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। वक्फ कानून के खिलाफ प्रदर्शन का मामला शीर्ष कोर्ट पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट में इससे जुड़ी दो याचिकाएं दायर की गई हैं। इनमें नए लागू किए गए वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लेकर पश्चिम बंगाल में हुई हिंसा की अदालत की निगरानी में जांच की मांग की गई है।

पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के भांगर इलाके में वक्फ कानून से जुड़ी हिंसा की ताजा घटनाएं 14 अप्रैल को हुईं। इस बीच पुलिस का दावा है कि पिछले दंगों के केंद्र मुर्शिदाबाद में कानून-व्यवस्था की स्थिति काफी हद तक नियंत्रण में है।

किस-किस ने लगाई याचिका :

एक जनहित याचिका वकील शशांक शेखर झा ने दायर की, जिसमें हिंसा के मामलों की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने की मांग की गई। इसके अलावा एक अन्य याचिका वकील विशाल तिवारी ने दायर की, जिसमें राज्य में हुई हिंसा की जांच के लिए शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग के गठन की मांग की गई।

याचिका में की गई यह मांग :

याचिका में राज्य सरकार को लोगों की जान-माल की सुरक्षा के निर्देश देने की मांग की गई। इसके साथ ही हिंसा पर शीर्ष अदालत में रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश देने की भी मांग की गई है।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने दिया केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश

इससे पहले कलकत्ता हाईकोर्ट ने हाल ही में हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद जिले में केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश दिया था। वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान 11 और 12 अप्रैल को मुर्शिदाबाद जिले के कुछ हिस्सों मुख्य रूप से सुती, समसेरगंज, धुलियान और जंगीपुर में सांप्रदायिक हिंसा में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई थी और सैकड़ों लोग बेघर हुए थे।

केंद्र से तनातनी के बीच स्टालिन ने की राज्य के लिए अधिक स्वायत्तता की वकालत

तीन सदस्यीय समिति गठित

चेन्नई, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मंगलवार को केंद्र सरकार पर हमला बोला। इस दौरान उन्होंने राज्य को अपने फैसले लेने के लिए अधिक स्वायत्तता देने की जोरदार वकालत की। उन्होंने विधानसभा में एक उच्च स्तरीय समिति नियुक्त करने का प्रस्ताव पेश किया। स्टालिन के प्रस्ताव पर तीन सदस्यीय समिति गठित की गई है, जो राज्य की स्वायत्तता की सिफारिश के साथ ही अधिकारों को पुन: प्राप्त करने का प्रयास करेगी। सीएम स्टालिन ने राज्य को अधिक स्वायत्तता दिए जाने की बात ऐसे समय में की है, जब राज्यपाल आरएन रवि ने राज्य विधानसभा में पारित विभिन्न विधेयकों को मंजूरी देने से मना कर दिया। इसके चलते डीएमके के नेतृत्व वाली सरकार और राज्यपाल के बीच टकराव भी हुआ।

कुरियन जोसेफ करेंगे समिति की अध्यक्षता :

सिफारिश के लिए गठित की गई समिति की अध्यक्षता रिटायर्ड जज कुरियन जोसेफ करेंगे। इस समिति में अन्य दो सदस्य रिटायर्ड आईएएस अशोक वर्धन शेट्टी और एमयू नागराजन होंगे। समिति जनवरी 2026 के अंत तक राज्य को एक अंतरिम रिपोर्ट सौंपेगी और दो साल के भीतर एक पूरी रिपोर्ट पेश करेगी। समिति राज्य और केंद्र सरकार के बीच संबंधों को मजबूत करने पर भी सिफारिशें देगी।

नीट परीक्षा की वजह से हमने कई छात्रों को खो दिया

मुख्यमंत्री स्टालिन ने मंगलवार को विधानसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, नीट परीक्षा की वजह से हमने कई छात्रों को खो दिया है। हमने नीट परीक्षा का लगातार विरोध किया है। केंद्र सरकार तीन भाषा नीति के नाम पर तमिलनाडु में हिंदी थोपने की कोशिश कर रही है। चूंकि हमने एनईपी को स्वीकार नहीं किया, इसलिए केंद्र सरकार ने राज्य को 2500 करोड़ रुपये जारी नहीं किए हैं। ऐसी स्थिति में शिक्षा को राज्य सूची में लाया जाना चाहिए। सीएम स्टालिन के संबोधन के दौरान विपक्ष ने विधानसभा से वॉकआउट किया। विपक्ष ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री दोहरी भाषा बोल रहे हैं। एआईडीएमके विधायक आरबी उदयकुमार ने कहा कि सीएम के 110वें भाषण के बाद भी स्पीकर ने हमें बोलने का मौका नहीं दिया, जो लोकतंत्र के खिलाफ है।

सहारा ग्रुप ने खेला पोंजी स्कीम का खेल

लोगों की जमापूंजी से बनाई बेनामी संपत्ति 1460 करोड़ की जमीन कुर्क

मुंबई, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय, कोलकाता ने सहारा इंडिया और उसके समूह की संस्थाओं के मामले में मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत लोनावाला के आंबी वैली सिटी और उसके आसपास की 707 एकड़ जमीन को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। इस जमीन का अनुमानित बाजार मूल्य 1460 करोड़ रुपये है। यह जमीन बेनामी प्रॉपर्टी के तहत खरीदी गई थी। इसमें सहारा समूह की संस्थाओं से प्राप्त धन का इस्तेमाल किया गया था। जमाकर्ताओं को धन जमा करने के लिए धोखा दिया गया। उन्हें सहमति के बिना धन को फिर से जमा करने के लिए मजबूर किया गया था। लोगों ने कई बार परिपक्वता भुगतान की मांग की, लेकिन जमाकर्ताओं को परिपक्वता भुगतान से वंचित कर दिया गया। जांच में सामने आया है कि समूह ने जमाकर्ताओं और एजेंटों को क्रमशः उच्च रिटर्न और कमीशन का लालच देकर धोखा दिया है।

तीन राज्यों में दर्ज एफआईआर के आधार पर जांच :

ईडी ने ओडिशा, बिहार और राजस्थान पुलिस द्वारा मेसर्स हमारा इंडिया क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड (एचआईसीसीएसएल) और अन्य के खिलाफ आईपीसी, 1860 की धारा 420 और 120बी के तहत दर्ज 3 एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की थी। इसके अलावा सहारा समूह की संस्थाओं और संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ 500 से अधिक एफआईआर दर्ज की गई थीं, जिनमें से 300 से अधिक पीएमएलए, 2002 के तहत अपराधों के लिए दर्ज की गई थीं। इसमें आरोप लगाया गया था कि जमाकर्ताओं को धन जमा करने के लिए धोखा दिया गया था।

ईमानदारी, सच्चाई और सादगी के जीवन मूल्यों का पालन करने वाले अधिक सुखी : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों में सहायक सचिव के रूप में कार्यरत 2023 बैच के आईएएस अधिकारियों के समूह से राष्ट्रपति भवन के सांस्कृतिक केंद्र में मुलाकात की। राष्ट्रपति ने आईएएस अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे असाधारण दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत से अधिकारी बने हैं। इससे उनके निजी जीवन में भी बड़ा बदलाव आया है। उन्हें अब अधिक दृढ़ संकल्प और समर्पण के साथ अनगिनत लोगों के जीवन में परिवर्तनकारी बदलाव लाने का अवसर मिला है। उनके सेवा और अधिकार का क्षेत्र इतना व्यापक है कि वे अपनी पहली पोस्टिंग में ही कई नागरिकों के जीवन को बेहतर बना सकते हैं। उन्होंने आईएएस अधिकारियों को वंचितों के उत्थान के लिए विशेष प्रयास करने की सलाह दी। उन्होंने यह भी सलाह दी कि अधिकारी अपने करियर के दौरान कुछ समय बाद पोस्टिंग वाले स्थानों पर जाएं और अपने काम के दूरगामी परिणाम देखें। अधिकारियों को लोक सेवकों के अधिकारों और कर्तव्यों को ध्यान में रखना चाहिए। एक लोक सेवक के कर्तव्य उसकी जिम्मेदारियां हैं और उसके अधिकार उन कर्तव्यों को पूरा करने का साधन हैं। राष्ट्रपति ने अधिकारियों से कहा कि उनके करियर की असली कहानी उनके काम से बनेगी, न कि सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स की संख्या बढ़ाने से। उनकी असली सामाजिक संपत्ति उनके अच्छे काम से तय होगी। प्रत्येक लोक सेवक को ईमानदारी और उद्देश्य के साथ काम करना चाहिए। पर्यावरण प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का हम सभी सामना कर रहे हैं। नैतिकता और मूल्यों का क्षरण भी बहुत गंभीर चुनौतियां हैं।

निष्ठावान और ईमानदार होने के बारे में और कुछ कहने की जरूरत नहीं है। ईमानदारी, सच्चाई और सादगी के जीवन मूल्यों का पालन करने वाले लोग अधिक सुखी रहते हैं। लोक सेवा में ईमानदारी सबसे वांछनीय नीति है। लोक सेवक से यह अपेक्षा की जाती है कि वे जीवन के हर क्षेत्र में निष्ठा और संवेदनशीलता का उदाहरण प्रस्तुत करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट की इलाहाबाद हाईकोर्ट को 20 दिन में दूसरी बार हिदायत

कहा-गैरजरूरी टिप्पणी से बचें, कहा था-लड़की खुद रेप की जिम्मेदार

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने 20 दिन में दूसरी बार इलाहाबाद हाईकोर्ट को हिदायत दी कि उसे किसी भी केस में विवादित टिप्पणी करने से बचना चाहिए। हाईकोर्ट ने 10 अप्रैल को रेप के आरोपी को जमानत देते वक्त कहा था, पीड़ित लड़की ने खुद मुसीबत बुलाई, रेप के लिए वही जिम्मेदार है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट इलाहाबाद हाईकोर्ट की 26 मार्च को की गई एक और टिप्पणी 'स्तन दबाना और पायजामे की डोरी तोड़ना रेप की कोशिश नहीं मानी जा सकती' पर सुनवाई कर रहा था। इसी दौरान, सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट की 10 अप्रैल की टिप्पणी का जिक्र किया। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने कहा कि हाईकोर्ट जज का जमानत के बारे में फैसला केस से जुड़े फैक्ट्स के आधार पर करना चाहिए। पीड़ित लड़की के खिलाफ गैरजरूरी टिप्पणी से बचना चाहिए।

इस साल मानसून सामान्य से बेहतर रहेगा

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को बताया कि इस बार जून से सितंबर तक मानसून सामान्य से बेहतर रहेगा। मौसम विभाग 104 से 110 प्रतिशत के बीच बारिश को सामान्य से बेहतर मानता है। यह फसलों के लिए अच्छा संकेत है। आईएमडी के प्रमुख मृत्युंजय महापात्रा ने बताया कि 2025 में 105 प्रतिशत यानी 87 सेंटीमीटर बारिश हो सकती है। 4 महीने के मानसून सीजन के लिए लॉन्ग पीरियड एवरेज (एलपीए) 868.6 मिलीमीटर यानी 86.86 सेंटीमीटर होता है। यानी मानसून सीजन में कुल इतनी बारिश होनी चाहिए। मानसून 1 जून के आसपास केरल के रास्ते आता है।

पोक्सो आरोपी को जमानत, 3 साल से जेल में था

बॉम्बे हाईकोर्ट बोला-शारीरिक संबंध सहमति से बने थे, नाबालिग परिणाम जानती थी

मुंबई, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को दिए एक फैसले में नाबालिग से रेप (पोक्सो) के आरोप में 3 साल से जेल में बंद 22 साल के युवक को जमानत दे दी। जस्टिस मिलिंद जाधव की बेंच ने कहा कि 15 साल की नाबालिग को पता था वह क्या कर रही है, वह इसके परिणाम भी जानती थी। बेंच ने अपने आदेश में कहा-लड़की के बयान से स्पष्ट है कि दोनों के बीच प्रेम संबंध थे और शारीरिक संबंध सहमति से बने थे। लड़की ने अपनी मर्जी से अपना घर छोड़ा और युवक के साथ गई।

> "लड़की ने अपनी मर्जी से युवक के साथ भागने का फैसला किया और 10 महीने तक उसके साथ रही, जो दिखाता है कि 18 साल से कम उम्र होने के बावजूद वह अपने फैसले को लेकर स्पष्ट थी।
>
> **जस्टिस मिलिंद जाधव**
> **बॉम्बे हाईकोर्ट के जज**

कोर्ट ने यह भी नोटिस किया कि जब लड़की ने परिवार को फोन करके बताया कि वह उत्तर प्रदेश के एक गांव में है, तब भी उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की। बेंच ने कहा कि कानून के प्रावधान कड़े होने के बावजूद, न्याय के हित में जमानत देने से इनकार नहीं किया जा सकता, खासकर जब चार साल से मामला लंबित है और अभी तक ट्रायल शुरू नहीं हुआ है।

8 अगस्त 2020 को 15 साल की लड़की अपने घर से लापता हो गई। लड़की के पिता को शक था कि वह एक युवक के साथ भागी है। पिता ने नवी मुंबई में युवक के किराए के मकान पर जाकर तलाश की, लेकिन वह वहां नहीं मिला। फोन पर संपर्क करने पर युवक ने लड़की के बारे में जानकारी होने से इनकार कर दिया। दो दिन बाद लड़की ने अपने पिता को बताया कि वह उत्तर प्रदेश में युवक के गांव में है। मई 2021 में, करीब 10 महीने बाद, लड़की ने अपने पिता को बताया कि वह गर्भवती है और युवक शादी करने से मना कर रहा है। उसने नवी मुंबई वापस आने में मदद मांगी। पिता पुलिस के साथ उत्तर प्रदेश गए और लड़की को एक अन्य महिला के साथ वापस ले आए।

नाबालिग का बयान

लड़की के मुताबिक, वह 2019 से युवक को जानती थी। युवक ने उसे अपनी भावनाएं बताई थीं, जिस पर उसने भी सकारात्मक जवाब दिया था। माता-पिता की मनाही के बावजूद दोनों नियमित रूप से मिलते थे। मार्च 2020 में युवक ने उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए, फिर कोविड लॉकडाउन के कारण वह अपने गांव लौट गया। बाद में वह लड़की को अपने साथ ले जाने के लिए वापस आया।

वक्फ कानून पर हिंसा मुर्शिदाबाद में हालात सामान्य

मुर्शिदाबाद, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में 10-12 अप्रैल के बीच हुई हिंसा के बाद हालात सामान्य हो गए हैं। प्रशासन ने कहा-हिंसा वाले शहर धुलियान में स्थिति नियंत्रण में है। लोग अब धीरे-धीरे काम पर लौट रहे हैं। धुलियान से पलायन कर चुके 500 से ज्यादा लोग अब वापस आ रहे हैं। हिंसा प्रभावित शमशेरगंज के एक निवासी हबीब-उर-रहमान ने न्यूज एजेंसी से कहा-बीएसएफ और सीआरपीएफ की तैनाती के बाद माहौल शांत है। प्रशासन ने हमसे दुकान खोलने और अनुशासन बनाए रखने को कहा है। कई लोगों ने बीएसएफ की स्थायी तैनाती की मांग भी की है। उनका कहना है कि अगर बीएसएफ हटी तो फिर से हालात खराब हो सकते हैं। एक दुकानदार ने कहा-मेरी पूरी बिल्डिंग तोड़ दी गई। दरवाजे-खिड़कियों से लोग अंदर घुसे और पूरा सामान लूट लिया। 13.5 लाख रुपए कैश लेकर चले गए। कुल मिलाकर करीब 20-25 लाख का नुकसान हुआ है। वहीं, अधीर रवि दास ने बताया- मेरी दुकान पूरी तरह जलकर राख हो गई। 6-7 लाख रुपए के सामान का नुकसान हुआ है।

वक्फ कानून के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद, नॉर्थ 24 परगना, हुगली और मालदा जिलों में हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए। गाड़ियां जलाईं, दुकानों-घरों में तोड़फोड़ कर लूट भी की गई। 3 लोगों की मौत हुई। 15 पुलिसकर्मी घायल हैं। 300 से ज्यादा लोग गिरफ्तार किए गए। केंद्र सरकार ने हिंसाग्रस्त इलाकों में 1600 जवान तैनात किए हैं। इनमें 300 बीएसएफ जवान हैं।

खबरे जरा हटके

जापान के कैदियों को परोसा जाता है ऐसा खाना, देखते ही मुंह में आ जाएगा पानी, हर कोई जाना चाहेगा जेल!

दुनिया के हर देश में जेल बनाए गए हैं. वैसे लोग जो अपराधी प्रवृति के होते हैं और पकड़े जाते हैं, उन्हें पकड़कर जेल भेजा जाता है. जेल का मकसद होता है ऐसे अपराधियों को आम लोगो से अलग करके रखना. इसके पीछे दो वजह है. पहली कि ये और अपराध कर दूसरों को नुकसान ना पहुंचाए और दूसरा कि इन्हें सुधरने का मौका मिले. जेल में अपराधियों की सुधार पर काम किया जाता है. भारत के जेलों की स्थिति किसी से छिपी नहीं है. भारत की जेलों में बड़े-बड़े बैरकों में कई कैदियों को रखा जाता है. जो खूंखार अपराधी होते हैं उन्हें अंधेरे कमरे में अकेले रखा जाता है, जिसमें टॉयलेट भी वहीं होता है. मच्छर, गंदगी और कई तरह की मुश्किलों में कैदियों को रहना पड़ता है. लेकिन दुनिया के ऐसे कई देश हैं, जहां के जेल फाइव स्टार होटल से कम नहीं होते. इन जेलों में कैदियों को कई तरह की सुविधाएं दी जाती है. कहीं उन्हें एक आरामदायक बेड वाला कमरा दिया जाता है तो कहीं उन्हेंजन अपनी फैमिली के साथ जेल में रहने का मौका दिया जाता है. इस बीच जापान के जेल में कैदियों को दिए जाने वाले खाने का वीडियो सामने आया. इसे देखकर कई लोगों का जेल में ही बस जाने का मन हो जाएगा.

फाइव स्टार लेवल का खाना

भारत की जेलों में मिलने वाले खाने में सादगी देखने को मिलती है. यहां कैदियों को पोषक खाना तो मिलता है लेकिन बहुत ही सादा. इसमें दाल, चावल, सब्जी आदि शामिल है. सुबह और शाम चाय-बिस्किट का इंतजाम होता है. लेकिन जब लोगों ने जापान के जेलों में कैदियों को मिलने वाले खाने का वीडियो देखा तो उन्हें यकीन ही नहीं हुआ. यहां की जेलों में कैदियों को वैसा खाना दिया जाता है, जिसे खाने के लिए भारत में लोग महंगे होटलों में जाते हैं. इस खाने की प्रिपरेशन से लेकर उसकी पैकेजिंग तक बेहतरीन ढंग से की जाती है.

धरती पर समुद्र के नीचे छुपे हैं एलियंस? अमेरिकी नौसेना के कैमरे में कैद हुआ मंजर

कई लोग मानते हैं कि आसमान में अनजानी चीजें सिर्फ हवाई जहाज या पक्षी हो सकते हैं. लेकिन कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो कहते हैं कि ये चीजें धरती की नहीं, बल्कि किसी अनजान दुनिया से आती हैं. उनके लिए ये न सिर्फ रहस्य है, बल्कि एक ऐसी सच्चाई भी, जो दुनिया बदल सकती है. ऐसा ही कुछ हुआ कैलिफोर्निया के समुद्र में, जहां पर अमेरिकी नौसेना के जहाज पर लगे कैमरे में ऐसी चीज कैद हो गई, जिसे देखकर लोगों के होश उड़ गए. हाल ही में इस बारे में यूएफओ यानी अनजान उड़न तश्तरियों की खोज करने वाले मशहूर पत्रकार जेरेमी कॉर्बेल ने इससे जुड़ा एक वीडियो शेयर किया, जो अमेरिकी नौसेना के जहाज यूएसएस जैक्सन पर 2023 में रिकॉर्ड हुई. इस वीडियो में कुछ अजीब टिक-टैक आकार की चीजें समुद्र से निकलकर हवा में उड़ती दिखीं. जेरेमी का कहना है कि ये कोई आम चीज नहीं थी. वहीं, नौसैनिकों का मानना है कि कैलिफोर्निया के समुद्र के नीचे कोई यूएफओ बेस हो सकता है.

बता दें कि ये वीडियो फरवरी 2023 की है, जब यूएसएस जैक्सन दक्षिणी कैलिफोर्निया के तट पर था. वीडियो में चार चमकदार, बिना पंखों और पूंछ वाली चीजें दिखीं, जो पानी से निकलकर सीधे हवा में चली गईं. जेरेमी ने बताया कि ये कोई तकनीकी गलती नहीं थी. उन्होंने कहा, "कोई पंख नहीं, कोई पूंछ नहीं, कोई गर्मी का निशान नहीं. ये एकदम साफ टिक-टैक की तरह थी और ये पानी के नीचे से आई." नौसैनिकों ने रडार पर इन चीजों को ट्रैक किया. उनके मुताबिक, चारों चीजों ने एक साथ, एकदम तेजी से उड़ान भरी, जैसे वो आपस में बात कर रही हों. एक नौसैनिक ने कहा, "सब एक साथ गायब हो गए, जैसे कोई गिनती हो – तीन, दो, एक, चलो!" उस इलाके में 2004 और 2019 में भी ऐसी चीजें दिखी थीं. रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2004 में यूएसएस निमित्ज के पायलट्स ने ऐसी ही टिक-टैक चीज देखी थी, जो 80,000 फीट की ऊंचाई से एक सेकंड में समुद्र तक आ गई, बिना कोई आवाज या इंजन का निशान छोड़े.

महिला ने करवाया डीएनए टेस्ट, जांच में हुआ खुलासा, जिसे बचपन से समझती थी पापा, वो तो कोई और निकला!

कहते हैं कि जिंदगी में कुछ सच ऐसे होते हैं जो अचानक सामने आते हैं और सब कुछ बदल देते हैं. ऐसा ही कुछ एक महिला के साथ हुआ, जिसके लिए एक अजनबी शख्स का मैसेज उसकी दुनिया का सबसे बड़ा राज खोल गया. इस शख्स ने उस महिला को सिर्फ इतना कहा कि तुम्हारी शक्ल मेरे एक पुराने दोस्त से मिलती है. ऐसे में महिला ने तुरंत डीएनए टेस्ट करवाया और फिर जांच में जो खुलासा हुआ, उसे देख सन्न रह गई. महिला बचपन से लेकर अब तक जिस शख्स को अपना पापा समझती थी, असल में वो कोई और निकला. महिला का नाम एंजेला है, जो 33 साल की हैं और अमेरिका में रहती हैं. वो अपने पिता के साथ बड़ी हुईं, जिन्होंने उन्हें जन्म के पहले दिन से अपनी बेटी माना. वो पिता उन्हें बेइंतहा प्यार करते थे, उनके लिए कुछ भी कर गुजरते थे. एंजेला को कभी शक भी नहीं हुआ कि उनकी जिंदगी में कोई राज छुपा हो सकता है. लेकिन 2021 में एक ऐसा सच सामने आया, जिसने सब कुछ उलट-पुलट कर दिया.

बात तब शुरू हुई जब एंजेला अपनी नानी के अंतिम संस्कार में गईं. वहां उनकी मुलाकात कुछ पुराने रिश्तेदारों से हुई, जिनसे वो सालों से नहीं मिली थीं. सब लोग नानी को याद कर रहे थे, तभी उनके सामने अंकल की उम्र का एक अजनबी शख्स आया और उन्होंने कुछ ऐसा कहा जिसने एंजेला को सोच में डाल दिया. शख्स ने मैसेज किया, "एंजेला, तुम मेरे स्कूल के दोस्त की तरह दिखती हो, बिल्कुल उसकी हमशक्ल." ये बात सुनकर एंजेला के दिमाग में सवाल उठने लगे.

कर्नाटक में पति ने पत्नी की मस्जिद में शिकायत की

लोगों ने पाइप-डंडों से पीटा; रिश्तेदारों के साथ घूमने से नाराज था पति, 6 गिरफ्तार

बेंगलुरु, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक के दावणगेरे इलाके में एक 38 साल की महिला के साथ कुछ लोगों ने मारपीट की। घटना 9 अप्रैल की है। पीड़ित शबीना बानू और उसके पति जमील अहमद उर्फ शमीर के बीच विवाद हुआ था। जिसके बाद अहमद ने स्थानीय मस्जिद में अपनी पत्नी के खिलाफ शिकायत की थी। 7 अप्रैल को पीड़िता शबीना बानू के घर उसके रिश्तेदार नसरीन और फैयाज आए थे, जिनके साथ शबीना घूमने गई थी। अहमद को यह बात पंसद नही आई और उसने नाराज होकर अपनी पत्नी, नसरीन और फैयाज के खिलाफ शिकायत दर्ज करा दी।

दो दिन बाद, 9 अप्रैल को तीनों को मस्जिद में बुलाया गया। जब वे मस्जिद पहुंचे तो बाहर ही 6 लोगों के एक समूह ने शबीना पर लाठी और पाइप से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। हमलावरों ने उस पर पत्थर फेंकने की भी कोशिश की। आरोपियों की पहचान मोहम्मद नियाज (32), मोहम्मद गौसपीर (45), चांद बाशा (35), दस्तगीर (24), रसूल टीआर (42) और इनायत उल्लाह (51) के रूप में हुई है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने FIR दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

मुर्शिदाबाद हिंसा में बाप-बेटे की हत्या के आरोपी अरेस्ट

मुर्शिदाबाद, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। वक्फ कानून के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में 10-12 अप्रैल के बीच हुई हिंसा में पिता-पुत्र की हत्या करने वाले 2 आरोपी पकड़ लिए गए हैं। एक आरोपी बीरभूम और दूसरा बांग्लादेश बॉर्डर से पकड़ा गया है। इनके नाम कालू नदाब और दिलदार नदाब हैं। इन दोनों ने हरगोबिंद दास और चंदन दास की हत्या की थी। इधर, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हिंसा से जुड़ी शुरुआती जांच रिपोर्ट गृह मंत्रालय को सौंप दी गई है। इसमें बांग्लादेश से घुसपैठ और स्थानीय प्रशासन की लापरवाही का जिक्र है। वक्फ कानून के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद, नॉर्थ 24 परगना, हुगली और मालदा जिलों में हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए।

पूर्व आईएएस प्रशिक्षु पूजा खेडकर को फिर राहत

सुप्रीम कोर्ट ने गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण बढ़ा

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पूर्व भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) प्रशिक्षु अधिकारी पूजा खेडकर को गिरफ्तारी से संरक्षण देने के अपने अंतरिम आदेश को बढ़ा दिया। पूजा पर 2022 संघ लोक सेवा आयोग परीक्षा के लिए पात्रता प्राप्त करने के लिए अपने दस्तावेजों में जालसाजी करने का आरोप है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मामले की सुनवाई 21 अप्रैल को तय की। कोर्ट ने कहा कि तब तक उन्हें गिरफ्तारी से दिया गया अंतरिम संरक्षण जारी रहेगा।

अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए 15 अप्रैल की तारीख तय

इस बीच वकील ने पीठ को बताया कि उनकी ओर से एक जवाबी हलफनामा दायर किया गया है, लेकिन यह अदालत के रिकॉर्ड में नहीं दिख रहा है। फिर पीठ ने मामले की सुनवाई स्थगित कर दी। इससे पहले शीर्ष अदालत ने दिल्ली पुलिस से जांच तेजी से पूरी करने को कहा और पूछा कि जब खेडकर ने खुद हलफनामे में कहा है कि वह सहयोग करने को तैयार हैं, तो वह जांच पूरी क्यों नहीं कर रही है। पीठ ने खेडकर की ओर से दायर अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए 15 अप्रैल की तारीख तय की है।

अतिरिक्त सॉलिसिटर ने दी थी यह दलील

दिल्ली पुलिस की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने पहले शीर्ष अदालत से कहा था कि यूपीएससी उम्मीदवारों की ओर से प्रस्तुत किए गए फर्जी दस्तावेजों के बड़े घोटाले की जांच के लिए पुलिस को हिरासत में लेकर पूछताछ करने की जरूरत है। तब पीठ ने कहा था कि जिस स्रोत से खेडकर ने कथित तौर पर जाली प्रमाण पत्र प्राप्त किए, उसका खुलासा किया जाना चाहिए, लेकिन इसके लिए उन्हें हिरासत में रखना जरूरी नहीं है।

हाईकोर्ट के आदेश का दी है चुनौती

खेडकर ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश को शीर्ष अदालत में चुनौती दी थी, जिसमें उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी। जनवरी में शीर्ष अदालत ने उन्हें गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण प्रदान किया था और उनसे जांच में सहयोग करने को कहा था। खेडकर पर संघ लोक सेवा आयोग परीक्षा (यूपीएससी परीक्षा) पास करने के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और बेंचमार्क विकलांग व्यक्तियों के लिए आरक्षण का धोखाधड़ी से लाभ उठाने का आरोप है।

'चोकसी पर मुंबई में 63 लाख का बकाया फ्लैटों के रखरखाव के लिए नहीं चुकाई रकम'

रिपोर्ट में दावा

मुंबई, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। भगोड़े भारतीय व्यवसायी मेहुल चोकसी पर मुंबई के मालाबार हिल स्थित गोकुल अपार्टमेंट में फ्लैट के रखरखाव का लगभग 63 लाख रुपये बकाया है। सोसायटी के एक सदस्य ने यह बड़ा दावा किया। एएनआई से बात करते हुए उन्होंने बताया कि मेहुल चोकसी के पास मालाबार हिल स्थित गोकुल अपार्टमेंट में 9वीं, 10वीं और 11वीं मंजिल पर तीन यूनिट हैं। उन्होंने सात साल से अधिक समय से रखरखाव का भुगतान नहीं किया है।

उन्होंने बताया, 'चोकसी पर सात साल से रखरखाव के एवज में किए जाने वाले भुगतान का बकाया है। उसके पास तीन यूनिट हैं- 9वीं, 10वीं और 11वीं मंजिल। 11वीं मंजिल एक छत है, जिस पर उसने अवैध रूप से कब्जा कर रखा है। बिना ब्याज के करीब 63 लाख रुपये का रखरखाव बकाया है। 2020 में हमारे कॉन्डोमिनियम में नवीनीकरण का काम हुआ था, प्रति यूनिट की लागत 30-35 लाख रुपये आई थी, इसलिए यदि आप तीन यूनिट की लागत जोड़ते हैं, तो यह लगभग 95 लाख रुपये होगी।'

संपत्ति को ईडी ने कुर्क किया था

उन्होंने आगे कहा, 'फ्लैट में बड़े पेड़ उगने लगे हैं और जड़ें निश्चित रूप से इमारत की को नुकसान पहुंचाएंगी। यह एक बोझ है, जिसे हमें बिना किसी गलती के उठाना पड़ रहा है। हमें भारत की कानूनी व्यवस्था, ईडी अधिकारियों पर भरोसा है और हमें उम्मीद है कि हमें बकाया राशि मिल जाएगी।' संपत्ति को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कुर्क किया था।

क्या है मामला?

इससे पहले बेल्जियम ने सोमवार को पुष्टि की कि भगोड़े भारतीय व्यवसायी मेहुल चोकसी को 12 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया था। वर्तमान में उसे हिरासत में रखा गया है। भारत ने उसके प्रत्यर्पण के लिए भी अनुरोध किया है। 65 वर्षीय भगोड़ा हीरा व्यापारी 2 जनवरी, 2018 को भारत से भाग गया था। वह पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) से 13,850 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा वांछित है। उसका भतीजा नीरव मोदी भी धोखाधड़ी में उसके साथ शामिल था। चोकसी ने कथित तौर पर 2014 से 2017 तक अपने सहयोगियों और अन्य पीएनबी अधिकारियों के साथ मिलीभगत की। इस दौरान उसने पीएनबी से धोखाधड़ी से लेटर्स ऑफ अंडरटेकिंग और फॉरेन लेटर्स ऑफ क्रेडिट हासिल किए। इससे पीएनबी को 6097.63 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

बेलगावी में मालगाड़ी के डिब्बे पटरी से उतरे, रेल सेवाएं बाधित; रूट बहाली का काम तेजी से जारी

बेलगावी, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक में मंगलवार सुबह मालगाड़ी के डिब्बे पटरी से उतर गए। इस वजह रेल सेवाएं बाधित हुई हैं। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार सुबह बेलगावी रेलवे स्टेशन में प्रवेश करते समय एक मालगाड़ी के दो डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे इस मार्ग पर रेल सेवाएं बाधित हो गईं। फिलहाल किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है।

महाराष्ट्र के मिराज की ओर जा रही थी मालगाड़ी

दुर्घटना बेलगावी में कांग्रेस रोड पर मिलिट्री महादेव मंदिर के सामने ट्रैक पर हुई। मालगाड़ी महाराष्ट्र के मिराज की ओर जा रही थी। दक्षिण पश्चिम रेलवे की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि रूट बहाली के प्रयासों में तेजी लाने के लिए हुबली से एक दुर्घटना राहत ट्रेन को घटनास्थल पर भेजा गया है। संबंधित स्टेशनों पर प्रभावित यात्रियों के लिए आवश्यक व्यवस्था की गई है। बयान में कहा गया, 'दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। ट्रैक की बहाली का काम जारी है।' ट्रेन सेवाओं में किसी भी तरह के बदलाव के बारे में सूचित किया जाएगा। इस बीच बेलगावी रेलवे पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया और जांच कर रही है।

घर बनाने के नाम पर रिश्वत : दिल्ली पुलिस का एएसआई गिरफ्तार

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की विजिलेंस ब्रांच ने एक दिल्ली पुलिस के एएसआई को रिश्वत लेते हुए पकड़ा है। मॉडल टाउन थाने में तैनात एएसआई सुदेश को 2,00,000 रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। इस मामले में मॉडल टाउन थाने के थानाध्यक्ष पवन मीणा की भी भूमिका सामने आ रही है। हालांकि, जिला पुलिस अधिकारियों का कहना है कि थानाध्यक्ष पवन मीणा कल यानि सोमवार को दोपहर बाद परमिशन लेकर छुट्टी पर गए थे। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इलाके में रहने वाले दिल्ली पुलिस के 68 भर्ती है।

उज्जैन में विदेश मंत्रालय के अधिकारी को चांटा मारा

मंगलनाथ मंदिर में कंप्यूटर ऑपरेटर ने गर्भगृह से बाहर धकेला, परिवार से बदसलूकी की

उज्जैन, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। उज्जैन में मंगलनाथ मंदिर के कर्मचारी ने विदेश मंत्रालय के अधिकारी को चांटा मारा। उन्हें हाथ पकड़कर गर्भगृह से बाहर निकाल दिया। विरोध करने पर अधिकारी के परिवार से भी बदसलूकी की। वे मंदिर में भात पूजा कराने आए थे। घटना सोमवार की है। इसका वीडियो मंगलवार को सामने आया है। चिमनगंज मंडी पुलिस ने आरोपी कर्मचारी को गिरफ्तार कर लिया है।

उत्तर प्रदेश में वाराणसी निवासी सुमित कुमार विदेश मंत्रालय में अधिकारी हैं। वे सोमवार को अपनी पत्नी, 10 वर्षीय बेटे, 70 वर्षीय माता-पिता और सास-ससुर के साथ भात पूजा के लिए मंगलनाथ मंदिर पहुंचे थे। उन्होंने यहां सरकारी काउंटर से पूजा के लिए रसीद कटवाई और गर्भगृह के सामने अपनी बारी का इंतजार करने लगे।

पुजारी और दूसरे कर्मचारियों ने रोका

उस समय चार श्रद्धालु गर्भगृह में पूजा कर रहे थे। उनके बाहर निकलने के बाद तीन अन्य श्रद्धालुओं को गर्भगृह में प्रवेश दिया गया। इसी बीच सुमित कुमार बेटे के साथ गर्भगृह में चले गए। यह देखकर मंदिर का कंप्यूटर ऑपरेटर ओमप्रकाश ठाकुर मौके पर पहुंचा। उसने सुमित कुमार को अपशब्द कहे। उनका हाथ पकड़कर गर्भगृह से बाहर धकेल दिया। अधिकारी ने इस रवैये का विरोध किया तो ठाकुर हाथापाई करने लगा। उन्हें चांटा मार दिया। सुमित कुमार के परिवार ने बीच-बचाव किया तो ओमप्रकाश ने उनके साथ भी बदसलूकी की। मौके पर मौजूद श्रद्धालु, पुजारी और दूसरे कर्मचारियों ने ओमप्रकाश को रोका।

प्रबंधक बोले-कलेक्टर को प्रतिवेदन भेजा

मंदिर प्रबंधक केके पाठक ने कहा-आरोपी ओमप्रकाश ठाकुर के खिलाफ प्रतिवेदन कलेक्टर को भेजा है। जल्द ही उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मंदिर में देशभर से श्रद्धालु दर्शन-पूजन के लिए आते हैं। इस तरह की घटनाएं मंदिर की गरिमा को ठेस पहुंचाती हैं।

आरोपी पहले भी कर चुका है मारपीट

ओमप्रकाश ठाकुर पहले भी इस तरह की घटनाओं को अंजाम दे चुका है। 15 फरवरी 2022 को पूजा समाप्त होने के बाद मंदिर समिति के कर्मचारी दिलीप गुप्ता से राशि के मिलान को लेकर उसका विवाद हुआ था। यह मारपीट में बदल गया था। इस दौरान मंदिर कार्यालय के कांच टूट गए थे। ठाकुर के हाथ में चोट भी आई थी। उसे बर्खास्त किया गया था, लेकिन माफी मांगने पर दोबारा बहाल कर दिया गया था।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: कभी कबार प्रकृति का भी आनंद उठाये काम तो हर वक्त होते रहेगे ।

तेलंगाना विकास मॉडल पूरे देश में चर्चा का विषय : रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री ने खराब कार्यशैली को लेकर कांग्रेस विधायकों को रखा निशाने पर

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कांग्रेस विधायकों के शासन के प्रति अप्रभावी दृष्टिकोण और पार्टी के मामलों पर सार्वजनिक रूप से चर्चा करने की उनकी प्रवृत्ति के बारे में असंतोष व्यक्त किया है। मंगलवार को शमशाबाद के एक होटल में आयोजित कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि अगर विधायक पार्टी के आंतरिक मुद्दों पर खुलकर बोलते रहेंगे तो उनके व्यवहार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कई विधायकों के आचरण के बारे में चिंता व्यक्त की और कहा कि उनमें से कोई भी कांग्रेस सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों और कल्याणकारी पहलों को उजागर करने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग नहीं कर रहा है। मुख्यमंत्री ने सरकार के खिलाफ नकारात्मक बयानों का मुकाबला करने में विफल रहने के लिए विधायकों की आलोचना की और बताया कि कुछ विधायक अपने निर्वाचन क्षेत्रों की उपेक्षा कर रहे हैं और अपना अधिकांश समय हैदराबाद में बिता रहे हैं। रेवंत रेड्डी ने उनसे केवल सप्ताहांत पर राजनीति में शामिल होने से बचने का आग्रह किया। रेवंत रेड्डी ने कहा कि मंत्री पदों को लेकर कोई अनिश्चितता नहीं होनी चाहिए, उन्होंने पुष्टि की कि पार्टी नेतृत्व स्थिति को संभाल लेगा। उन्होंने विधायकों को सतर्क रहने की चेतावनी दी, क्योंकि उनकी सभी टिप्पणियां रिकॉर्ड की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस विधायकों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक ले जाने के निर्देश भी दिए और सुझाव दिया कि ऐसी गतिविधियों की योजना बनाई जानी चाहिए ताकि विधायक 17 अप्रैल से 2 जून तक निर्वाचन क्षेत्रों का दौरा कर सकें। उन्होंने लोगों को गुणवत्तापूर्ण चावल वितरित करने के दीर्घकालिक लाभों पर प्रकाश डाला और किसानों के लिए 'भूभारती पोर्टल' की पहुंच में सुधार की वकालत की।

रेवंत रेड्डी ने इस बात पर भी जोर दिया कि इंदिराम्मा आवास योजना एक राष्ट्रीय बेंचमार्क के रूप में काम करती है। उन्होंने कहा कि बीसी जाति जनगणना ने एक लंबे समय से चले आ रहे मुद्दे को संबोधित किया है, क्योंकि सरकार ने बीसी के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने के लिए कानून पेश किया है। इसके अलावा, उन्होंने बताया कि सरकार ने अनुसूचित जाति समुदाय के भीतर उप-जातियों के लिए एक स्थायी समाधान प्रदान करने के लिए अनुसूचित जाति वर्गीकरण अधिनियम लागू किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तेलंगाना की पहलों से बोझिल हो रहे हैं और अनुसूचित जातियों का वर्गीकरण भाजपा के लिए एक बाधा बन गया है। तेलंगाना विकास मॉडल पूरे देश में चर्चा का विषय है। भाजपा और बीआरएस दोनों पार्टियों ने एआई तकनीक का उपयोग करके कांचा गच्चीबावली भूमि को गलत तरीके से प्रस्तुत किया है और कांग्रेस सरकार के बारे में नकारात्मक प्रचार किया है।

लू को 'राज्य विशेष आपदा' किया घोषित

मृतकों के परिजनों को 4 लाख रुपये देने की घोषणा

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने मंगलवार को लू पीड़ितों के परिवारों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से हीटवेव, सनस्ट्रोक को राज्य विशिष्ट आपदा घोषित करने के आदेश जारी किए। नये सरकारी आदेश के तहत मृतकों के परिजनों को 4 लाख रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान की जाएगी। आदेश में कहा गया है कि राज्य सरकार ने उपर्युक्त सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए पीड़ितों के परिवारों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से हीटवेव/सनस्ट्रोक को अब से राज्य विशिष्ट आपदा घोषित करने का निर्णय लिया है।

हीटवेव एक 'छिपा हुआ खतरा' बना हुआ है, जिसके प्रभावों को मापन और मूल्यांकन चुनौतियों के कारण कम पहचाना जाता है। इसमें कहा गया है कि विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों और वृद्धों सहित आबादी के कमज़ोर वर्गों में हीटवेव से होने वाली मौतों और गंभीर प्रभावों की कम रिपोर्टिंग की जाती है।

सरकारी आदेश में आगे कहा गया है कि तेलंगाना में यह देखा गया कि पांच जिलों को छोड़कर शेष सभी 28 जिलों में कम से कम 15 दिनों तक भीषण गर्मी रही। विशिष्ट अनुग्रह राशि के अभाव में, राज्य अब तक लू के कारण मरने वाले मृतकों के परिवार को अपथबंधु योजना के तहत 50,000 रुपये की सहायता प्रदान कर रहा था।

शासनादेश में कहा गया है कि जिला कलेक्टर यह सुनिश्चित करेंगे कि उपयुक्त प्राधिकारी/प्राधिकारी उच्च परिवेशीय तापमान के संपर्क के इतिहास और हाइपरथर्मिया के अन्य कारणों के उचित बहिष्कार के आधार पर गर्मी से संबंधित मृत्यु का निदान करेंगे।

गांजे के साथ एक गिरफ्तार

आरोपी ओडिशा से पुणे ले जा रहा था गांजा

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद रेलवे पुलिस (जीआरपी) और आरपीएफ ने संयुक्त रूप से सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्मों और ट्रेनों पर ड्रग्स तस्करों के खिलाफ अचानक जांच की और एक आरोपी को गिरफ्तार किया जो ओडिशा के अदावा से महाराष्ट्र के पुणे तक गांजा ले जा रहा था। पुलिस ने बताया कि गांजा तस्कर बेंजामिन गमंगो, गुमीगुड़ा, चौडांगापुर, आदावा, गजपति जिला ओडिशा का रहने वाला है। आरोपी ओडिशा का मूल निवासी है और अपने गांव में कृषि मजदूर का काम करता है। तीन महीने पहले उसकी मां की तबीयत खराब होने के कारण मौत हो गई थी। इसलिए वह उनकी शुद्धि के लिए भव्य तरीके से अनुष्ठान करना चाहता था, जिसके लिए उसे अधिक धनराशि की जरूरत थी। हालांकि, उसके पास पर्याप्त धन नहीं था। फिर वह आदावा वन क्षेत्र में गया और एक अज्ञात व्यक्ति से मिला। वहां उसे कई तरह के गांजे मिले और उसने अपने मोबाइल फोन से उनकी तस्वीरें खींचीं। उसने सबसे अच्छी गुणवत्ता वाला गांजा खरीदा और उसे पुणे में ऊंचे दामों पर बेचा। कमाई से आकर्षित होकर उसने मजदूरी करने के बजाय गांजा बेचना जारी रखने का फैसला किया। हमेशा की तरह 14 अप्रैल की सुबह-सुबह, वह अदावा जंगल में गया और 2,000 प्रति किलोग्राम के हिसाब से लगभग 4 किलोग्राम गांजा खरीदा। उसने गांजे को 2 बंडलों में पैक किया और उन्हें एक बैकपैक में रख लिया। उसी दिन, वह बस से इच्छापुरम रेलवे स्टेशन गया। वहां से वह जनरल टिकट के साथ विशाखा एक्सप्रेस के जनरल कोच में सवार हुआ और सिकंदराबाद की यात्रा जारी रखी। बाद में, 15 अप्रैल को सुबह लगभग 7:15 बजे वह प्लेटफॉर्म नंबर 10 पर उतर गया। ट्रेन से उतरने के बाद, उसे पता चला कि कोणार्क एक्सप्रेस पुणे जाने वाली सुबह 11:00 बजे निर्धारित है और प्लेटफॉर्म नंबर 10 पर आएगी। इसी दौरान पुलिस ने आरोपी के बैकपैक से (4.50 किलोग्राम) गांजा बरामद किया। बरामद गांजे की कीमत 2,25,000 रुपये बतायी जा रही है।

निवेश आकर्षित करने के लिए सीएम रेवंत जापान रवाना

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार रात को जापान की अपनी यात्रा शुरू की। 16 से 22 अप्रैल तक अपनी एक सप्ताह लंबी यात्रा के दौरान, मुख्यमंत्री टोक्यो, माउंट फ़ूजी, ओसाका और हिरोशिमा में एक आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। यात्रा के हिस्से के रूप में, मुख्यमंत्री ओसाका वर्ल्ड एक्सपो 2025 में "तेलंगाना मंडप" का उद्घाटन करेंगे। भारी निवेश आकर्षित करने के उद्देश्य से, मुख्यमंत्री का प्रतिनिधिमंडल प्रमुख कंपनी प्रबंधन, उद्योगपतियों और जापान के कई प्रतिनिधियों से मुलाकात करेगा। संभावित निवेशकों के साथ निर्धारित बैठकों में, मुख्यमंत्री के नेतृत्व में आधिकारिक टीम तेलंगाना में निवेश की संभावनाओं और तेलंगाना राज्य द्वारा जापानी कंपनियों को तेलंगाना राज्य में अपनी विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने के लिए दिए जाने वाले औद्योगिक और तकनीकी सहयोग के बारे में बताएगी।

16,000 से अधिक आरटीआई अपीलें लंबित

खम्मम, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत की गई 16,000 से अधिक अपीलें और शिकायतें लंबित हैं, क्योंकि राज्य सरकार की निष्क्रियता के कारण मुख्य सूचना आयुक्त सहित 12 राज्य सूचना आयुक्त के पद रिक्त हैं। सरकार, जिसने 11 जून, 2024 को राज्य सूचना आयोग में सीआईसी और एसआईसी के पदों पर नियुक्तियों के लिए अधिसूचना जारी की थी, पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू करने में विफल रही। खम्मम के निवासी कोयिनी वेंकन्ना ने तेलंगाना उच्च न्यायालय में रिट याचिका संख्या 9947/2025 दायर कर आवेदनों पर कार्रवाई करने में अधिकारियों की निष्क्रियता को चुनौती दी है। न्यायमूर्ति के लक्ष्मण ने रिट याचिका का निपटारा करते हुए 2 अप्रैल को एक आदेश जारी किया, जिसमें सरकार को निर्देश दिया गया कि वह सूचना आयुक्त पद के लिए याचिकाकर्ता के 17 जून, 2024 के आवेदन पर सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार समय-सीमा के भीतर विचार करे।

याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता नल्लपु मणिदीप ने तर्क दिया कि सरकार की ओर से निरंतर निष्क्रियता ने न केवल 2018 के डब्ल्यूपी (सी) संख्या 436 और 2019 के एमए संख्या 1979 में सर्वोच्च न्यायालय के अनिवार्य निर्देशों का उल्लंघन किया है। उपर्युक्त मामले में, सर्वोच्च न्यायालय ने माना कि अधिकांश राज्यों ने रिक्तियों को भरने के लिए चयन प्रक्रिया शुरू कर दी है, लेकिन नियुक्तियां किस समय सीमा के भीतर की जानी चाहिए, इस बारे में कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई है और राज्यों को नियुक्तियां करने के लिए एक समय सीमा निर्धारित की है।

मणिदीप ने कहा कि सूचना आयुक्तों की नियुक्ति में देरी से राज्य सूचना आयोग का कामकाज लगभग निष्क्रिय हो गया है, जिससे संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत नागरिकों के सूचना प्राप्त करने के मौलिक अधिकार पर असर पड़ रहा है। सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों का पालन करने के राज्य के आश्वासन के आधार पर 29 जनवरी को एक जनहित याचिका डब्ल्यूपी (पीआईएल) संख्या 18/2023 का निपटारा पहले ही एक खंडपीठ द्वारा किया जा चुका है। तब से कोई नियुक्ति नहीं की गई है, जिसके कारण याचिकाकर्ता को न्यायिक हस्तक्षेप की मांग करनी पड़ी। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय का निर्णय लोक प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही बहाल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि तेलंगाना में सूचना का अधिकार व्यवस्था संस्थागत रिक्तियों और बढ़ते लंबित मामलों के कारण गंभीर दबाव में थी।

मंगलवार को हैदराबाद के कई हिस्सों में हुई हल्की बारिश

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। उमस भरी गर्मी के बीच मंगलवार की दोपहर को शहर और बाहरी इलाकों के कई हिस्सों में हल्की बारिश हुई। सुबह से ही गर्म और उमस भरा मौसम दोपहर 2 बजे अचानक बदल गया, जब आसमान में बादल छाने लगे। जल्द ही शहर और उपनगरों के अलग-अलग इलाकों में बारिश शुरू हो गई, जबकि कुछ इलाकों में ओले भी गिरे।

बारिश की यह अवधि कुछ समय के लिए थी, लेकिन बारिश ने कई इलाकों में तापमान को कुछ डिग्री नीचे ला दिया। हालांकि, शहर के कुछ हिस्सों में मौसम अजीब था, दोपहर 3 बजे के आसपास बारिश होने के बावजूद सूरज की तपिश तेज थी। यह घटना कुछ समय तक जारी रही, फिर बारिश बंद हो गई और फिर से तेज धूप निकल आई। हैदराबाद के अलावा रंगारेड्डी, मेडचल मलकाजगिरी, महबूबनगर, नागरकर्नूल और विकाराबाद जिलों में भी छिटपुट बारिश दर्ज की गई। भारतीय मौसम विभाग-हैदराबाद ने शहर और कुछ जिलों में छिटपुट स्थानों पर मध्यम बारिश और सतही हवाओं के साथ मध्यम गरज के साथ छींटे पड़ने का अनुमान लगाया था।

नोवोटेल होटल में ओवरलोड लिफ्ट में फंसे सीएम रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी मंगलवार को शमशाबाद स्थित नोवोटेल होटल में लिफ्ट में तकनीकी खराबी आने के कारण कुछ देर के लिए लिफ्ट में फंसे रहे। जानकारी के अनुसार, यह घटना उस समय घटी जब मुख्यमंत्री एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे और होटल की ऊपरी मंजिलों पर जाने के लिए लिफ्ट में चढ़े। लिफ्ट की क्षमता केवल आठ लोगों की थी, लेकिन ग्राउंड फ्लोर पर कथित तौर पर 13 लोग इसमें चढ़ गए।

हालांकि, पता चला है कि लिफ्ट में खराबी आ गई और यह ग्राउंड और पहली मंजिल के बीच में ही रुक गई। मुख्यमंत्री के सुरक्षा अधिकारियों ने तुरंत होटल स्टाफ को सूचित किया, जिन्होंने लिफ्ट का दरवाजा खोला। उन्हें दूसरी लिफ्ट से दूसरी मंजिल पर ले जाया गया। सुरक्षा अधिकारियों और होटल कर्मचारियों ने राहत की सांस ली।

टीआईएफ के प्रमुख सहयोगी केंद्रों में से एक के रूप में कमला अस्पताल नामित

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में थैलेसीमिया और सिकल सेल सोसाइटी (टीएससीएस) के तहत संचालित कमला अस्पताल और थैलेसीमिया और सिकल सेल रोग अनुसंधान केंद्र को आधिकारिक तौर पर भारत में थैलेसीमिया इंटरनेशनल फेडरेशन (टीआईएफ) के प्रमुख सहयोगी केंद्रों में से एक के रूप में नामित किया गया है। यह मान्यता इस सुविधा को उन विशिष्ट केंद्रों के वैश्विक नेटवर्क में शामिल करती है जो थैलेसीमिया और सिकल सेल रोग (एससीडी) सहित हीमोग्लोबिनोपैथी के क्षेत्र में देखभाल, शिक्षा और अनुसंधान के मानकों को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो इसे भारत के स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बनाता है। यह प्रतिष्ठित चयन विश्व-प्रसिद्ध विशेषज्ञों द्वारा आयोजित एक कठोर और बहु-चरणीय अंतर्राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रक्रिया का परिणाम है, जिसके बाद कमला अस्पताल और अनुसंधान केंद्र (टीएससीएस) अब व्यापक देखभाल को बढ़ाने, चिकित्सा प्रशिक्षण को मजबूत करने और उच्च रोग बोझ वाले देशों में क्षमता निर्माण के लिए टीआईएफ के नेतृत्व में एक शक्तिशाली वैश्विक पहल में शामिल हो गया है। फरवरी 2025 में, प्रो. एंटोनियो पिगा और प्रो. दिमित्रियोस फार्माकिस के एक विशेषज्ञ प्रतिनिधिमंडल द्वारा एक आधिकारिक ऑन-साइट मूल्यांकन किया गया था। उनके निरीक्षण में हैदराबाद में कमला अस्पताल और अनुसंधान केंद्र (टीएससीएस), अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली और पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्थ, नोएडा शामिल थे।

गहन पोस्ट-विजिट मूल्यांकन के बाद, कमला अस्पताल और अनुसंधान केंद्र (टीएससीएस), हैदराबाद को भारत में दो टीआईएफ सहयोगी केंद्रों में से एक के रूप में चुना गया था। टीआईएफ सहयोगी केंद्र नेटवर्क एक आधारशिला पहल है जिसे थैलेसीमिया और सिकल सेल रोग के उच्च बोझ से जूझ रहे देशों में देखभाल, शिक्षा और मानव संसाधनों में लगातार अंतराल को बंद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। सहयोग के बारे में बोलते हुए, टीएससीएस के अध्यक्ष चंद्रकांत अग्रवाल ने कहा, टीआईएफ द्वारा यह पदनाम न केवल कमला अस्पताल और टीएससीएस के लिए एक प्रशंसा है, बल्कि थैलेसीमिया और एससीडी से प्रभावित हजारों भारतीय परिवारों के लिए आशा की किरण है। यह टीएससीएस के उत्कृष्ट रोगी देखभाल मॉडल, न्यायसंगत पहुंच के लिए हमारे अटूट समर्पण, स्वैच्छिक रक्तदान और मुफ्त उपचार में हमारे नेतृत्व और अनुसंधान और रोकथाम में हमारे बढ़ते कद को स्वीकार करता है।

टीआईएफ सहयोगी केंद्र के रूप में, कमला अस्पताल अनुसंधान केंद्र (टीएससीएस) अब तेलंगाना से परे अपने प्रभाव का विस्तार करेगा, क्षेत्रीय केंद्रों को ऊपर उठाएगा, राष्ट्रीय नीतियों का समर्थन करेगा और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ सहयोग करेगा। डॉ. सुमन जैन, मुख्य चिकित्सा अनुसंधान अधिकारी और सचिव, टीएससीएस, प्रोफेसर एंटोनियो पिगा और प्रोफेसर दिमित्रियोस फार्माकिस, रत्नावली कोत्तापल्ली, उपाध्यक्ष, टीएससीएस ने भी बात की।

तेलंगाना कार्यकर्ता, टीबीजीकेएस सदस्य की दुर्घटना में मौत

कोत्तागुडेम, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कार्यकर्ता, टीबीजीकेएस केंद्रीय समिति के सदस्य रसुरी शंकर (58) की सोमवार देर शाम सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई। यह दुर्घटना धनबाद इलाके के पास हुई जब शंकर मोटरसाइकिल से सड़क पार कर रहा था, तभी पीछे से एक तेज़ रफ़्तार दोपहिया वाहन ने उसे टक्कर मार दी। वह गिर गया और उसके सिर में गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने उसे सिंगरेनी मुख्य अस्पताल पहुंचाया।

डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर होने के कारण उसे हैदराबाद रेफर कर दिया और बताया कि उसके सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उसकी नाक और कान से खून बह रहा था। हैदराबाद ले जाते समय रास्ते में ही शंकर की मौत हो गई। बीआरएस जिलाध्यक्ष रेगा कांथा राव, टीबीजीकेएस नेता कापू कृष्णा और अन्य ने शंकर की मौत पर दुख व्यक्त किया, उन्होंने कहा कि यह पार्टी के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि बीआरएस शोकाकुल परिवार के साथ खड़ी है। शंकर ने तेलंगाना राज्य आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया और टीबीजीकेएस को मान्यता प्राप्त श्रमिक संघ के रूप में निर्वाचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे अनुबंध श्रमिकों के अधिकारों के संरक्षण के लिए एसोसिएशन के अध्यक्ष थे।

एक परिवार के 5 लोगों की मौत

शादी में जा रहे थे, बस ने ऑटो को मारी टक्कर, शव कई फीट दूर गिरे

बहराइच, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। बहराइच में सड़क हादसे में एक परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई। 11 घायल हैं। ओवरटेक कर रही बस ने सामने से आ रहे टेंपो को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सवारियां कई फीट दूर जाकर गिरीं। सभी मृतक एक ही परिवार के थे और शादी कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घायलों को एम्बुलेंस से हॉस्पिटल भिजवाया। जहां डॉक्टरों ने 5 को मृत घोषित कर दिया। 11 घायलों में 5 की हालत गंभीर है। उन्हें लखनऊ रेफर किया गया है। हादसा मंगलवार दोपहर गोंडा रोड पर खुटहना इलाके में हुआ।

अमित शाह नीतीश को सीएम फेस नहीं बताते : तेजस्वी

> राहुल-खड़गे के साथ 45 मिनट मीटिंग, निशांत का जवाब-पिता ही होंगे मुख्यमंत्री

पटना, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली में आज यानी मंगलवार को बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर आरजेडी और कांग्रेस की मीटिंग हुई। यह मीटिंग लगभग 45 मिनट चली। बैठक के बाद खड़गे आवास के बाहर मीडिया से बात करते हुए तेजस्वी ने कहा कि, 'जो भी चीजें हैं, मिलकर बैठकर तय हो जाएंगी।' सीएम फेस के सवाल पर उन्होंने कहा- 'बातचीत से सब फाइनल होगा।

आपलोग चिंता न करें।' कितने सीट पर कौन चुनाव लड़ेगा इस सवाल पर तेजस्वी यादव ने कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने दावा किया कि 'इस बार बिहार में हमारी सरकार बनेगी यह तय है।' बैठक में राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल मौजूद रहें। वहीं राजद की ओर से तेजस्वी यादव के साथ-साथ राजद सांसद मनोज झा, और संजय यादव भी मीटिंग में शामिल हुए। वहीं बिहार कांग्रेस से प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम और प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरू मीटिंग में शामिल हुए। प्रदेश प्रभारी बनने के बाद पहली बार अल्लावरू और तेजस्वी की ये पहली मुलाकात रही, वहीं 6 अप्रैल को राजेश राम ने राबड़ी आवास जाकर तेजस्वी से मुलाकात की थी।

बिहार के साथ सौतेला व्यवहार

तेजस्वी यादव ने कहा कि 'हम सभी ने बैठक की है और काफी सकारात्मक चर्चा हुई है और हम सभी 17 तारीख को पटना में अपने गठबंधन सहयोगियों के साथ बैठेंगे। हम पूरी तरह से तैयार हैं।' 'हमारी स्ट्रेटजी हम मीडिया में बताते नहीं है। लेकिन इतना तय है कि इस बार एनडीए की विदाई होगी और बिहार में हमारी सरकार बनेगी।'

पिताजी ही होंगे बिहार के मुख्यमंत्री-निशांत

तेजस्वी के बयान पर पटना में नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने कहा कि, एनडीए में सीएम फेस को लेकर कोई कन्फ्यूजन नहीं है। अमित शाह कह चुके हैं कि पिताजी ही सीएम फेस होंगे। सम्राट चौधरी ने भी कहा है कि 15 साल तक पिताजी का नेतृत्व रहेगा। वहीं सीएम की सेहत पर उठते सवाल पर कहा- 'मेरे पिताजी पूरी तरह से स्वस्थ हैं। जनता सब देख रही है। बिहार की जनता से अनुरोध है कि 2010 में जितनी सीटें दीं, उससे ज्यादा जिताए।'

खड़गे बोले-इस बार बिहार में बदलाव निश्चित

मीटिंग के बाद कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, 'इस बार बिहार में बदलाव निश्चित है।

आज हमने बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से मुलाकात कर महागठबंधन की मजबूती पर चर्चा की।' कांग्रेस प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने कहा, 'आज शुरुआती बैठक थी, आगे हम सभी साथ बैठ कर इस पर निर्णय लेंगे। अगली बैठक 17 तारीख को पटना में होगी, आगे की रणनीति वहां तय होगी। सीएम फेस के सवाल पर अल्लावरू ने कोई जवाब नहीं दिया।

लापता मासूम को डॉगी ने 10 मिनट में ढूंढा

रेप के बाद कब्रिस्तान में छोड़ गया था आरोपी, वाराणसी में बेहोशी की हालत में मिली

वाराणसी, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। 'बेटी विनोद के साथ बाहर खेल रही है। तीन घंटे बाद भी नहीं लौटी तो मैं ढूंढते हुए बाहर गई। आसपास तलाश किया, लेकिन कहीं पता नहीं चला। विनोद को फोन लगाया तो उसका फोन स्विच ऑफ था। मैं परेशान हो गई, तभी घर के बाहर बंधा डॉगी भौंकने लगा। मेरे जंजीर खोलते ही डॉगी तेजी से कब्रिस्तान की ओर भागा। 10 मिनट में वापस आया और मुझे खींचकर वहां ले गया। जब मैं पहुंची तो देखा बेटी बदहवास पड़ी थी।' ये बातें वाराणसी में 5 साल की रेप पीड़ित मासूम की मां ने कही। आरोपी पीड़ित बच्ची के पिता का दोस्त है। आरोपी शनिवार दोपहर में मासूम को बहकाकर क्रिश्चियन कब्रिस्तान में ले गया और बच्ची के साथ रेप किया। इसके बाद बदहवास हालात में छोड़कर फरार हो गया। परिजनों ने सोमवार को पुलिस को घटना की जानकारी दी। मासूम के पिता ने बताया- 12 अप्रैल यानी शनिवार को मैं काम से बाहर गया था। 2 बजे मेरा दोस्त विनोद (40) घर पर आया। वह सेंट जॉन्स मड़ौली में माली है। मेरी पत्नी से बातचीत करने लगा। घर में सबको जानता था, इसलिए वहीं बैठ गया। कुछ देर बातचीत के बाद पत्नी घर के काम में व्यस्त हो गई। तभी विनोद बेटी को घुमाने के बहाने बाहर ले गया। 3 घंटे बाद भी जब बेटी घर नहीं लौटी तो पत्नी को चिंता होने लगी।

योगी बोले-लातों के भूत बातों से नहीं मानते

> वक्फ की जमीनों पर गरीबों के लिए मकान बनाएंगे, जिसे बांग्लादेश पसंद, वो चला जाए

हरदोई, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी के सीएम योगी ने वक्फ कानून के विरोध में बंगाल में हो रही हिंसा पर हरदोई में कहा- लातों के भूत बातों से नहीं मानते हैं। दंगाई डंडे से ही मानेंगे। जिसे बांग्लादेश पसंद है, वह बांग्लादेश चला जाए। बंगाल जल रहा है, लेकिन वहां की मुख्यमंत्री के साथ-साथ सपा और कांग्रेस भी चुप हैं। ममता बनर्जी दंगाइयों को 'शांतिदूत' कहती हैं और सेक्युलरिज्म के नाम पर उन्हें खुली छूट दे दी है।

इस तरह की अराजकता पर लगाम लगनी चाहिए। वहां की कोर्ट को धन्यवाद दूंगा। जिसने वहां के अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा के लिए कदम उठाया है। योगी मंगलवार को माधोगंज स्थित रुइया गढ़ी पहुंचे, जहां उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राजा नरपत सिंह के विजय दिवस समारोह में भाग लिया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने 650 करोड़ रुपए की 729 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया।

वक्फ की जमीनों पर गरीबों के लिए मकान बनाएंगे

वक्फ की जमीनें वापस ली जाएंगी। इन पर अस्पताल बनेंगे, गरीबों के लिए मकान बनेंगे, ऊंची इमारतें बनेंगी। यहां स्कूल, विश्वविद्यालय बनेंगे और निवेश के लिए लैंड बैंक तैयार होगा। लेकिन किसी को जमीन पर कब्जा कर गुंडागर्दी करने की छूट नहीं मिलेगी। लोग इसी वजह से परेशान हैं, क्योंकि जमीन के नाम पर जो लूट मची थी, अब वह रुकने वाली है।

सपा-कांग्रेस को परेशानी है कि अब गुर्गे खाली हो जाएंगे

इन लोगों को इसलिए परेशानी हो रही है, क्योंकि अब उनके गुर्गों को बाहर का रास्ता दिखाया जा रहा है। वो गुर्गे जो पहले जनता को लूटते थे। जो भस्मासुर पाल रखे थे, अब उन्हें डर है कि कहीं वही इन्हें न डसने लगें। जो अकूत संपत्ति इकट्ठा की गई थी, उस पर डकैती न पड़ जाए। इसलिए ये वक्फ के नाम पर जनता को गुमराह कर रहे हैं, आंखों में धूल झोंक रहे हैं। लेकिन गुमराह होने की जरूरत नहीं है। हमें संविधान और बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के आदर्शों पर विश्वास रखना है और विकास की प्रक्रिया से जुड़ना है।

दंगाइयों का उपचार सिर्फ डंडा है पहले रोजगार का अभाव था, अव्यवस्था थी। हमने योजनाओं को आगे बढ़ाया है।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। पहले लोगों को पलायन करना पड़ता था, लेकिन अब तस्वीर बदल चुकी है। 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में हर दूसरे-तीसरे दिन दंगे होते थे। इन दंगाइयों का इलाज केवल डंडा है, बिना डंडे के वे मानेंगे नहीं।

ये लोग भारत की धरती पर बोझ बने हुए हैं

मुर्शिदाबाद को लेकर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और टीएमसी सब मौन हैं। वे धमकी पर धमकी दे रहे हैं और बांग्लादेश में जो हुआ, उसका समर्थन कर रहे हैं। अगर उन्हें बांग्लादेश अच्छा लगता है, तो वहीं चले जाएं। ऐसे लोग भारत की धरती पर बोझ बन चुके हैं। हरदोई में मेडिकल कॉलेज पूरी तरह तैयार हो चुका है और जल्द ही नर्सिंग कॉलेज भी शुरू होगा।

वाराणसी-गोरखपुर सहित 14 जिलों में बारिश का अलर्ट

वाराणसी, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी के मौसम में उलटफेर का सिलसिला जारी है। मौसम विभाग का अनुमान है कि मंगलवार को भी प्रदेश के 14 जिलों में बारिश होगी। साथ ही, कई जिलों में बिजली के साथ ओले भी गिरने की आशंका है। मंगलवार सुबह पश्चिमी यूपी के कई जिलों में बादल छाए हैं। 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं भी चल रहीं है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अभी दो दिन यानी 17 अप्रैल तक प्रदेश का मौसम ऐसा ही बना रहेगा।

प्रदेश के अलग-अलग हिस्से में पिछले 5 दिनों से हो रही बारिश के बाद अधिकतम तापमान में करीब 5 डिग्री की गिरावट दर्ज हुई है। 24 घंटे में 8 शहरों में बारिश हुई। इनमें महाराजगंज, मिर्जापुर, कुशीनगर, गोरखपुर, गोंडा, सिद्धार्थनगर शामिल हैं। सोनभद्र में बारिश के साथ ओले गिर हैं।

सहारनपुर में 687 मदरसों की जांच शुरू, 15 दिन में मांगी रिपोर्ट

सहारनपुर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में सरकार के निर्देश पर मंगलवार से मदरसों की जांच शुरू हुई। जिले के 687 मदरसों की जांच का जिम्मा जिले और ब्लॉक के अधिकारियों को सौंपा गया है। जांच अधिकारियों को निर्धारित आठ बिंदुओं पर जांच करने और मानकों पर खरा न उतरने वाले मदरसों की रिपोर्ट 15 दिन के भीतर शासन को भेजने का निर्देश दिया गया है। उल्लेखनीय है कि सहारनपुर जिले के 687 मदरसे सरकारी पोर्टल पर पंजीकृत हैं। अल्पसंख्यक विभाग ने ब्लॉकवार मदरसों की सूची तैयार कर ली है। इन मदरसों की जांच की जिम्मेदारी 69 जिला स्तरीय अधिकारियों को सौंपी गई है।

जिन मदरसों की जांच होगी, उनमें नगर निगम सहारनपुर क्षेत्र के 128 मदरसे और नगर पालिका परिषद देवबंद क्षेत्र के 128 मदरसे शामिल हैं। बलियाखेड़ी ब्लॉक के 46 मदरसे, गंगोह के 47 और मुजफ्फराबाद ब्लॉक के 81 मदरसे हैं। इनके अलावा नानौता, रामपुर मनिहारान, नकुड़, बेहट आदि क्षेत्रों में मौजूद मदरसों की जांच की जाएगी। मदरसों की जांच 30 अप्रैल से पहले पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

मदरसे की मान्यता की स्थिति, सोसायटी रजिस्ट्रेशन या नवीनीकरण की स्थिति की जांच आठ बिंदुओं पर की जाएगी। इसमें पंजीकृत छात्र संख्या, निरीक्षण के समय उपस्थिति, यू-डायस नंबर, पैन नंबर, अपार आईडी अपडेट आदि बिंदु शामिल किए गए हैं। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुमन गौतम ने बताया कि जनपद सहारनपुर में कुल 687 मदरसे हैं, जो कि मदरसा पोर्टल पर पंजीकृत हैं। उनकी रूटीन जांच समय-समय पर होती है। मदरसों के मानक और उनमें कोई कमी तो नहीं है, यह एक रूटीन जांच हो रही है। सभी अधिकारियों के सहयोग से हो रही है। सभी को दस-दस मदरसे दिए गए हैं। एक-एक फॉर्मेट दिया गया है। इसमें ब्लॉक से लेकर जिला के अधिकारी शामिल हैं क्योंकि मदरसों की संख्या बहुत है।

सगी बेटी का किया पांच लाख में सौदा

किशोरी बोली-युवक ने खरीदकर दो दिन किया दुष्कर्म... मैं चंगुल से निकल आई

मंझनपुर (कौशाम्बी), 15 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कौशाम्बी के करारी इलाके की एक किशोरी ने अपने माता-पिता पर बिचौलिए की मदद से उसे पांच लाख रुपये में बेचने का आरोप लगाया है। कहा कि एटा निवासी युवक ने खरीदने के बाद दो दिन तक उसके संग दुष्कर्म किया है। मामले में चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। सीओ मंझनपुर जांच कर रहे हैं।

पुलिस के अनुसार 13 वर्षीय पीड़िता ने बताया कि गांव बिहरोजपुर निवासी कमलेश पासी उसके घर आता था। कई बार वह एटा जिले के राजा कोतवाली के नगला रामपुर गांव निवासी कर्मवीर यादव को भी साथ लेकर आता था। 14 मार्च 2025 को भी दोनों घर आए। शाम को माता-पिता ने उन्हें खाना खिलाया। उस दिन नींद व चक्कर आने पर जल्दी सो गई। दूसरे दिन आंख खुली तो खुद को एटा में कर्मवीर यादव के घर पाया। किशोरी के मुताबिक, पूछने पर कर्मवीर ने बताया कि पांच लाख रुपये में उसके माता-पिता से उसे खरीद कर लाया है। 16 मार्च की रात किशोरी मौका पाकर वहां से भाग कर घर आई तो परिजनों ने उसे अपनाने से इन्कार कर दिया। इसके बाद वह मंझनपुर क्षेत्र में रहने वाली अपनी बुआ के घर पर रुकी है।

करारी इंस्पेक्टर विनीत सिंह ने बताया कि पीड़िता अपनी बुआ के साथ आई थी। उसकी तहरीर पर माता-पिता समेत चार आरोपियों के खिलाफ रविवार को मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

अयोध्या में राममंदिर का काम 99 प्रतिशत पूरा हो चुका है : नृपेंद्र मिश्र

अयोध्या, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। श्री मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का काम 99 प्रतिशत पूरा हो चुका है। 2000 क्यूबिक पत्थर मंदिर के अगल-बगल लगना है। मुख्य मंदिर में कोई पत्थर नहीं लगना है। प्रथम तल, द्वितीय तल और भूतल सब पूर्ण हो चुका है। प्रथम तल में रामदरबार मई माह में विराजमान हो जाएगा। उसके बारे में न्यास कार्यक्रम तय करेगा। नृपेंद्र मिश्र ने मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हमारा ध्यान मंदिर के साथ परकोटा में गति देने का है। कुछ नए निर्माण कार्य हैं जिन्हें पूर्ण करना है। उत्तरी तरफ अस्थाई कार्यालय के हिस्से को तोड़कर योजना के अनुसार हॉर्टिकल्चर वगैरह का काम किया जाएगा। नॉर्दर्न गेट भी लगभग पूर्ण हो गया है। 15 में तक वह पूरा हो जाएगा। दिसंबर 2025 में मंदिर निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा।

समिति के अध्यक्ष ने कहा कि जो सामाजिक समरसता मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम ने सभी के समक्ष प्रस्तुत की थी, उसी के अनुसार सातों मंदिर, महर्षि वाल्मीकि से लेकर निषाद राज, शबरी, अहिल्या, अगस्त मुनि, वशिष्ठ जी, इन सब के मंदिर पूर्ण हो गए हैं और मूर्तियां पहुंच गई हैं। सातों मंदिर के बीच में एक जलताल पुष्कर्णी का निर्माण कार्य पूरा हो गया है, जो अपने आप में अनोखा था। जब देखा गया तो उसमें बंदर समूह स्नान कर रहे थे। शिखर का निर्माण भी 99 फीसदी पूरा हो गया है। शिखर के ऊपर कलश रखने का कार्य भी हो गया है। मिश्रा ने बताया कि परकोटा में जो मंदिर है, उसमें कलश रखना है, उसकी भी पूजा हो गई है। अब से 30 अप्रैल के बीच में वहां भी कलश रख दिया जाएगा। उन मंदिरों में जिन देवी-देवताओं की मूर्तियां रखी जानी हैं, वे भी रख दी जाएंगी। धीरे-धीरे हम लोग अपने लक्ष्य की ओर पहुंच रहे हैं। हालांकि विलंब हुआ है, उसके लिए क्षमा चाहता हूं। गोस्वामी तुलसीदास की मूर्ति का अनावरण होगा, उसके बाद श्रद्धालु दर्शन कर सकेंगे। एक दिशा में कदम उठ जाएगा। कल हम सबने मिलकर संग्रहालय में आगे का कार्य बढ़ाने के लिए चर्चा की है। उसमें बहुत सा निर्माण और विस्तार का काम किया जाना था। अगले तीन माह में पांच गैलरी का कार्य पूर्ण कर पाए तो श्रद्धालुओं को वहां जाने की एक सुविधा मिल सकेगी।

मां को ढूंढते हुए मुंबई से झांसी पहुंचा बच्चा

बोला-स्कूल से लौटा तो घर में मम्मी नहीं दिखीं ट्रेन में चढ़ा, तभी गाड़ी चल दी

झांसी, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। झांसी के रेलवे स्टाफ को सोमवार रात ट्रेन में 5 साल का बच्चा मिला। वह अपनी मां की तलाश में मुंबई से झांसी पहुंच गया। जब उसे इस बात का एहसास हुआ कि वह अपने घर से बहुत दूर आ गया है तो डर गया। झांसी के रेलवे स्टाफ ने बच्चे को अपनी देखरेख में रखा है। अब उसके परिवार से संपर्क किया जा रहा है। 1,115 किलोमीटर दूर मुंबई से झांसी पहुंचे 5 साल के बच्चे ने बताया कि वह मुंबई के ठाणे का रहने वाला है। उसकी मां का नाम सक्को और पिता का नाम रोहित है। उसका एक बड़ा भाई भी है, जो काम करने जाता है। बोला कि जब वह स्कूल से घर आया तो मां घर में नहीं मिली। पिता काम पर चले गए थे। उसे मां की याद आ रही थी, इसलिए वह उसे ढूंढने के लिए ट्रेन में बैठ गया था, लेकिन ट्रेन चलने लगी। उसे ये नहीं मालूम कि कहां जाना है।

झांसी के रेलवे कंट्रोल रूम को टीटीई प्रदीप कुमार त्रिपाठी ने सूचना दी थी कि वह ट्रेन नंबर 20103 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस में तैनात हैं। उनके पास 5 साल का बच्चा है, जो घर से भागा हुआ लग रहा है। इस पर कंट्रोल रूम ने झांसी स्टेशन के डिप्टी एसएस एसके नरवरिया को सूचित किया। डिप्टी एसएस ने तत्काल सुरक्षा बल और चाइल्ड लाइन से संपर्क किया। ट्रेन के पहुंचने से पहले डिप्टी एसएस प्लेटफॉर्म नंबर-4 पर पहुंच गए।

सोमवार रात 10.10 बजे ट्रेन पहुंची तो बच्चे को उतारा गया।

'जो गाय को काटेगा उसे तलवार से काट दिया जाएगा'

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद बोले-बीजेपी गाय के पक्ष में नहीं खड़ी है, अखिलेश ने यादवों को शर्मसार किया

वाराणसी, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। 'हमें बीजेपी से आशा थी कि वो गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करेगी। हमारी उम्मीद अब टूट गई है। अब अगर गाय को कोई कटेगा तो उसे तलवार से काट दिया जाएगा।' ये बातें शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने वाराणसी में कहीं।

उन्होंने सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव से भी नाराजगी जाहिर की। कहा-अखिलेश को अगर गाय के गोबर में दुर्गंध आ रही है तो भगवान से शायद कोई भूल हो गई होगी। वो अखिलेश को यादव कुल में पैदा किये। अखिलेश को अपने अपने मूल से दुर्गंध आ रही है। उन्होंने अपने बयान से यादवों को शर्मसार कर दिया। उन्होंने कहा वाराणसी में एक इंस्टीट्यूट खोला जाएगा। जिसमें गाय पालकों की ट्रेनिंग कराई जाएगी। आज के समय में कोई भी दल गौ माता के साथ नहीं है। जिस भी स्थान पर गाय काटी जा रही है। उन स्थानों को चिह्नित किया जाएगा। वहां पर धावा बोला जाएगा। एक सेना बनाई जाएगी जो पहले नोटिस भेजने का काम करेगी। धावा बोलने वालों में मैं सबसे आगे रहूंगा। यात्राओं से जन जागरण होता है लेकिन यात्रा करने वाले का कथन साफ होना चाहिए। उसकी यात्रा निर्माण की दिशा में होना चाहिए। यात्रा किसी की प्रेरणा से निकल रही है वह धार्मिक उद्देश्य नहीं बल्कि राजनीतिक उद्देश्य हो जा रहा है। इसीलिए धार्मिक प्रतिफल नहीं मिल रहा है।

उस धर्म का भला नहीं होने वाला है। हिंदू गांव और हिंदू देश बने उससे कोई दिक्कत नहीं है। पहले जो लोग हिंदू राष्ट्र की बात करते थे अब हिंदू गांव बनाने की तैयारी कर रहे हैं। इससे पता चल गया कि उनके अंदर इतनी ही ताकत है। आगे कहा गो प्रतिष्ठा आन्दोलन के अंतर्गत गठित गो संसद् और गो सभाओं के माध्यम से देश के सभी 4123 विधानसभा क्षेत्रों में गो विधायकों की नियुक्ति की जा रही है। जिनके देख-रेख में साल के अंत तक इतने ही रामाधाम तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रत्येक रामाधाम में 108 रामा गाय विराजेंगी। दूसरे, तीसरे और चौथे चरण में पूरे देश में 3 लाख रामाधाम का निर्माण कर समस्त रामा गायों की सेवा का लक्ष्य रखा गया है।

अटाला मस्जिद-मंदिर विवाद में 26 मई को अगली सुनवाई

जौनपुर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। जौनपुर की अटाला मस्जिद विवाद मामले में एडीजे चतुर्थ की अदालत में सुनवाई हुई। मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट के पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम का हवाला दिया, जिस पर कोर्ट ने हिंदू पक्ष से वर्तमान स्थिति की जानकारी सुप्रीम कोर्ट से लेने को कहा है।

वहीं, हिंदू पक्ष ने अदालत में प्रार्थना पत्र दाखिल कर विवादित स्थल पर स्थित मंदिर के आकार में किसी भी प्रकार के बदलाव पर रोक लगाने की मांग की। उनका तर्क है कि इससे मुकदमे की निष्पक्षता बनी रहेगी और पूर्व की स्थिति स्पष्ट रहेगी।

राजद-कांग्रेस की बैठक के बाद जदयू का तंज

'वेटिंग लिस्ट में ही रह गए तेजस्वी'

पटना, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली में मंगलवार को राजद नेता तेजस्वी यादव और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की मुलाकात के बाद बिहार में सत्ताधारी जदयू के प्रवक्ता नीरज यादव ने यहां कहा कि कांग्रेस ने एक बार फिर तेजस्वी यादव को वेटिंग लिस्ट में रख दिया है। बिहार में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सभी दलों ने तैयारी शुरू कर दी है। महागठबंधन में भी इस चुनाव को लेकर रणनीति बननी शुरू हो गई है। इस बीच, राजद के नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव मंगलवार को दिल्ली पहुंचे और सहयोगी दल कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सहित कई अन्य नेताओं से मुलाकात की।

नीरज कुमार ने कहा कि दिल्ली में चिरप्रतीक्षित बैठक हो गई। इसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, राजद के तेजस्वी यादव, कांग्रेस के बिहार प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम सहित अन्य नेताओं की उपस्थिति रही। उन्होंने कहा, राजद इस बात के लिए प्रतीक्षारत था कि मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार उन्हें (तेजस्वी यादव को) घोषित कर दिया जाए। लेकिन कांग्रेस ने तेजस्वी यादव को 'वेटिंग लिस्ट' में डाल दिया। राजनीति का जमीर कहां गया? उन्होंने कहा कि राजनीतिक रूप से अपंग हो चुके राजद अध्यक्ष लालू यादव ने अपने पुत्र की ताजपोशी के लिए बेटे को मुख्यमंत्री बनाने के लिए आग्रह कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस तिल-तिलकर राजनीति में परेशान कर रही है। राजद राजनीतिक आत्मसमर्पण कर अपमान झेल रही है। वैसे, वेटिंग लिस्ट बरकरार है। इधर, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा ने भी इस मुलाकात को लेकर कटाक्ष किया है। पार्टी के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, बिहार में पुनः जंगलराज कैसे स्थापित किया जाए, उसको लेकर दिल्ली में बैठक चल रही है। मैं इंडी गठबंधन वालों को बता दूं कि बिहार की जनता को सुशासन की सरकार में 24 घंटे बिजली के बीच, भययुक्त वातावरण में अच्छी सड़क पर फर्राटे भरकर चलने का शौक चढ़ चुका है, अब कोई उन्हें बरगला नहीं सकता। 'बिहार में एनडीए तय है'।

'भाजपा-एआईएडीएमके करेंगे सीट बंटवारे का फैसला'

> टीटीवी-ओपीएस को समायोजित करने के सवाल पर नयनार नागेंद्रन

चेन्नई, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष नयनार नागेंद्र ने कहा कि 2026 के विधानसभा चुनावों में सीट किसे मिलेंगी, ये फैसला भाजपा और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एआईएडीएमके) मिलकर करेंगे। टीटीवी दिनाकरन के नेतृत्व वाली सहयोगी अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम और पूर्व मुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम (ओपीएस) को सीटें आवंटित करनी है या नहीं, दोनों पार्टियों की आपसी बातचीत के बाद तय किया जाएगा। नयनार नागेंद्र ने 12 अप्रैल को तमिलनाडु भाजपा के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला है। इस दौरान उन्होंने कहा था कि वह केवल हवा की तरह काम करते हैं, जबकि के अन्नामलाई तूफान की तरह काम करते हैं। जब उनसे पूछा गया कि सत्तारूढ़ डीमके से वह कैसे मुकाबला करेंगे और उनकी योजना क्या है। इसका जवाब देते हुए नागेंद्रन ने कहा कि जिन मुद्दों पर चर्चा या बहस की जरूरत है, उन्हें उठाया जाना चाहिए।

भाजपा की नीतियों को स्पष्ट करने में वह कभी विफल नहीं हुए

दक्षिणी तिरुनेलवेली से विधायक नागेंद्रन ने एक साक्षात्कार में कहा कि लोगों को प्रभावित करने वाले मुद्दों को उन्होंने हमेशा विधानसभा में उठाया है और वह आगे भी ऐसा करते रहेंगे। जब उनसे पूछा गया कि सदन में उनकी मृदुभाषी छवि और पार्टी के एजेंडे को कैसे आगे बढ़ाया जाएगा, खासकर तब जब उनके पूर्ववर्ती के अन्नामलाई अपनी मुखर शैली के लिए लोकप्रिय हैं। इस सवाल के जवाब में नागेंद्रन ने कहा कि वह विधानसभा में भाजपा की नीतियों को स्पष्ट करने में कभी विफल नहीं हुए हैं। उनकी नरम छवि पार्टी के काम में कभी बाधा नहीं बनी। उन्होंने कहा कि अन्नामलाई ने राज्य में पार्टी को अच्छी तरह से विकसित किया है।

चुनावों में केवल डीएमके के नेतृत्व वाला गुट पराजित होगा: नागेंद्रन

तमिलनाडु में एआईएडीएमके-बीजेपी गठबंधन को सीएम एमके स्टालिन ने 'थोलवी कूटनी' यानी असफल होने वाला गठबंधन बताकर खारिज कर दिया था। इस सवाल पर नागेंद्रन ने कहा, 'मैं कह रहा हूं कि चुनावों में केवल वे (डीएमके के नेतृत्व वाला गुट) ही पराजित होंगे।' अभिनेता-राजनेता विजय की पार्टी ने कहा था कि अगले साल चुनावी मुकाबला डीएमके और तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के बीच होगा। इस सवाल पर नागेंद्रन ने कहा कि तमिलनाडु में भाजपा और एआईएडीएमके के गठबंधन में एनडीए ही जीतेगा।

हाईकमान द्वारा किया जाएगा सीट बंटवारे का फैसला

नागेंद्रन से पूछा गया कि क्या भाजपा अन्नाद्रमुक द्वारा उनकी पार्टी को दी जाने वाली सीटों में से टीटीवी और ओपीएस को सीटें आवंटित करने के लिए आगे आएगी। इस पर नागेंद्रन ने कहा कि अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन बना है। उन्होंने कहा, 'सीट बंटवारे का फैसला हमारे संसदीय बोर्ड, हाईकमान द्वा किया जाएगा। एआईएडीएमके इस संबंध में एक पैनल भी गठित कर सकता है और हमारा संसदीय बोर्ड इस पर विचार-विमर्श करेगा।'

बता दें कि एडप्पादी के पलानीस्वामी के नेतृत्व वाली एआईएडीएमके 11 अप्रैल को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल हो गई। इस दौरान शाह ने घोषणा की थी कि गठबंधन पलानीस्वामी के नेतृत्व में 2026 का विधानसभा चुनाव लड़ेगा। एआईएडीएमके के एनडीए में फिर से शामिल होने से कुछ समय पहले पलानीस्वामी ने घोषणा की थी कि दिनाकरन जैसे सहयोगी, जो पार्टी के पीछे मजबूती से खड़े हैं, उन्हें 'निराश' नहीं किया जा सकता। इस सवाल पर नागेंद्रन ने कहा कि निश्चित रूप से उन्होंने जो कहा वह सच था। पहले से ही, जो लोग एनडीए का हिस्सा थे, वे गठबंधन का हिस्सा बने रहेंगे।

नीतीश कटारा हत्याकांड में यूपी और दिल्ली सरकार को 'सुप्रीम' फटकार

कहा-नरमी का गलत फायदा न उठाएं

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने नीतीश कटारा हत्याकांड के दोषी विकास यादव की मां के इलाज के लिए मेडिकल बोर्ड गठन में देरी करने पर उत्तर प्रदेश और दिल्ली सरकार को फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने सख्त लहजे में अफसरों को कहा कि हमारी नरमी का गलत फायदा प उठाएं। राज्य को ऐसे मामलों में निष्पक्ष होना चाहिए।

वर्ष 2002 के नीतीश कटारा हत्या मामले में 25 वर्ष की जेल की सजा काट रहे विकास यादव ने अपनी बीमार मां की देखभाल के लिए अंतरिम जमानत मांगी है। इस मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने हैरानी जताई कि दो अप्रैल के आदेश के बावजूद गाजियाबाद के यशोदा अस्पताल में भर्ती उनकी मां की स्थिति की जांच के लिए मेडिकल बोर्ड गठित करने में 10 दिन लग गए। अदालत ने कहा कि जब मेडिकल बोर्ड आया, तब तक यादव की मां को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी। विकास यादव के वकील ने दलील दी कि उनकी मां को सोमवार को फिर से अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस पर पीठ ने कहा कि मेडिकल बोर्ड गठित करने में 10 दिन लगा दिए। इसके लिए स्पष्टीकरण की जरूरत है। आदेश में हमारी नरम भाषा का गलत फायदा न उठाया जाए। राज्य के पास याचिकाकर्ता के खिलाफ कुछ हो सकता है, लेकिन राज्य को निष्पक्ष होना चाहिए। कोर्ट ने निर्देश दिया कि एम्स के चिकित्सा अधीक्षक द्वारा एक नया मेडिकल बोर्ड गठित किया जाए और तुरंत मूल्यांकन कर रिपोर्ट पेश की जाए। विकास यादव के वकील ने उनकी मां की मेडिकल रिपोर्ट पेश करते हुए कहा था कि फरवरी में उनकी हालत खराब हो गई थी। यादव की मां आईसीयू में हैं और उन्होंने सर्जरी से इनकार कर दिया है। अंतरिम जमानत याचिका में यादव ने कहा कि उनकी मां उमेश यादव गंभीर रूप से बीमार हैं और आईसीयू में भर्ती हैं। डॉक्टरों ने उनकी चिकित्सा स्थिति को देखते हुए तत्काल सर्जरी की सलाह दी थी। याचिका में कहा गया है कि मां की गंभीर स्थिति के कारण उनकी सहायता और उपस्थिति आवश्यक है।

अमरनाथ यात्रा रजिस्ट्रेशन : पहले दिन भक्तों को निराशा, बैंक में कंप्यूटर अनुपलब्ध

कठुआ, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। श्री अमरनाथ यात्रा 2025 के लिए अग्रिम रजिस्ट्रेशन मंगलवार से शुरू हो गया, लेकिन कठुआ में पहले ही दिन पंजीकरण कराने पहुंचे भक्तों को मायूसी हाथ लगी। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की कठुआ शाखा में पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध कराई गई थी, लेकिन तकनीकी खामियों के कारण काउंटर नहीं खुल सके। इससे भक्तों में निराशा और असमंजस की स्थिति पैदा हो गई। हीरानगर से आए विकास महाजन ने बताया कि वे और उनके साथी सुबह जल्दी उठकर उत्साह के साथ रजिस्ट्रेशन के लिए पहुंचे थे। उनका इरादा 3 जुलाई को पहले जत्थे के साथ बाबा बर्फानी के दर्शन करने का था। लेकिन, बैंक प्रबंधन ने बताया कि कंप्यूटर उपलब्ध नहीं है, जिसके चलते पंजीकरण शुरू नहीं हो सका। उन्होंने इसे निराशाजनक बताते हुए कहा कि श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड ने 14 अप्रैल से पंजीकरण शुरू होने की घोषणा की थी, लेकिन स्थानीय स्तर पर व्यवस्था की कमी ने उनके उत्साह को ठेस पहुंचाई।

इसी तरह, हीरानगर के सुमित शर्मा ने अपने साथियों के साथ पंजीकरण कराने की योजना बनाई थी। उन्होंने बताया कि उनके समूह में जम्मू और अन्य जगहों से आए भक्त भी शामिल थे। सुमित ने कहा, हम सुबह सात बजे से तैयार होकर आए थे। लेकिन, बैंक अधिकारियों से कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिली। वे कह रहे हैं कि कंप्यूटर जम्मू भेज दिया गया है और ऊपर से कोई दिशा-निर्देश नहीं मिले हैं। सुमित ने यह भी बताया कि उनके दिल्ली में रहने वाले कुछ दोस्तों ने वहां की बैंक शाखाओं से पंजीकरण करा लिया है, लेकिन कठुआ में स्थिति अनिश्चित बनी हुई है। श्रद्धालुओं ने बैंक अधिकारियों पर अस्पष्ट जानकारी देने का आरोप लगाया।

संसद में बदले समीकरण, यूसीसी पर आगे बढ़ी मोदी सरकार

विपक्षी दलों का वक्फ बिल पर समर्थन, अब यूनिफॉर्म सिविल कोड पर तेजी दिखाएगा केंद्र

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। वक्फ कानून के बाद अब यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) अब केंद्र सरकार के टॉप एजेंडे में है। सूत्रों के मुताबिक संसद के दोनों सदनों में वक्फ बिल को मिले समर्थन को देखते हुए सरकार ने यूसीसी पर काम आगे बढ़ाने का फैसला किया है।

दरअसल, लोकसभा चुनाव में भाजपा बहुमत से पीछे रह गई। बहुमत के लिए वह जनता दल-यूनाइटेड (जेडीयू) और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) पर निर्भर है। संसद के अंकगणित को ध्यान में रखते हुए सरकार ने विवादित मुद्दे किनारे रखने की रणनीति अपनाई थी। हालांकि, वक्फ बिल को जेडीयू और टीडीपी के अलावा वाईएसआरसीपी और बीजेडी जैसे दलों का भी समर्थन मिला था। इसके बाद सरकार यूसीसी पर आगे बढ़ने का मन बना चुकी है। इसके अलावा तमिलनाडु में एआईएडीएमके को साथ लेने के बाद भाजपा परिसीमन और भाषा जैसे मुद्दों को किनारे लगाना चाहती है। तमिलनाडु में अगले साल चुनाव हैं। इन मुद्दों से डीएमके को फायदा हो सकता है।

मोदी बोले-मैं यूसीसी को सेक्युलर सिविल कोड कहता हूं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 14 अप्रैल को हरियाणा में कहा- जब-जब कांग्रेस को सत्ता का संकट दिखा, उन्होंने संविधान को कुचल दिया। संविधान की भावना है कि सबके लिए एक जैसी नागरिक संहिता हो, जिसे मैं सेक्युलर सिविल कोड कहता हूं। कांग्रेस ने इसे कभी लागू नहीं किया। उत्तराखंड में भाजपा सरकार आने के बाद सेक्युलर सिविल कोड डंके की चोट पर लागू हुआ। संविधान को जेब में लेकर बैठे कांग्रेस के लोग उसका विरोध कर रहे हैं।

23वां विधि आयोग यूसीसी का फाइनल ड्राफ्ट तैयार करेगा

जस्टिस (रिटायर्ड) रितुराज अवस्थी की अध्यक्षता वाले 22वें विधि आयोग ने यूसीसी का ड्राफ्ट तैयार करके सार्वजनिक राय के लिए जारी किया था। आयोग को इस पर करीब एक करोड़ लोगों की राय मिली थी। 22वां विधि आयोग करीब 30 संगठनों से बातचीत कर चुका था। लेकिन आयोग का कार्यकाल खत्म होने से यूसीसी का अंतिम ड्राफ्ट तैयार करने का काम ठंडे बस्ते में चला गया।

हालांकि, अब यूसीसी पर आगे बढ़ने के लिए विधि आयोग को फिर सक्रिय किया जा रहा है। 23वें विधि आयोग की अधिसूचना 2 सितंबर, 2024 को जारी हुई थी। अब करीब 7 महीने बाद इसके अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति पर फैसला हो चुका है। मई, 2023 में सुप्रीम कोर्ट से रिटायर हुए जस्टिस दिनेश माहेश्वरी को आयोग का अध्यक्ष बनाया जाएगा। उनके साथ जाने-माने वकील हितेश जैन और प्रोफेसर डीपी वर्मा पूर्णकालिक सदस्य होंगे। इनकी नियुक्ति की अधिसूचना इस सप्ताह जारी हो जाएगी।

सलमान को जान से मारने की धमकी देने वाला शख्स निकला मानसिक रोगी

मुंबई, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। अभिनेता सलमान खान को जान से मारने की धमकी देने वाला शख्स गुजरात के वडोदरा जिले के वाघोडिया तालुका का निवासी निकला है। पुलिस के अनुसार धमकी देने वाला शख्स मानसिक रोगी है और उसे पूछताछ के लिए नोटिस भेजा गया है। एफआईआर दर्ज होने के 24 घंटे के भीतर पुलिस ने संदेश भेजने वाले शख्स को वडोदरा से खोज निकाला है। पुलिस ने बताया कि वडोदरा के वाघोडिया तालुका के एक गांव के निवासी 26 वर्षीय व्यक्ति का नाम मयंक पांड्या है, जो मानसिक रोगी है। उल्लेखनीय है कि सोमवार को वर्ली में परिवहन विभाग के नंबर पर धमकी भेजी गई, जिसमें अज्ञात शख्स ने अभिनेता को जान से मारने के साथ ही उनकी कार को भी बम से उड़ाने की बात कही थी। अभिनेता को धमकी मिलने के बाद वर्ली पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया और अभिनेता के गैलेक्सी अपार्टमेंट की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है।

वडोदरा जिला पुलिस एसपी रोहन आनंद ने बताया, तकनीकी खुफिया जानकारी का इस्तेमाल करते हुए हमने मयंक पांड्या को उसके घर से ट्रैक किया। चूंकि वह मानसिक बीमारी का इलाज करा रहा है, इसलिए हमने उसे नोटिस भेजा है और जांच में शामिल होने को कहा है। हमने मयंक पांड्या के मोबाइल फोन और व्यवहार पर नजर रखी तो जांच में पाया कि वह मानसिक रूप से बहुत स्वस्थ नहीं है और उपचार करवा रहा है।

'हज टूर ऑपरेटर सऊदी की तय समयसीमा का पालन नहीं कर सके'

> कोटा कटौती पर सरकार का बयान

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के निजी हज कोटे में इस साल कटौती को लेकर जताई जा रही चिंताओं के बीच, सरकार ने मंगलवार को एक बयान जारी किया। सरकार ने स्पष्ट किया कि संयुक्त हज समूह संचालक (सीएचजीओ) बार-बार कहने के बाद भी सऊदी अधिकारियों द्वारा निर्धारित आवश्यक समय सीमा का पालन नहीं कर सके। सरकार ने यह भी कहा कि उसके हस्तक्षेप के बाद, सऊदी हज मंत्रालय मीना में वर्तमान स्थान उपलब्धता के आधार पर 10,000 तीर्थयात्रियों के लिए हज पोर्टल (नुसुक) को दोबारा खोलने की मंजूरी दे दी है, जिससे कि सीएचजीओ अपना कागजी काम पूरा कर सकें।

केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों का मंत्रालय (एमओएमए) के अनुसार, सऊदी सरकार के साथ हुए समझौते के तहत भारत का हज कोटा इस साल 175,025 निर्धारित किया गया है, जो 2014 में 136,020 था। यह वृद्धि भारत सरकार के निरंतर प्रयासों के चलते संभव हो सकी है।

मंत्रालय ने आगे कहा कि भारत सरकार भारतीय मुसलमानों के लिए हज यात्रा को सुगम बनाने के लिए उच्च प्राथमिकता देती है। इसमें कहा गया है कि मंत्रालय भारतीय हज समिति के माध्यम से मुख्य कोटे के तहत चालू वर्ष में 122,518 तीर्थयात्रियों के लिए व्यवस्था कर रहा है। सऊदी सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार, सभी आवश्यक तैयारियां जैसे- उड़ानें, परिवहन, मीना कैंप, आवास और सेवाएं पूरी कर ली गई हैं।

आवश्यक अनुबंधों को अंतिम रूप नहीं दे पाए निजी ऑपरेटर

अल्पसंख्यक मामलों का मंत्रालय के अनुसार, शेष कोटा निजी टूर ऑपरेटरों को आवंटित किया गया है। सऊदी अरब के नए मानदंडों के कारण एमओएमएच ने 800 से अधिक ऑपरेटरों को 26 संयुक्त हज समूह ऑपरेटरों (सीएचजीओ) में रखा है और उन्हें पहले से ही कोटा आवंटित किया। हालांकि, सीएचजीओ महत्वपूर्ण सऊदी समय-सीमाओं को पूरा करने में विफल रहे। बार-बार याद दिलाने के बावजूद मीना कैंप, आवास और परिवहन के लिए आवश्यक अनुबंधों को अंतिम रूप नहीं दे सके।

तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को लेकर जताई चिंता

मंत्रालय ने आगे कहा कि भारत सरकार ने सऊदी अधिकारियों के साथ कई स्तरों पर बात की, जिसमें मंत्री स्तर की वार्ता भी शामिल है। बातचीत के दौरान सऊदी हज मंत्रालय ने तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के बारे में चिंता व्यक्त की। खासतौर पर मीना में, क्योंकि यहां बहुत गर्मी है और जगह भी सीमित है। मंत्रालय के अनुसार, सऊदी पक्ष ने बताया कि देरी के कारण मीना स्थान पर पहले ही कब्जा हो चुका है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष किसी भी देश को समय सीमा में कोई विस्तार नहीं दिया जाएगा। हालांकि, सरकार के हस्तक्षेप के कारण, सऊदी हज मंत्रालय मान गया। उसने मीना में वर्तमान उपलब्धता के आधार पर 10,000 तीर्थयात्रियों को समायोजित करने के लिए सीएचजीओ के लिए हज (नुसुक) पोर्टल को फिर से खोलने पर सहमति व्यक्त की।

मानहानि मामला : सत्येंद्र जैन की याचिका पर मांगा जवाब, बांसुरी स्वराज को चार सप्ताह का मिला वक्त

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज को आप नेता सत्येंद्र जैन की पुनरीक्षण याचिका पर जवाब दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया है। उन्होंने स्वराज के खिलाफ अपनी मानहानि शिकायत को खारिज करने के मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश को चुनौती दी है। अगली तारीख 14 मई है। दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येन्द्र जैन ने भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज के खिलाफ मानहानि की शिकायत दर्ज कराई थी। जैन ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि स्वराज ने पांच अक्तूबर 2023 को एक टीवी साक्षात्कार के दौरान उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी, जिसे लाखों लोगों ने देखा था। आरोप है कि एक टीवी इंटरव्यू के दौरान बांसुरी की टिप्पणियों ने उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल किया है। उन्होंने दावा किया है कि बांसुरी स्वराज की टिप्पणियां उन्हें बदनाम करने और अनुचित राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए थी। जैन के अनुसार, स्वराज ने झूठा दावा किया कि उनके आवास से तीन करोड़, 1.8 किलोग्राम सोना और 133 सोने के सिक्के बरामद किए गए।

आर्मी में 1 लाख से ज्यादा सैनिकों की कमी

> ऑफिसर रैंक के 16.71% पद खाली > हर साल 60 हजार रिटायर हो रहे > भर्ती 40 हजार सालाना

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय सेना में एक लाख से ज्यादा सैनिकों की कमी है। रक्षा मंत्रालय ने हाल ही में संसद की स्थायी समिति को यह जानकारी दी है। इस समय सेना की कुल संख्या 12.48 लाख है, जबकि एक लाख से ज्यादा पद खाली हैं।

इनमें से 92,410 पद जूनियर कमीशंड ऑफिसर (जेसीओ) और नॉन-कमीशंड ऑफिसर (एनसीओ) के हैं। यह करीब 7.72% की कमी को दर्शाता है। 1 अक्टूबर, 2024 तक सेना में स्वीकृत पद 11,97,520 के मुकाबले 11,05,110 पद भरे थे। इसके अलावा 16.71% ऑफिसर्स की भी कमी है। 1 जुलाई, 2024 तक के आंकड़ों के अनुसार सेना में 42,095 ऑफिसर (मेडिकल कोर, डेंटल कोर और मिलिट्री नर्सिंग सर्विस को छोड़कर) हैं, जबकि स्वीकृत पदों की संख्या 50,538 है।

कोविड में 2 साल बंद रही भर्ती

सेना से हर साल करीब 60 हजार सैनिक रिटायर हो जाते हैं। कोविड के दौरान दो साल सैनिक भर्ती बंद रही। इस वजह से सेना में सीधे तौर पर 1.20 लाख सैनिकों की कमी हो गई। 2022 में अग्निपथ स्कीम शुरू होने बाद हर साल करीब 40 हजार अग्निवीर सैनिक ही भर्ती हो रहे हैं। इस वजह से कोविड के दौरान बंद हुई भर्ती की कमी पूरी नहीं हो पा रही है।

मंत्रालय बोला-अग्निपथ स्कीम से कमी जल्द पूरी होगी

इस कमी दूर करने पर मंत्रालय का कहना है कि जैसे-जैसे अग्निपथ स्कीम आगे बढ़ेगी, सैनिकों की कमी पूरी हो जाएगी। वहीं, ऑफिसर्स के खाली पद भरने के लिए कई कदम उठाए गए हैं और भर्ती प्रक्रिया में सुधार किया गया है। सैनिक भर्ती में उम्मीदवारों की उपस्थिति बढ़ाने के लिए सर्विस सेलेक्शन बोर्ड (एसएसबी) के इंटरव्यू में शामिल न हो पाने वालों को दूसरा मौका दिया जा रहा है। इसके अलावा एसएसबी बैच को दोगुना करने और मेडिकल जांच में लगने वाले आठ से दस दिन का समय घटाकर दो से तीन दिन कर दिया गया है। वहीं, अधिकारियों की वैकेंसी हर साल एग्जिट और वेस्टेज के आधार पर निकाली जाती है। अधिकारी भर्ती प्रक्रिया में भी सुधार किया गया है। वर्किंग सैनिकों की ट्रेनिंग के लिए चेन्नई में ऑफिसर ट्रेनिंग एकेडमी (ओटीए) में नई ट्रेनिंग विंग शुरू की गई है। इसके अलावा टेक्निकल एंट्री स्कीम (10+2 टीईएस) को 3+1 साल के मॉडल में बदला गया है। इससे ट्रेनिंग पीरियड में एक साल कम हुआ है।

अग्निपथ योजना

भर्ती के लिए जरूरी बातें

6 महीने की ट्रेनिंग, सेना में 4 साल तक सेवा देनी होगी

17.5 से 21 साल तक के युवा अप्लाई कर सकेंगे, मेडिकल और फिजिकल नियमों के तहत सिलेक्शन होगा

आर्म्ड फोर्सेज के नियमों के मुताबिक, अप्लाई करने के लिए 10वीं या 12वीं पास होना जरूरी

सर्विस की जरूरतों के आधार पर महिलाओं को भी सेना में सेवा देने का मौका मिलेगा

4 साल की सेवा के बाद 25% अग्निवीरों को स्थायी कैडर में भर्ती किया जाएगा

पुलिस ने अंतरराज्यीय अवैध हथियार सप्लायर गैंग के सरगना को किया गिरफ्तार, पांच देसी पिस्तौल बरामद

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली में द्वारका जिले की स्पेशल स्टाफ पुलिस टीम ने 'नो गन-नो गैंग' अभियान के तहत राजस्थान आधारित अंतरराज्यीय अवैध हथियार सप्लायर गैंग के सरगना को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान आस मोहम्मद उर्फ बहरा के रूप में हुई है, जो राजस्थान का निवासी है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 315 बोर की पांच देसी पिस्तौल और पांच जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

द्वारका के डीसीपी अंकित सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पहले से ही राजस्थान और हरियाणा में आर्म्स एक्ट के तहत आठ मामले दर्ज हैं। हथियार सप्लायर्स की धरपकड़ के लिए स्पेशल स्टाफ की एक टीम गठित की गई थी। एसीपी राम अवतार के नेतृत्व में अभियान चलाया गया, जिसमें इंस्पेक्टर विश्वेंद्र ढाका, एएसआई रश्मुद्दीन, हेड कांस्टेबल बच्चू सिंह, देव प्रकाश, अजय और कांस्टेबल परमिंदर शामिल थे। डीसीपी ने बताया कि टीम ने तकनीकी निगरानी (टेक्निकल सर्विलांस) और लोकल इंटेलिजेंस की मदद से आरोपी आस मोहम्मद की लोकेशन का पता लगाया और उसे गंदा नाला इलाके (मधु विहार) से गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 5 देसी पिस्तल और 5 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि वह दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कई गैंग्स को अवैध हथियार सप्लाई करता था। वह पहले भी राजस्थान और हरियाणा में आठ बार गिरफ्तार हो चुका है। फिलहाल, आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया गया है और आगे की कार्रवाई जारी है। बता दें कि इससे पहले द्वारका दक्षिणी थाने की पुलिस ने विदेशी महिला का बैग चोरी करने के आरोपी को 24 घंटे के अंदर पकड़ लिया था।

स्वतंत्र वार्ता
बुधवार, 16 अप्रैल - 2025

नये वक्फ कानून से दिक्कत किसे है ?

राधा रमण

राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद 8 अप्रैल को देशभर में वक्फ संशोधन कानून 2025 लागू हो गया है। केंद्र सरकार ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। यह अधिसूचना भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दी गई है। वक्फ संशोधन विधेयक को पिछले सप्ताह संसद के दोनों सदनों से मंजूरी मिल गई थी। हालांकि इस कानून को कई मुस्लिम संगठनों और राजनेताओं ने अल्पसंख्यक हितों के खिलाफ बताते हुए कोर्ट में चुनौती दी है। देश के अलग-अलग भागों में इस कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। खासकर कांग्रेस समेत देश के विपक्षी दल इसके विरोध को हवा दे रहे हैं। इस कानून के विरोध में याचिका दाखिल करनेवालों में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड, ऑल इंडिया मजलिस-ए इत्तेहादुल मुसलमीन के अध्यक्ष सांसद असदुद्दीन ओवैसी,कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी, तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा, राष्ट्रीय जनता दल के सांसद मनोज झा और द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के प्रतिनिधि समेत 12 लोग शामिल हैं। उधर, केंद्र सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दाखिल कर मांग की है कि मामले की सुनवाई की पूर्व सूचना उसे भी दी जाए ताकि समय रहते वह भी अपना पक्ष रख सके। इस बीच, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने देशभर में 'वक्फ बचाव अभियान' शुरू कर दिया है। इसके तहत एक करोड़ लोगों का हस्ताक्षर कराकर प्रधानमंत्री को सौंपा जाएगा। यह अभियान 7 जुलाई तक चलेगा। ऐसे में यह जानना जरूरी हो जाता है कि आखिर इस कानून में क्या है जिससे मुस्लिम संगठनों और विपक्षी दलों का 'इस्लाम' खतरे में आ गया है। दरअसल, विपक्ष और नये वक्फ कानून का विरोध करनेवालों का कहना है कि सारा विवाद वक्फ बोर्ड की सम्पत्तियों पर कब्जे को लेकर है। देशभर में वक्फ बोर्डों के पास 9.4 लाख एकड़ की जमीन है। इससे ज्यादा भूमि का स्वामित्व रेलवे और सशस्त्र बलों के पास है। वक्फ बोर्डों के पास यह सम्पत्तियां मुसलमानों द्वारा दान की गई हैं, जिन पर दरगाह, मस्जिद, कब्रिस्तान, मदरसा, दुकान आदि स्थापित हैं। इसके अलावा बहुतेरी कृषि भूमि भी है। इसकी देखरेख के लिए देश के हर राज्य में वक्फ बोर्ड गठित किया गया है। समय-समय पर इन वक्फ बोर्डों पर आर्थिक घपले के आरोप लगाये जाते रहे हैं लेकिन चूंकि वक्फ मामलों की सुनवाई सरिया कानून के तहत होने, वक्फ के फैसले को चुनौती नहीं दी जा सकने और सार्वजनिक अदालतों में नहीं होने के कारण कोई भी आरोप साबित नहीं हो पाए हैं। उधर वक्फ बोर्डों के पदाधिकारी मालामाल होते रहे हैं। नये वक्फ कानून से आम मुसलमानों को कोई कठिनाई नहीं आएगी।

वैसे भी वक्फ ने अपनी आमदनी का उपयोग किसी गरीब मुसलमान की पढ़ाई-लिखाई अथवा उसका जीवनस्तर सुधारने के लिए किया हो इसका उदाहरण नहीं मिलता। काश, अगर वक्फ बोर्ड मुसलमानों की दशा-दिशा सुधारने की कोई पहल करता होता तो आज हालात कुछ और होते। हां, वक्फ बोर्डों पर काबिज लोग जीवनभर ऐशोआराम का जीवन जरूर जीते रहे। संसद में वक्फ बिल पर चर्चा का जवाब देते हुए अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री किरेन रिजजू ने बताया कि वक्फ बोर्डों के पास लाखों करोड़ की सम्पत्ति होने के बावजूद इसका इस्तेमाल गरीब मुसलमानों के पक्ष में नहीं होने के कारण अराजकता की स्थिति थी। हम बिल नहीं लाते तो वह संसद भवन पर भी दावा कर सकते थे। गृह मंत्री अमित शाह कहते हैं कि नये बिल से अब वक्फ के आदेश को अदालत में चुनौती दी जा सकेगी। पहले वक्फ का फैसला ही अंतिम होता था। यह गलत धारणा है कि नया वक्फ कानून मुसलमानों के धार्मिक आचरण, उनके द्वारा दान की गई सम्पत्ति में हस्तक्षेप करेगा। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान भी कहते हैं कि देशभर में वक्फ का दुरुपयोग करना एक बीमारी बन गई है। इसे रोकने में नया कानून कारगर होगा।

आरिफ साहब कहते हैं कि गरीबों, कमजोरों और जरूरतमंदों पर अपनी आमदनी में से खर्च करने की बात कुरआन में भी लिखी गई है। लेकिन वक्फ यह सब कहां करता था। वक्फ के जरिये न तो कोई अस्पताल चलता है न ही बढ़िया स्कूल-कालेज। इसके जिम्मेदारों ने वक्फ को हमेशा अपने फायदे के लिए इस्तेमाल किया है। इसलिए वक्फ की जमीन पर धर्मार्थ काम करने की जरूरत है। उधर, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी कहते हैं कि यह कानून मुसलमानों की सम्पत्ति हड़पने के लिए बनाया गया है। यह भारत के मूल विचारों पर हमला है। कांग्रेस इसका विरोध करेगी। ऑल इंडिया मजलिस-ए इत्तेहादुल मुसलमीन के अध्यक्ष सांसद असदुद्दीन ओवैसी का कहना है कि भाजपा मस्जिद- मन्दिर में टकराव बढ़ाकर देश को अस्थिरता में धकेलना चाहती है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कहती हैं कि वह पश्चिम बंगाल में कानून को लागू नहीं होने देंगी। मुंगेरीलाल की तरह हसीन सपने देखते हुए बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव कहते हैं कि अगर बिहार में उनकी सरकार बनती है तो वह इस कानून को लागू नहीं होने देंगे। सपा-बसपा के नेता भी कुछ इसी तरह की बात कहते हैं। मुझे कहने दीजिए कि विपक्ष के नेता वक्फ कानून का विरोध कर सिर्फ और सिर्फ मुसलमानों के हमदर्द बनने का दिखावा कर रहे हैं। ये वही लोग हैं जिन्होंने संविधान के अनुच्छेद 370 हटाने का विरोध किया था। ये वही लोग हैं जो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लगाए टैरिफ पर चुप रहते हैं। ये वही लोग हैं जो महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्या आदि पर सड़क पर निकल कर विरोध करना भूल गए हैं। ये वही लोग हैं जो समाज में जातीयता का जहर घोलने पर आमादा हैं। ये वही लोग हैं जो जाने-अनजाने भाजपा की बनाई बिसात पर चौसर खेलने को अभिशप्त हैं। दरअसल, भाजपा तो शुरू से चाहती है कि देश का जनमत हिन्दू-मुस्लिम में विभाजित हो जाए ताकि उसे आसानी से बहुमत मिलता रहे।

सवाल नये वक्फ कानून पर नहीं, बल्कि कानून बनाने के समय पर होना चाहिए। 2014 और 2019 में जब भाजपा को संसद में पूर्ण बहुमत था। उस समय भाजपा चाहती तो यह कानून आसानी से बनाया जा सकता था। लेकिन तब भाजपा ने ऐसा नहीं किया। अब जबकि लोकसभा में भाजपा के महज 240 सांसद हैं तब यह कानून बनाकर भाजपा ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के मुखिया चिराग पासवान, राष्ट्रीय लोकदल के जयंत चौधरी, हिन्दुस्तान अवाम मोर्चा के जीतनराम मांझी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अजित पवार सरीखे अपने सहयोगी दलों के नेताओं की मुस्लिम परस्ती को खुलेआम चुनौती दे दिया है। साथ ही यह संदेश भी कि 'वृंदावन में रहना है तो राधे-राधे कहना होगा'। बिहार में इसी साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होनेवाले हैं। इसका सर्वाधिक नुकसान नीतीश की पार्टी जनता दल (यू), चिराग पासवान की पार्टी लोजपा (रामविलास) और जीतनराम मांझी की पार्टी हिन्दुस्तान अवाम मोर्चा को होगा। भाजपा ने अपने चक्रव्यूह में इन्हें घेर लिया है और निकलने का इनके पास कोई रास्ता नहीं सूझ रहा है।

वक्फ बिल पर संसद में जनता दल के पूर्व राष्ट्रीयअध्यक्ष राजीवरंजन सिंह उर्फ़ ललन सिंह की दलील सुनकर जदयू में भगदड़ की स्थिति बन गई और उसके दर्जनभर से अधिक नेताओं ने पार्टी छोड़ दी है। कई अभी पार्टी छोड़ने की कगार पर बैठे हैं और उचित समय का इंतजार कर रहे हैं। वरिष्ठ पत्रकार राजदीप सरदेसाई ठीक ही तो कहते हैं कि 'जिस तरह से जदयू और तेलुगुदेशम पार्टी ने संसद में वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन किया, वो बताता है कि पिछले दस महीनों में सियासत का चक्का कितनी तेजी से घूमा है।

भारत बनेगा ताकतवर देश

आईएमएफ की ताजा रिपोर्ट के अनुसार इसी साल के अंत तक भारत जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। 2027 तक जर्मनी को पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका होगा। तब भारत केवल अमेरिका और चीन से पीछे रहेगा। जबकि भारत के आलोचक लगातार करते हैं कि भारत अब भी सबसे गरीब देशों में है, जिसकी प्रति व्यक्ति आय 3,000 डॉलर है। प्रति व्यक्ति आय को विनिमय दरों के कारण ठीक से समझा नहीं जा सकता, इसलिए आईएमएफ देशों के बीच जीवनयापन की लागतों और वेतनमान में व्यापक अंतर को ध्यान में रखते हुए क्रय-शक्ति समता का उपयोग करता है। इसीलिए, जहां विनिमय दरों के आधार पर प्रति-व्यक्ति आय भारत के लिए 3,000 डॉलर और चीन के लिए 14,000 डॉलर है, वहीं पीपीपी पर यह भारत के लिए 12,000 डॉलर और चीन के लिए 22,000 डॉलर है। ऐसे में दोनों देशों के बीच प्रति-व्यक्ति आय के अनुपात में अंतर घटकर 2:1 से भी कम हो जाता है। इसका मतलब है कि भारत में गरीबी है। लेकिन ब्रिटिश राज के बाद 1947 में जहां गरीबी की दर 80% थी, वहीं वह अब 8% रह गई है। गरीबी की 8% दर का मतलब यह है कि लगभग 12 करोड़ भारतीय आज भी दिहाड़ी मजदूरी पर जिंदा हैं। ऐसे में गरीबी को खत्म करने का एकमात्र तरीका अर्थव्यवस्था को तेजी से बढ़ाना है। भारतीय अर्थव्यवस्था विकास की राह पर आगे बढ़ रही थी, लेकिन ट्रंप के टैरिफ ट्रेड ने चिंताएं पैदा कर दी हैं। बहरहाल, अधिकांश भारतीय भारत की वास्तविक आर्थिक और भू-राजनीतिक क्षमता को नहीं समझते हैं। भारत सदियों तक दुनिया की सबसे बड़ी दूसरी अर्थव्यवस्था रही है। जब अंग्रेज आए और ब्रिटिश हुकूमत कायम किया तो उस दौरान भारत में गरीबी आई। आजादी के बाद सुधार तो हुआ लेकिन धीमा और रुक-रुक कर। खासकर नेहरू-इंदिरा के समाजवादी युग में। वास्तविक आर्थिक सुधार 1991 में नरसिंह राव और मनमोहन सिंह की जोड़ी ने शुरू किया। आज जब अमेरिका-चीन ट्रेड-वॉर चल रहा है तो भारत के लिए नई भू-राजनीतिक खिड़की खुल गई है। इसलिए वॉशिंगटन और बीजिंग दोनों ही भारत को अपने पक्ष में चाहते हैं। दोनों देश जानते हैं कि 2030 तक दुनिया की तीन सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत भी शामिल होकर शक्ति का त्रिकोणीय केंद्र बन जाएगा। ऐसे में भारत एक स्विंग-स्टेट बनता दिखाई दे रहा है। चीन ने भारतीय निवेशकों को लुभाना शुरू कर दिया है। अमेरिका 21 अप्रैल को उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनकी भारतीय मूल की पत्नी उषा चिलुकुरी को चार दिवसीय यात्रा पर भारत भेज रहा है। अब मौका है कि भारत अपने पत्ते समझदारी से खेले। चीन को लेकर भारत सतर्क है। उसने चीनी विदेश मंत्री वांग यी की इस टिप्पणी का स्वागत किया है कि 'ड्रैगन (चीन) और हाथी (भारत) को साथ मिलकर नृत्य करना चाहिए।' लेकिन नई दिल्ली को इस बात की चिंता है कि चीन भारत में अपने वो सस्ते सामान डम्प कर रहा है, जिन्हें अमेरिका में बेचने में मुश्किलें आ रही हैं। देखा जाए तो अमेरिका से हमारे रिश्ते काफी पेचीदा हैं। अमेरिका भारत का इस्तेमाल चीन को पछाड़ने के लिए करना चाहता है। ऐसे में भारत को अमेरिका का मोहरा नहीं बनना चाहिए। भारत के नीति-निर्माता जानते हैं कि एक महान शक्ति के रूप में पहचाने जाने के लिए उसके पास न केवल सैन्य क्षमता होनी चाहिए, बल्कि उसे वैश्विक स्तर पर पेश करने की क्षमता और इच्छाशक्ति भी होनी चाहिए। अब तक भारत क्वाड जैसे बहुपक्षीय सुरक्षा गठबंधनों का हिस्सा बनकर संतुष्ट रहा है। लेकिन अब हमें हिंद महासागर क्षेत्र और उससे आगे भी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करना चाहिए। 2035 तक तो दुनिया एक बहुत ही अलग जगह पर होगी और नई दिल्ली के पास भू-राजनीतिक सुई को अपनी मनचाही दिशा में मोड़ने की शक्ति होगी।

जलवायु संकट की चुप्पी में दबी औरतों की पुकार

प्रियंका सौरभ

जब हम जलवायु परिवर्तन की बात करते हैं, तो चर्चा अक्सर पिघलते ग्लेशियर, बढ़ते समुद्र तल और बदलते मौसम चक्रों तक सिमट जाती है। परंतु इसके मानवीय चेहरे – विशेष रूप से ग्रामीण भारतीय महिलाओं के चेहरों – को अक्सर भुला दिया जाता है। 2025 की बीजिंग इंडिया रिपोर्ट एक बार फिर यह स्पष्ट करती है कि जलवायु संकट कोई ₹जेंडर न्यूट्रल₹ आपदा नहीं है। इसके प्रभाव गहरे, असमान और स्त्री-विरोधी हैं। भारत की करोड़ों ग्रामीण महिलाएं पहले से ही संसाधनों की कमी, सामाजिक सीमाओं और अवैतनिक घरेलू ज़िम्मेदारियों के बोझ तले दबी हुई हैं। जलवायु परिवर्तन इस बोझ को और भारी बना देता है – कभी सूखा बनकर, कभी बाढ़ बनकर, तो कभी धीमे-धीमे कुपोषण और थकावट के ज़हरीले मिलन के रूप में। बीजिंग रिपोर्ट बताती है कि जलवायु संकट न केवल महिलाओं के जीवन की गुणवत्ता को गिरा रहा है, बल्कि उन्हें उनकी जैविक, सामाजिक और आर्थिक गरिमा से भी वंचित कर रहा है। ग्रामीण महिलाओं के लिए स्वास्थ्य सुविधाएं पहले से ही सीमित हैं, लेकिन जलवायु परिवर्तन से उपजा पोषण संकट और गर्मी का तनाव उनके प्रजनन और मातृ स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित करता है।

रिपोर्ट के अनुसार, लगातार डिहाइड्रेशन और एनीमिया के कारण महिलाओं में समय से पहले हिस्टेरेक्टॉमी (गर्भाशय-उच्छेदन) के मामले बढ़े हैं। यह केवल एक मेडिकल प्रक्रिया नहीं, बल्कि उनके शरीर से जुड़ी स्वायत्तता और गरिमा पर एक हमला है। बांझपन, जटिल प्रसव, और गर्भधारण में कठिनाइयाँ अब सामान्य सी समस्याएं बनती जा रही हैं – और इनके पीछे जलवायु से जुड़ी असुरक्षा की स्पष्ट छाया है।

भारत की अधिकांश ग्रामीण महिलाएं या तो खेतों में काम करती हैं या छोटे कृषि कार्यों में लगी होती हैं, लेकिन वे भूमि की मालकिन नहीं होतीं। जब बारिश असमय होती है, जब फसलें सूख जाती हैं या जब मिट्टी बंजर हो जाती है – तो सबसे पहले और सबसे ज़्यादा झटका इन महिलाओं को लगता है। बुंदेलखंड जैसे क्षेत्रों में, लगातार सूखे की मार ने न केवल उत्पादन को गिराया है, बल्कि महिलाओं की मौसमी बेरोजगारी को भी बढ़ाया है। खेत से कटने का मतलब होता है रसोई का खाली होना, बच्चियों की स्कूल से विदाई और कर्ज़ का एक और फेरा। जो महिलाएं कृषि से इतर हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण या छोटे पैमाने के व्यवसायों में लगी थीं, उन्हें भी चरम मौसम ने नहीं बख्शा। बीजिंग रिपोर्ट बताती है कि 2023-24 में चरम जलवायु घटनाओं के दौरान गैर-कृषि क्षेत्रों में महिलाओं की आय में औसतन 33% की गिरावट आई। यह न केवल आर्थिक नुकसान है, बल्कि आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास पर भी करारा प्रहार है।

जलवायु से प्रेरित विस्थापन, परिवार की आय में गिरावट और पारंपरिक सोच – ये तीनों मिलकर किशोर लड़कियों की शिक्षा को बाधित कर रहे हैं। जब परिवार के पास सीमित संसाधन होते हैं, तो सबसे पहले लड़कियों की पढ़ाई पर कैंची चलती है। उन्हें स्कूल से निकाल कर घरेलू काम में झोंक दिया जाता है, या जल्दी शादी के लिए तैयार किया जाता है। शिक्षा की यह टूटती श्रृंखला, उनके जीवन भर के अवसरों को सीमित कर देती है। विशेष रूप से आदिवासी और दलित महिलाएं – जिन्हें पहले से ही सामाजिक हाशिए पर रखा गया है – जलवायु आपदाओं के समय सबसे ज़्यादा उपेक्षा का शिकार होती हैं। 2020 के चक्रवात 'अम्फान' के दौरान, सुंदरबन क्षेत्र की दलित महिलाओं ने बताया कि राहत केंद्रों से उन्हें बाहर रखा गया, और आश्रय निर्णयों में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। जलवायु संकट के समय सामाजिक भेदभाव और भी तीखा हो जाता है।

बीजिंग इंडिया रिपोर्ट इस संकट को केवल उजागर नहीं करती, बल्कि इससे निपटने के स्पष्ट रास्ते भी सुझाती है – जिनमें सबसे अहम है लैंगिक संवेदनशीलता को जलवायु रणनीति के केंद्र में लाना। राज्य स्तरीय जलवायु योजनाओं में महिलाओं की विशिष्ट ज़रूरतों को शामिल किया जाना चाहिए। ओडिशा जैसे राज्यों ने अपनी जलवायु रणनीतियों में लिंग संकेतकों को शामिल करना शुरू किया है, लेकिन ज़रूरत है कि यह पहल हर राज्य में दोहराई जाए। गांव, जाति और आर्थिक स्थिति के अनुसार लिंग-आधारित डेटा संग्रह आवश्यक है ताकि नीतियाँ धरातल पर असरदार साबित हो सकें। पंचायत स्तर पर लिंग घटक के साथ जलवायु भेद्यता सूचकांक बनाना एक प्रभावशाली कदम हो सकता है। स्वयं सहायता समूहों और महिला सहकारी समितियों को जलवायु-लचीले कृषि, हरित नौकरियों, नवीकरणीय ऊर्जा और कृषि-प्रसंस्करण के क्षेत्रों में कौशल प्रदान करके मजबूत किया जा सकता है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को बेहतर संसाधनों से लैस करना, विशेषकर प्रजनन और मातृ देखभाल के लिए, अत्यावश्यक है – खासकर उन इलाकों में जो जलवायु संकट से प्रभावित हैं। गुजरात में महिलाओं द्वारा संचालित जल समितियों ने यह सिद्ध किया है कि जब महिलाएं नीति निर्माण और संसाधन प्रबंधन का हिस्सा बनती हैं, तो समाधान अधिक टिकाऊ और संवेदनशील होते हैं। स्थानीय आपदा प्रबंधन, वन अधिकार समितियों और जल प्रबंधन में महिला भागीदारी को अनिवार्य किया जाना चाहिए। (राष्ट्रीय जलवायु कार्य योजना) के अंतर्गत चल रहे मिशनों – जैसे उजाला योजना, पीएमयूवाई आदि – को महिला केंद्रित दृष्टिकोण के साथ पुनः परिभाषित किया जाए। जलवायु-संवेदनशील क्षेत्रों में इन योजनाओं के विस्तार से न केवल स्वास्थ्य और आजीविका सुदृढ़ होगी, बल्कि लैंगिक न्याय को भी बल मिलेगा।

ग्रामीण महिलाएं केवल जलवायु परिवर्तन की पीड़िता नहीं हैं – वे बदलाव की वाहक भी बन सकती हैं। लेकिन इसके लिए ज़रूरत है कि हम उन्हें केवल 'सहायता की पात्र' न मानें, बल्कि 'साझेदार' के रूप में देखें। बीजिंग रिपोर्ट का यही संदेश है – कि अगर हमें जलवायु परिवर्तन से प्रभावी ढंग से निपटना है, तो जेंडर और क्लाइमेट को एक-दूसरे से अलग नहीं, बल्कि एक साथ समझना होगा। एक महिला जब सूखते हुए तालाब की मिट्टी से अपने बच्चे के लिए पीने का पानी खुरचती है, वह सिर्फ मातृत्व नहीं, बल्कि जलवायु संकट की सबसे त्रासद छवि बन जाती है। अब वक्त है कि नीति, विज्ञान और समाज – तीनों मिलकर उसकी आवाज़ को गंभीरता से सुनें।

ताकि अदालतों पर न बढ़े वैवाहिक मामलों का बोझ !

सुनील महला

भारत के उच्चतम न्यायालय की न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना ने हाल ही में बेंगलुरु में एक आयोजन के दौरान वैवाहिक विवादों के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई है और यह बात कही है कि देशभर में वैवाहिक विवादों के बढ़ते मामले न्यायालयों पर अत्यधिक बोझ डाल रहे हैं। वास्तव में न्यायमूर्ति का कहना बिलकुल ठीक है कि आज के समय में हमारे देश में वैवाहिक विवाद बढ़ते ही चले जा रहे हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि वैवाहिक विवाद मामलों से जहां एक ओर देश के न्यायालयों पर अनावश्यक बोझ बढ़ता है, वहीं दूसरी ओर इससे परिवार के बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। आज घरेलू हिंसा, दहेज, अत्याचार, गुजारा भत्ता को लेकर अनेक याचिकाएं न्यायालयों में लगतीं हैं। यह विडंबना ही है कि आज छोटी-छोटी बातों को लेकर याचिकाएं दायर की जातीं हैं। मामूली असहमति भी आज बड़े विवाद में बदल रहीं हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज भी हमारे देश में फैमिली कोर्ट की संख्या अपर्याप्त है और इन पर ज़्यादा दबाव है।

दरअसल,विवादों की रोकथाम के लिए पूर्व-वाद निपटान और मध्यस्थता की ज़रूरत है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि वर्ष 2022 में भी उच्चतम न्यायालय ने यह बात कही थी कि' देश में वैवाहिक विवादों से संबंधित मुकदमों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है और अब वैवाहिक संस्था के प्रति नाखुशी और कटुता ज्यादा नजर आ रही है।' गौरतलब है कि उस समय न्यायालय ने यह टिप्पणी की थी कि 'इसका नतीजा यह हो रहा है कि पति और उसके रिश्तेदारों के साथ अपना हिसाब चुकता करने के लिए भारतीय दंड संहिता की धारा 498-ए जैसे प्रावधानों का इस्तेमाल करने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है।' यहां पाठकों को बताता चलूं कि धारा 498-ए ससुराल में पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा स्त्री के उत्पीड़न से संबंधित अपराध के बारे में है और इसका अक्सर दुरूपयोग किया जाता है जिस पर देश के सबसे बड़े न्यायालय द्वारा चिंता जताई गई थी।

न्यायमूर्ति नागरत्ना बेंगलौर में सुप्रीम कोर्ट की फैमिली कोर्ट्स कमेटी द्वारा आयोजित साउदर्न जोन रीजनल कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रही थीं, जिसका विषय था, 'फैमिली : द बेसिस ऑफ इंडियन सोसाइटी'।

क्या यह गंभीर होने के साथ ही विडंबना नहीं है कि आज के समय में वैवाहिक विवाद इस स्तर पर पहुंच जा रहे हैं कि पति-पत्नी के बीच समझौते की कोई हल्की सी भी संभावनाएं नजर नहीं आतीं हैं। इससे बड़ी बात भला और क्या हो सकती है कि आज के समय में एक ही मामले में घरेलू हिंसा, गुजारा भत्ता जैसी याचिकाओं का अंबार लगता जाता है और इसका नतीजा छोटे-छोटे बच्चे भुगतते हैं। आखिर इसमें बच्चों का क्या दोष होता है जो पति-पत्नी के आपसी झगड़ों के बीच पिसते हैं ? न्यायमूर्ति का यह कहना था कि ' तलाक और वैवाहिक विवादों के निरंतर बढ़ते जाने के लिए स्त्रियों की आर्थिक स्वतंत्रता कतई जिम्मेदार नहीं है। आज शिक्षा का क्षेत्र हो या रोजगार का क्षेत्र हो, लड़कियों की इन दोनों तक पहुंच में तेजी से इजाफा हुआ है। समय के साथ महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता में भी तेजी से वृद्धि हुई है। बढ़ते हुए शहरीकरण, औधोगिकीकरण तथा पाश्चात्य संस्कृति के आगमन से आज भारतीय परिवारों का पारंपरिक ढांचा बहुत तेजी से बदल रहा है।

न्यायमूर्ति के मुताबिक महिलाओं की यह सामाजिक-आर्थिक मुक्ति स्वागतयोग्य भी है और आज के समय में आवश्यक भी। यह अच्छी बात है कि आज के समय में शिक्षा व रोजगार तक बढ़ती पहुंच के कारण स्त्रियां लगातार सामाजिक-आर्थिक रूप से स्वतंत्र बन रही हैं। वास्तव में होना तो यह चाहिए कि इस बदलाव का स्वागत हो पर यह दुखद है कि आज हमारा समाज इसे स्वीकार नहीं कर पा रहा है जिससे देश में तलाक के मामले लगातार बढ़ रहे हैं और इसका व्यापक असर हमारे समाज, देश और अदालतों पर पड़ रहा है। यहां यह लेखक कहना चाहता है कि आज भी हमारे देश में मुकदमों के हिसाब से पर्याप्त संख्या में जज भी नहीं हैं जबकि अदालतों में पर्याप्त संख्या में जज होने चाहिए। यहां यह भी कहना ग़लत नहीं होगा कि देर से मिलने वाला न्याय भी अन्याय के समान ही होता है, इसलिए इस ओर भी ध्यान केंद्रित किए जाने की आवश्यकता है।

वास्तव में होना तो यह चाहिए कि फास्ट ट्रैक अदालतों की स्थापना हो और इस पर पूरी गंभीरता से काम करना होगा। सरकार को यह चाहिए कि वह देश में और अधिक पारिवारिक न्यायालयों की स्थापना करें। गौरतलब है कि पारिवारिक न्यायालय अधिनियम, 1984 के तहत, आबादी 10 लाख से ज़्यादा वाले शहरों में पारिवारिक न्यायालय स्थापित किए जाते हैं। इन न्यायालयों में विवाह और पारिवारिक मामलों से जुड़े विवादों का निपटारा होता है।

इन मामलों में भरण-पोषण, तलाक, संतान अभिरक्षा, दांपत्य जीवन के अधिकारों की बहाली, न्यायिक पृथककरण वगैरह शामिल हैं।

भद्रलोक और शेष भारत

शिवानंद मिश्रा

भद्र लोक पर लिखना नहीं चाहता परंतु लिखने के लिए विवश हो गया हूं....पश्चिम बंगाल में हिन्दुओं का एक बहुत बड़ा हिस्सा अपना घर-बार, संपत्ति छोड़कर पलायन कर जाएगा, यहां तक कि मारा भी जाएगा लेकिन वह अपनी बंगाली पहचान और उप-राष्ट्रवाद को कभी भी नहीं छोड़ेगा।

यही समस्या की असली जड़ है. समस्या न तो कांग्रेस में है, न ममता में है, न कम्युनिस्ट पार्टी में, न भाजपा में, न वहां की पुलिस में है। ममता की भूमिका ने तो बस उस समस्या को उजागर किया है। बंगाली अभिजात वर्ग जिसे हम सरल भाषा में 'भद्रलोक बांगाली' कहते हैं, इस सब पर वह आंखें मूंद लेता है, वह रवींद्र संगीत में मग्न रहता है और बंगाली श्रेष्ठता का गुणगान करता रहता है। जो लोग आज पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने के लिए बेताब हो रहे हैं, उन्हें शायद यह एहसास नहीं है कि अगर यह लागू हो जाता है तो यही 'भद्रलोक बंगाली' कल इसको लेकर दिल्ली से बंगाली पहचान को चुनौती के रूप में पेश करेगा और हिन्दुओं को और ज्यादा भड़काएगा. इन सभी मुद्दों के लिए हिन्दू खुद जिम्मेदार है। जब तक हिन्दू पहचान अन्य सभी पहचानों से अधिक महत्वपूर्ण नहीं हो जाती, तब तक हिन्दू जीवित नहीं रह सकता. इधर से उधर भागते रहेगा लेकिन कुछ नहीं बदलेगा।

बंगाली अस्मिता पर प्रश्न उठाते ही, हिन्दू पहचान के नाम पर मार खाते बंगालियों की अस्मिता जाग उठी !! वे सोशल मीडिया पर भयानक प्रतिक्रिया दे रहे हैं क्यों !? क्यूंकि उनके लिए बंगाली अस्मिता प्रथम पहचान है और हिन्दू अस्मिता द्वितीय। इसलिए हिन्दू अस्मिता पर प्रहार उतना परेशान नहीं करता जितना बंगाली अस्मिता पर प्रहार करता है जबकि इनको यह नहीं पता कि किसी भी जेहादी को न क्षेत्र से मतलब होता है, न भाषा से। वह दुनिया को केवल का-फ़िर और ग़ैर का-फ़िर में बांटता है !! बंगाल की समस्या का समाधान बंगाल के बाहर नहीं है, समस्या वहीं की है, समाधान वहीं से निकलेगा। उनकी काल्पनिक दुनिया में शेष भारत असभ्य है, पिछड़ा है, बेकार है, कम असरदार है, अविकसित है।

बंगाल में ममता बनर्जी के हाथ में कुछ बचा होगा, तब न कुछ कर पाएंगी। वोट बैंक के लिए एक वर्ग को खुला छूट दे दिया। महज़ डेढ़ दशक में वो अब इतने मज़बूत हो चुके हैं कि आज़ ममता बनर्जी चाह भी लें तो कुछ नहीं कर सकती। शासन चलता है हनक से, ममता ने वह हनक समाप्त कर दी और एक बार हनक समाप्त हो गई तो फिर वे किसी के बस के नहीं रह जाते। पश्चिम बंगाल में कम से कम 6-7 जिले पूरी तरह से पुलिसिया नियंत्रण से बाहर हो चुके हैं !! शायद अब इसका एक मात्र उपाय है कि कम से कम दो दशक तक एक निष्ठ देशहित वाला शासन। अभी कुछ मूढ़ इस बात से परेशान हैं कि इन घटनाओं से भाजपा का वोट बढ़ेगा, यानी मूर्खता के चरम पर बैठे इन लोगों की शायद यह ख्वाहिश है कि इतने अत्याचार के बाद भी ममता के पक्ष में हिंदू समाज एकजुट रहे !? इनको लगता है कि केंद्र सरकार पूर्ण बहुमत से चुनी सरकार को हटाकर साल भर बाद फिर से उसे पाँच साल आने की व्यवस्था बना दे !? मोदी जी और अमित शाह जी ने न ऐसी गलती कहीं और की थी, न ही बंगाल में करेंगे।

धनकुबेरों के लिए ऋण माफी, गरीबों के लिए उपदेश

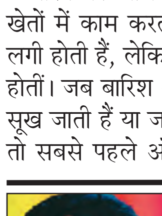
डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

किस्सों-कहानियों की पावन भूमि भारत में, जहाँ सम्पन्नता की नदियाँ केवल कुछ चुने हुए लोगों के लिए बहती हैं, एक भयंकर आर्थिक संकट आ गया। सरकार, जो अपनी दूरदर्शिता के लिए जानी जाती है, तुरंत एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाती है—नहीं, नहीं, किसानों की भुखमरी या छोटे व्यापारियों के डूबते कर्ज को हल करने के लिए नहीं, बल्कि एक नई नीति तैयार करने के लिए चांदी की चम्मच वालों के लिए सोने की बेलआउट योजना ।

इस क्रांतिकारी योजना के तहत, वे अरबपति जिन्हें शेयर बाजार में जुए में हार का सामना करना पड़ा था, उन्हें तुरंत आर्थिक सहायता प्रदान की गई। दूसरी ओर, जो किसान 50,000 का कर्ज चुकाने में असमर्थ थे, उन्हें मेहनत, धैर्य और उपवास के गुणों पर प्रवचन दिए गए। आखिरकार, थोड़ी सी भूख सह लेना कौन-सी बड़ी बात है, जब बदले में सहनशीलता का अनमोल पाठ पढ़ने को मिले? एक भव्य समारोह में, जो मीडिया की सुर्खियों में छाया रहा, एक कर्ज में डूबे कॉर्पोरेट टाइकून के 20,000 करोड़ का ऋण माफ कर दिया गया, जबकि 5,000 का कर्ज न चुका पाने पर एक किसान को जेल भेज दिया गया। सच्चाई के प्रति समर्पित मीडिया ने इस दौरान देश की आर्थिक मजबूती का प्रमाण देते हुए उस अरबपति के शानदार यॉट ट्रिप की तस्वीरें प्रसारित कीं। दूसरी ओर, उत्तर प्रदेश के एक छोटे सब्जी विक्रेता को एक जाने-माने वित्तीय विशेषज्ञ ने प्राइम टाइम डिबेट में ज्ञान दिया अगर 100 किलो प्याज नहीं खरीद सकते तो कुछ और खा लो, आखिर भूख से कभी कोई मरा तो नहीं! सरकार ने राष्ट्रीय उपवास सप्ताह की घोषणा की, जिसमें आम नागरिकों से अनुरोध किया गया कि वे अपने उपभोग को कम करके जीडीपी में योगदान दें।

इधर बैंक, हमेशा की तरह, रसूखदारों के लिए दरियादिल बना रहा और एक और हजारों करोड़ के कॉर्पोरेट ऋण को बट्टे खाते में डाल दिया। वहीं, महाराष्ट्र के एक बुजुर्ग किसान को बैंक की तरफ से प्रेरणादायक पत्र मिला—₹एक हफ्ते में कर्ज चुकाओ, वरना ज़मीन नीलाम होगी।₹ बैंक की चिंता से अभिभूत उस किसान ने तुरंत एक स्थानीय साहूकार से 200% ब्याज पर नया कर्ज लिया ताकि बेइज्जती से बचा जा सके। इस समर्पण से प्रभावित सरकार ने उसकी मृत्यु के बाद सम्मान दिया और उसके नाम पर एक सरकारी योजना शुरू कर दी, ताकि भविष्य में और लोग भी इस प्रेरणा से लाभान्वित हो सकें।

इस दरियादिली से अभिभूत सत्ताधारी मंत्री आर्थिक सुधारों का अध्ययन करने के लिए एक हफ्ते की विदेश यात्रा पर निकल पड़े। उधर, मध्यम वर्ग के लोग अपने बौद्धिक कौशल का उपयोग यह बहस करने में कर रहे थे कि IPL फिक्स था या नहीं?

जब अरबपतियों ने टैक्सपेयर के पैसे से अपना बिजनेस साम्राज्य बढ़ाया, तो आम जनता को याद दिलाया गया— हम सब एक ही नाव में हैं! टीवी डिबेट्स में गूंज उठा—सादगी सबसे बड़ी पूंजी है! कम खर्च करो, देश आगे बढ़ेगा! आम जनता ने कमर कस ली, लेकिन नेता लोग पांच सितारा होटलों में प्रेरणा के माध्यम से गरीबी उन्मूलन पर भाषण देने में व्यस्त थे। वित्तीय वर्ष समाप्त होते ही, वित्त मंत्री मुस्कुराते हुए टेलीविजन पर प्रकट हुए—अर्थव्यवस्था पहले से मजबूत हो गई है! वह सच कह रहे थे— शॉपिंग मॉल्स बेरोजगार युवाओं से भरे पड़े थे, जो सेल्फी खींच रहे थे। लक्जरी कारों की बिक्री बढ़ गई थी—नेताओं और उनके बेटों के बीच।

चतुर्थी और बुधवार का योग आज

घर-परिवार में सुख-शांति बनाए रखने की कामना से किया जाता है चतुर्थी व्रत, शाम को करें चंद्रदेव की पूजा

बुधवार, 16 अप्रैल को वैशाख कृष्ण चतुर्थी है। इस तिथि पर भगवान गणेश के लिए व्रत किया जाता है। बुधवार को ये तिथि होने से इसका महत्व और अधिक बढ़ गया है। इस दिन गणेश जी के साथ ही बुध ग्रह के लिए भी विशेष पूजा-पाठ करेंगे तो कुंडली के कई ग्रह दोष शांत हो सकते हैं।

गणेश पूजा से करें दिन की शुरुआत

चतुर्थी पर सुबह जल्दी उठें और स्नान के बाद घर के मंदिर में गणपति बप्पा की विशेष पूजा करें। गणेश प्रतिमा पर जल, दूध और पंचामृत चढ़ाएं। इसके बाद फिर से शुद्ध जल चढ़ाएं। भगवान की प्रतिमा को हार-फूल और नए वस्त्रों से सजाएं। श्रृंगार के बाद गणेश जी को दूर्वा चढ़ाएं। चावल, अबीर, गुलाल, चंदन आदि पूजन सामग्री अर्पित करें।

ऊँ गं गणपतयै नमः मंत्र का जप करें। धूप-दीप जलाएं। भगवान को लड्डू और मौसमी फल अर्पित करें। आरती करें। पूजा के बाद प्रसाद बांटें और खुद भी लें।

घर-परिवार में सुख-शांति और सफलता की कामना से चतुर्थी व्रत किया जाता है। इस व्रत से भक्तों की बाधाएं दूर होती हैं। इस तिथि पर नए व्यापार की और नए काम की शुरुआत की जा सकती है।

ऐसे कर सकते हैं चतुर्थी व्रत

जो लोग चतुर्थी व्रत करना चाहते हैं, वे इस तिथि पर सुबह भगवान गणेश की पूजा करें और भगवान के सामने व्रत करने का संकल्प लें। इसके बाद दिनभर निराहार रहें, भगवान के मंत्रों का जप करें, भगवान की कथाएं पढ़ें-सुनें। दिनभर भूखे रहना संभव न हो तो फलाहार कर सकते हैं। शाम को गणेश पूजा करें और चंद्र उदय के बाद चंद्र देव की पूजा करें। चंद्र को अर्घ्य अर्पित करें। इसके बाद व्रत पूरा होता है।

बुध ग्रह के लिए कर सकते हैं ये शुभ काम

चतुर्थी और बुधवार के योग में बुध ग्रह के लिए हरे मूंग का दान करना चाहिए।

बुध ग्रह के मंत्र ऊँ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः का जप करें। मंत्र जप कम से कम 108 बार करें। बुध ग्रह की पूजा करें।

रामकृष्ण परमहंस की सीख

हमें अपने शरीर के साथ ही मन की सफाई पर भी ध्यान देना चाहिए, मन के बुरे विचारों को रोज दूर करें

रामकृष्ण परमहंस उन संतों में से थे, जिनका आचरण साधारण नहीं, बल्कि अलौकिक था। उनका व्यवहार सहज, ईश्वर के प्रेम में डूबा हुआ था। वे कभी भक्तिभाव में रोने लगते, कभी अचानक आनंद से झूमने लगते थे। कई बार मां काली की मूर्ति के सम्मुख समाधि की अवस्था में पहुंच जाते थे।

उनके शिष्य यह भलीभांति जानते थे कि उनके गुरु हर कार्य अपने ही अद्भुत अंदाज में करते हैं। एक ऐसा काम था, जिसे परमहंसजी अत्यंत एकाग्रता और गहराई से करते थे, वह काम था उनका लोटा मांजना यानी साफ करना।

परमहंसजी के पास एक साधारण पीतल का लोटा था, जिसका उपयोग वे केवल निजी कार्यों के लिए करते थे। किंतु वह लोटा उनके लिए केवल एक बर्तन नहीं था। वे दिन में तीन से चार बार उसे रगड़-रगड़ कर चमकाते। सुबह उठते ही और रात को सोने से पहले लोटा मांजना उनकी दिनचर्या का हिस्सा था। वे अंगूठे से भीतर-बाहर उसे इतनी लगन से मांजते कि उसमें प्रतिबिंब साफ दिखाई देने लगे।

शिष्य प्रतिदिन यह दृश्य देखते और चकित होते, एक आत्मज्ञानी संत, जिनके लिए संसार का कोई आकर्षण नहीं, वह एक लोटे को इतनी लगन से क्यों साफ करते हैं?

एक दिन शिष्यों ने पूछा कि – गुरुदेव, ये लोटा तो हम भी साफ कर सकते हैं, फिर आप ही इसे इतनी तन्मयता से क्यों मांजते हैं? क्या यह कोई विशेष लोटा है?

रामकृष्ण परमहंस मुस्कराए, उनकी आंखों में करुणा और ज्ञान की चमक थी। उन्होंने कहा, हां, ये लोटा विशेष है, क्योंकि ये मेरा मन है। मैं जब इस लोटे को मांजता हूं तो ये नहीं सोचता कि ये सिर्फ पीतल का बर्तन है। मैं इसे प्रतीक मानता हूं अपने मन का। जिस प्रकार इस पर दिन भर धूल जमती है, ठीक वैसे ही हमारे मन पर भी हर पल विचारों की गंदगी जमा होती रहती है।

अगर मैं एक बार भी इसकी सफाई छोड़ दूं तो ये गंदा हो जाएगा, जैसे मन की गंदगी इंसान को भ्रमित कर देती है। लोटे को मांजते समय मैं खुद को याद दिलाता हूं कि अपने मन को भी इसी श्रद्धा, सतर्कता और नियमितता से साफ करना चाहिए, क्योंकि एक गंदा मन, हमें पाप की ओर धकेल सकता है।

रामकृष्ण परमहंस की सीख

हमें न केवल अपने शरीर और आसपास की, बल्कि अपने मन की पवित्रता की भी चिंता करनी चाहिए। जब तक मन शुद्ध नहीं होगा, तब तक कर्म और भावनाएं भी पवित्र नहीं हो सकतीं। यदि मन पर ध्यान नहीं देंगे तो मन हमें पथभ्रष्ट कर सकता है। बाहरी सफाई के साथ ही हमें मन के नकारात्मक विचारों को दूर करते रहना चाहिए, तभी जीवन में सुख-शांति आ सकती है।

5 पति होने के बाद भी कुंवारी रह गई द्रौपदी

अद्भुत है महाभारत की नायिका की कहानी

महाभारत में कई ऐसी रोचक कथाएं हैं, जो आज भी लोगों को हैरत में डाल देती हैं। इस महाकाव्य के हर किरदार के बारे में पढ़ना और जानना लोगों को आज भी पसंद है। आपको महाभारत की द्रौपदी के बारे में तो जानकारी होगी है लेकिन आज हम आपको द्रौपदी के उस रहस्य के बारे में बताएंगे, जो बहुत कम लोगों को पता है। दरअसल राजा द्रुपद की पुत्री होने के कारण द्रौपदी को द्रौपदी कहा गया और राजा द्रुपद पांचाल देश के राजा थे इसलिए दौप्रदी को पांचाली के नाम से भी जाना जाता है। महाभारत की इस नायिका को जीवन में कई तरह के कष्टों का सामना करना पड़ा था लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी और ना ही वह किसी से डरी। आइए जानते हैं पांच पति और पांच संतान होने के बाद द्रौपदी कैसे बनी रहीं अक्षत कुंवारी...

द्रौपदी को कहा गया याज्ञसेनी

भगवान कृष्ण की सखी होने के वजह से द्रौपदी को कृष्णा भी कहा जाता है और यज्ञ से पैदा होने के कारण द्रौपदी के याज्ञसेनी भी कहा गया। अग्नि के समान दहकने वाला द्रौपदी का व्यक्तित्व नारी सशक्तिकरण का संकेत है। भरी सभा में द्रौपदी के जब निर्वस्त्र किया जा रहा था, तब उन्होंने ज्ञानी और दिग्गज भीष्म पितामह, द्रोणाचार्य, कृपाचार्य जैसे महान योद्धाओं की कठोर निंदा की। पूरी दुनिया में द्रौपदी जैसी कोई महिला नहीं रही है, जिसके साथ इतने अत्याचार हुए हों और फिर भी वह धर्म के रास्त पर चलती रहीं।

द्रौपदी है दिव्य कन्या

शास्त्रों में द्रौपदी को दिव्य कन्या या अक्षत कुंवारी कहा गया है। द्रौपदी को आजीवन कुंवारी रहने का वरदान प्राप्त था। इसी वरदान की वजह से द्रौपदी सभी पतियों के साथ समान व्यवहार भी कर पाती थीं। आइए जानते हैं पांच पति होने के बाद भी कैसे द्रौपदी आजीवन कुंवारी रहीं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, द्रौपदी ने अपने पूर्व जन्म में भगवान शिव की तपस्या की थी। तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने द्रौपदी को वरदान देना चाहा, तब दौप्रदी ने कहा कि वह ऐसा पति चाहती हैं कि, जिसमें 14 गुण हों।

भगवान शिव से मिला वरदान

भगवान शिव ने वरदान दे दिया लेकिन 14 गुण एक इंसान में मिलना असंभव था तो उन्होंने कहा वह उन पांच व्यक्तियों की पत्नी बनोगी, जिसमें सभी 14 गुण होंगे। द्रौपदी को पांच पांडवों के रूप में ऐसे पति

मिले, जिसमें सभी 14 गुण थे। सभी श्रेष्ठ गुणों के साथ भगवान शिव ने द्रौपदी को एक और वरदान दिया था कि वह विवाहित होने के बाद भी हमेशा कुंवारी रहेंगी। वह हर दिन स्नान करने के बाद फिर से पवित्र हो जाएंगी। दक्षिण भारत में द्रौपदी को काली का अवतार माना जाता है, जिसका जन्म सभी राजाओं के अंहाकर को तोड़ने के लिए हुआ था। साथ ही महाभारत में भगवान कृष्ण की मदद के लिए काली ने द्रौपदी के रूप में अवतार लिया।

निर्णय लेने से पहले ध्यान रखें श्रीकृष्ण की दी हुई

ये सीख, कभी गलत नहीं होंगे फैसले!

हर मनुष्य के जीवन में सुख-दुख लगा रहता है और इससे दुनिया में आए हर एक प्राणी को गुजरना पड़ता है। हां, वो बात अलग है कि दुख के समय में कई लोग घबरा जाते हैं और अपने फैसले लेने में उनके कदम डगमगाने लगते हैं। क्योंकि फैसले कई बार इतने कड़े होते हैं कि इन्हें लेना हमारे लिए कष्टकारी साबित हो जाता है।

इसलिए अपनी जिंदगी में फैसला लेते समय व्यक्ति को थोड़ा सावधान रहने की जरूरत होती है। क्योंकि एक बार लिया गया फैसला बदलना आसान नहीं होता, ऐसे में अगर आपके साथ भी फैसला लेते समय असमंजस्य की स्थिति बनी हुई है तो ऐसे में श्रीमदभगवत गीता की कुछ बातों का विशेष ख्याल रखें। ये बातें व्यक्ति को जिंदगी में सही फैसले लेने में मदद करते हैं।

भावनाओं में बहकर ना लें कोई निर्णय

जीवन में भावनाओं का महत्वपूर्ण स्थान होता है, और यह हमारे निर्णयों को प्रभावित करती हैं। खासकर जब हम अपने प्रियजनों से जुड़े निर्णय लेते हैं, तो अक्सर हम भावनाओं के असर में आकर सही निर्णय लेने में कठिनाई महसूस करते हैं। यह स्थिति अर्जुन के सामने भी आई थी, जब कुरुक्षेत्र के युद्ध भूमि पर उन्हें अपने ही रिश्तेदारों, गुरु और मित्रों के खिलाफ युद्ध करना था।

लेकिन भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को यह सिखाया कि सही निर्णय केवल भावनाओं से प्रेरित नहीं होने चाहिए, बल्कि इन्हें बुद्धि, विवेक और धर्म के आधार पर लिया जाना चाहिए। श्रीकृष्ण कहते हैं कि जब हम भावनाओं और कर्तव्य के बीच उलझते हैं, तो हमें अपने फैसलों को तर्क और उच्च आदर्शों

के आधार पर करना चाहिए, न कि सिर्फ भावनाओं के आधार पर, इस तरह हम अपने जीवन में सही निर्णय लेकर सुख और शांति की ओर अग्रसर हो सकते हैं।

निर्णय लेते समय जरूर पूछें खुद से सवाल

श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने कहा है कि किसी भी निर्णय को लेने से पहले यह सवाल खुद से करना चाहिए – क्या यह निर्णय मैं आवेश या क्रोध में आकर ले रहा हूं? सही निर्णय वही होता है जो पूरी तरह से निष्पक्ष और आत्ममूल्यांकन के बाद लिया जाए। यदि उत्तर से संतुष्टि न मिले, तो बेहतर होगा कि निर्णय लेने से पहले और विचार किया जाए।

व्यावहारिक निर्णय लें

किसी भी कार्य को करते समय हमें उस पर अडिग विश्वास होना चाहिए। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण बताते हैं कि आत्मविश्वास और निरंतर प्रयास से ही हम सफलता प्राप्त कर सकते हैं। वहीं अगर हम अपने ऊपर विश्वास नहीं करेंगे, तो जीवन में किसी भी लक्ष्य को हासिल करना कठिन होगा। इसलिए अपने निर्णयों में दृढ़ रहकर भगवान में आस्था रखते हुए सोच-समझकर और व्यावहारिक निर्णय लेना अत्यंत आवश्यक है।

यूपी के गौना गांव में है भगवान शिव का चमत्कारी मंदिर

यूपी में बागपत के गौना गांव में भगवान शिव का चमत्कारी मंदिर है। यहां पर ओम पुरी जी महाराज ने गांव में पहुंचकर ग्रामीणों के सहयोग से इस भव्य मंदिर का निर्माण कराया था। गांव के सुख समृद्धि के लिए इस मंदिर का निर्माण कराया गया और इस मंदिर की मान्यता तभी से लगातार बढ़ती जा रही है। यहां दूर-दूर से भक्त आकर पूजा अर्चना करते हैं। इस मंदिर में मांगी गई हर मुराद पूरी होती है। यह मंदिर शिव भक्तों की आस्था का बड़ा केंद्र बन चुका है।

संत ने कराया मंदिर का निर्माण

बागपत जिला मुख्यालय से करीब 25 किलोमीटर की दूरी पर गोना गांव है। यहां

पर 1982 में एक महान संत ओम पुरी जी महाराज पहुंचे थे। गांव की सुख समृद्धि और खुशहाली के लिए गोणेश्वर शिव मंदिर पुरी धाम का निर्माण ओम पुरी जी महाराज ने ग्रामीणों के सहयोग से किया। ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर मंदिर निर्माण में सहयोग किया और भव्य मंदिर का निर्माण कराया।

मंदिर निर्माण के बाद होने लगा पूजा-पाठ

मंदिर निर्माण के बाद से गांव में सुख समृद्धि और लोगों में आपसी प्रेम भाव उत्पन्न हुआ और गांव के लोग सुख शांति से जीवन यापन करने लगे। मंदिर निर्माण के बाद से ही मंदिर की मान्यता लगातार बढ़ती जा रही है और दूर-दूर से शिव भक्त इस मंदिर में आकर पूजा अर्चना करते हैं। इस मंदिर में मांगी गई मुराद जरूर पूरी होती है। यह शिव भक्तों की आस्था का बड़ा केंद्र बन चुका है। मंदिर में प्रत्येक देवी देवता की प्रतिमाएं मौजूद हैं।

मंदिर के पुजारी ने बताया

मंदिर के मुख्य पुजारी चंद्रशेखर पुरी जी महाराज ने बताया कि यहां जो भी भक्त पूजा अर्चना कर अपनी मनोकामना मांगता है। उसकी मनोकामना जरुर पूरी होती है। यहां पर विशाल भंडारे का भी आयोजन कराया जाता है और यहां देश के कोने-कोने से भक्त पूजा अर्चना करने के लिए पहुंचते हैं।

समय चल रहा है खराब? सही घड़ी से बदल जाएगी किस्मत

भाग्यांक अनुसार कौन सी घड़ी पहननी चाहिए?

भाग्यांक 1 वालों के लिए घड़ीः भाग्यांक एक के लोगों को गोल्डन कलर की मेटल चेन वाली घड़ी पहननी चाहिए। यह आपके लिए उन्नति वाला होगा। यह घड़ी आप रविवार के दिन पहनें।

भाग्यांक 2 वालों के लिए घड़ीः भाग्यांक दो वाले लोगों को सिल्वर या व्हाइट कलर की घड़ी पहननी चाहिए, जिसमें मेटल चेन लगी हो। यह घड़ी आप सोमवार के दिन पहनें।

भाग्यांक 3 वालों के लिए घड़ीः आपके भाग्यांक के लोगों को भी गोल्डन कलर की रिस्ट वॉच पहननी चाहिए। आप इस घड़ी को गुरुवार के दिन पहनें।

भाग्यांक 4 वालों के लिए घड़ीः भाग्यांक 4 वाले लोगों को मेटैलिक ग्रे कलर की घड़ी पहनते हैं तो अच्छा रहेगा। यह घड़ी शनिवार को पहन सकते हैं।

भाग्यांक 5 वालों के लिए घड़ीः भाग्यांक 5 वाले लोग सिल्वर और गोल्डन मिक्स कलर वाली रिस्ट वॉच पहनें। यह बुधवार के दिन पहनना शुभ रहेगा।

भाग्यांक 6 वालों के लिए घड़ीः भाग्यांक 6 वाले लोगों को शुक्रवार के दिन रोज गोल्ड कलर की घड़ी पहननी चाहिए। यह आपके लिए शुभ होगी।

भाग्यांक 7 वालों के लिए घड़ीः आपके भाग्यांक के लोगों को भी गोल्डन वॉच पहननी चाहिए। यह भी आप शनिवार के दिन पहन सकते हैं।

भाग्यांक 8 वालों के लिए घड़ीः भाग्यांक 8 वाले लोगों को काले रंग की घड़ी अपनी कलाई में बांधनी चाहिए। यह घड़ी शनिवार को ही पहनें।

भाग्यांक 9 वालों के लिए घड़ीः भाग्यांक 9 वाले लोग रोज गोल्ड या कॉपर कलर वाली रिस्ट वॉच पहन सकते हैं। यह मंगलवार के दिन पहननी चाहिए।

इस फिल्म को देखे बिना खाना तक नहीं खाते थे अर्जुन कपूर

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर ने हाल ही में अपने बचपन की एक पसंदीदा फिल्म को लेकर मजेदार खुलासा किया है। उन्होंने हाल ही में साझा किया कि एक फिल्म थी, जिसे वह इतना पसंद करते थे कि बिना देखे खाना तक नहीं खाते थे। एक चैनल पर बातचीत में अर्जुन ने इस फिल्म से जुड़ी अपनी यादें ताजा कीं और बताया कि यह उनके लिए कितनी खास है। आइए जानते हैं कि वह कौन सी फिल्म है और अर्जुन का उससे क्या कनेक्शन है।

अपने समय से आगे थी यह फिल्म

अर्जुन जिस फिल्म की बात कर रहे थे वह थी साल 1987 में आई 'मिस्टर इंडिया।' इसे देखकर अर्जुन आज भी हैरान हो जाते हैं कि उस जमाने में इतने शानदार स्पेशल इफेक्ट्स कैसे बनाए गए। उस समय भारतीय सिनेमा में विजुअल इफेक्ट्स (वीएफएक्स) का ज्यादा चलन नहीं था, लेकिन इस फिल्म ने कमाल कर दिखाया। अर्जुन ने कहा, "मुझे नहीं पता कि उन्होंने ऐसा कैसे किया। फिर भी, सब कुछ इतना साफ और शानदार दिखता है। शायद तब फिल्म बनाने में धैर्य होता था।

आरके स्टूडियो की तीन मंजिलें हुई थीं बुक

फिल्म के पीछे की मेहनत भी कम नहीं थी। बातचीत के दौरान अर्जुन ने अपने पिता और फिल्म के प्रोड्यूसर बोनी कपूर से सुनी एक भी बात बताई। उन्होंने कहा, "यह उस समय की बहुत महंगी फिल्म थी। मेरे पिता ने मुझे बताया था कि मोगैम्बो के डेन के लिए आरके स्टूडियो की तीन मंजिलें बुक की गई थीं।"

फिल्म देखे बिना खाना तक नहीं खाते थे अर्जुन

अर्जुन के लिए मिस्टर इंडिया सिर्फ एक फिल्म नहीं थी, बल्कि उनके बचपन का हिस्सा थी। उन्होंने हंसते हुए बताया, "मैंने मिस्टर इंडिया को वीएचएस पर इतना देखा कि वीएचएस प्लेयर ही खराब हो गया। मैंने यह फिल्म देखे बिना खाना तक नहीं खाता था। मुझे लगता था कि अनिल चाचू सच में मिस्टर इंडिया हैं और वो गायब हो जाते हैं।"

यह सीन देखकर आज भी भावुक हो जाते हैं अभिनेता

अर्जुन को फिल्म की हर बात पसंद है, लेकिन एक सीन ऐसा है, जिसे वह आज भी नहीं देख पाते। फिल्म में एक मासूम बच्चे की मौत का सीन उन्हें बहुत दुखी कर देता है। उन्होंने कहा, "मैं वो सीन नहीं देख पाता। मैं हमेशा उसे तेजी से आगे बढ़ा देता हूं। आज भी मेरी आंखें भर आती हैं।"

इंटीमेट सीन्स को लेकर इमरान हाशमी का बड़ा खुलासा हीरोइन के असहज होने पर करते थे ये काम

इमरान हाशमी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'ग्राउंड जीरो' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उन्होंने एक अधिकारी की भूमिका निभाई है। एक वक्त था जब इमरान हाशमी 'सीरियल किसर' के तौर पर मशहूर थे। ये 2000 का दशक था। फिल्मों में उन्हें बोल्ड सीन देने के लिए याद किया जाता था। वह अपने दौर के सबसे अलग एक्टर थे। इसके बाद धीरे-धीरे इमरान हाशमी ने रचनात्मक भूमिकाएं निभाईं। उन्होंने 'शंघाई' और 'टाइगर्स' जैसी फिल्मों में काम किया। इसके बाद वह अपनी अलग पहचान बना पाए। उन्होंने मीटू अभियान का समर्थन किया था।

इमरान हाशमी ने किया था मीटू का सपोर्ट

फिल्मों में कामुक रोल निभाने वाले इमरान हाशमी ने मीटू अभियान का जोरदार समर्थन किया था। उन्होंने इसे फिल्म उद्योग में एक बहुत जरूरी बदलाव बताया था। इस अभियान का मजबूती से समर्थन करते हुए उन्होंने कहा कि निष्कर्ष निकालने से पहले आरोपों की पूरी तरह से जांच होनी चाहिए।

इमरान हाशमी कलाकारों से करते थे बात

भारत में मीटू अभियान शुरू होने के बाद इमरान हाशमी ने इस पर एक बयान जारी किया। इसमें कहा गया 'मैं आमतौर पर निर्देशक के साथ मिलकर सह-कलाकारों के साथ अंतरंग दृश्यों पर चर्चा करता हूं ताकि पारदर्शिता और सहजता सुनिश्चित हो सके। कई बार ऐसा हुआ है जब हमने अपने सह-कलाकारों के सहज न होने पर चुंबन, अंतरंग दृश्य या असहज डांस को रद्द कर दिया है।'

कुछ भी बंद दरवाजों के पीछे नहीं है

उन्होंने यह भी कहा कि 'पुरुषों को अधिक सतर्क और संवेदनशील होने की जरूरत है; उन्हें अपने काम को व्यवस्थित करने की जरूरत है। महिलाओं को सुनने के लिए एक आवाज और मंच मिल गया है। अब कुछ भी बंद दरवाजों के पीछे नहीं रह गया है या नहीं रहना चाहिए।'

इमरान हाशमी का काम

आपको बता दें कि इमरान हाशमी को आखिरी बार 'ऐ वतन मेरे वतन' में देखा गया था। उनकी अगली फिल्म 'ग्राउंड जीरो' 25 अप्रैल को रिलीज होने वाली है।

महाराष्ट्र साइबर पुलिस के सामने पेश हुए रणवीर-समय रैना आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में पूछताछ

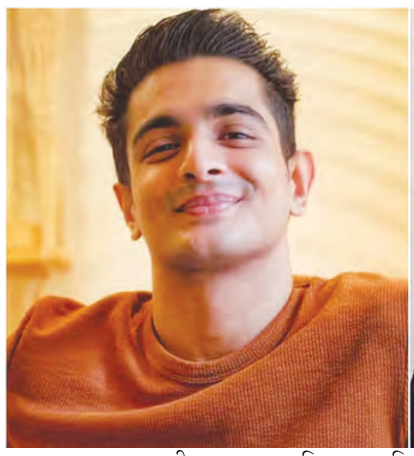

यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया और समय रैना आज मंगलवार को 'इंडियाज गॉट लैटेंट' शो में आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में महाराष्ट्र साइबर पुलिस के सामने पेश हुए। दोनों पूछताछ के सिलसिले में पहुंचे। अधिकारियों ने इस बारे में जानकारी दी।

यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया और समय रैना आज मंगलवार को 'इंडियाज गॉट लैटेंट' शो आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में महाराष्ट्र साइबर पुलिस के सामने पेश हुए। दोनों पूछताछ के सिलसिले में पहुंचे। अधिकारियों ने इस बारे में जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि महाराष्ट्र साइबर पुलिस ने अल्लाहबादिया और रैना के खिलाफ तीन समन जारी कर उन्हें मुंबई में जांच अधिकारी के समक्ष पेश होने को कहा था।

पिछले सप्ताह नहीं हुए उपस्थित

अधिकारी के मुताबिक महाराष्ट्र साइबर पुलिस द्वारा तलब किए जाने के बाद रणवीर अल्लाहबादिया और समय रैना दक्षिण मुंबई के कफ परेड क्षेत्र में स्थित महाराष्ट्र साइबर कार्यालय पहुंचे। पिछले सप्ताह अल्लाहबादिया अपना बयान दर्ज कराने के लिए महाराष्ट्र साइबर पुलिस के समक्ष उपस्थित नहीं हुए थे।

राशा के काम आई मां रवीना टंडन की सलाह इन हीरोइनों को देखकर सीखा गजब का डांस?

रवीना टंडन 90 के दशक में एक्टिंग के अलावा फिल्मों में अपने डांस को लेकर भी चर्चा में रहती थीं, अब बेटी राशा थडानी से उनकी राह पर चल रही हैं। अपनी डेब्यू फिल्म में राशा थडानी ने एक डांस नंबर 'ऊई अम्मा' भी किया था, इस गाने में उनके डांस को काफी पसंद किया गया। हाल ही में राशा ने बताया कि कैसे वह पहली ही फिल्म में इतना अच्छा डांस कर पाईं। साथ ही इस काम में मां रवीना टंडन ने कैसे उनकी मदद की?

मां जानती थीं मैं एक्टर बनूंगी

राशा थडानी ने हाल ही में बीबीसी एशियन नेटवर्क से की गई बातचीत में बताया कि मां रवीना टंडन ने डांस सीखने में काफी मदद की। राशा कहती हैं, 'मां ने मुझे रेखा, साधना जैसी एक्ट्रेस की पुरानी डांस वीडियो देखने को कहा। साथ ही सरोज खान जी की डांस ट्रेनिंग को भी देखने की सलाह दी। मां ने कहा कि मैं गौर से इन लोगों के हाव-भाव देखूं। मां जानती थीं कि मैं एक्टर बनूंगी।' आगे चलकर यही चीजें राशा के डांस परफॉर्मेंस में काम आईं।

ओटीटी पर पसंद की गई राशा की फिल्म

फिल्म 'आजाद (2025)' से राशा थडानी ने डेब्यू किया। इस फिल्म के गाने 'उई अम्मा' के कारण दर्शक उन्हें अब पहचानने लगे हैं। यह फिल्म थिएटर में तो नहीं चलीं लेकिन ओटीटी पर राशा थडानी की 'आजाद' को काफी पसंद किया गया। फिल्म में अजय देवगन, अमन देवगन भी नजर आए।

राशा थडानी की आने वाली फिल्में

राशा थडानी की पहली फिल्म 'आजाद' बॉक्स ऑफिस पर भले ही चली ना हों लेकिन उनके पास फिल्मों के ऑफर आ रहे हैं। हाल ही खबर सामने आई कि राशा थडानी, कार्तिक आर्यन के साथ फिल्म 'पति पत्नी और वो-2' में नजर आएंगी। इस फिल्म में

रणदीप हुड्डा ने क्यों किया आमिर खान की हिट फिल्म करने से इंकार?

फिल्म 'जाट' में सनी देओल ने मुख्य भूमिका निभाई है, उनके सामने विलेन के रोल में रणदीप हुड्डा नजर आए। फिल्म में रणदीप के किरदार को काफी सराहा जा रहा है। हाल ही में इस फिल्म के प्रमोशन के लिए रणदीप हुड्डा ने कई इंटरव्यू दिए, जिसमें करियर को लेकर भी बातचीत की। इसी दौरान रणदीप ने बताया कि उन्होंने एक अजीब कारण से आमिर खान की फिल्म को करने से इंकार किया।

आमिर की इस फिल्म में नहीं किया काम

एक बातचीत में रणदीप हुड्डा कहते हैं, 'राकेश ओमप्रकाश मेहरा फिल्म 'रंग दे बसंती' बना रहे थे। मैंने भी ऑडिशन दिया। मुझे फिल्म में भगत सिंह वाले किरदार के लिए साइन किया जाना था। बाद में यह रोल साउथ एक्टर सिद्धार्थ को मिला। राकेश मुझसे कहते रहे कि फिल्म कर लो। उसी दौरान रामगोपाल वर्मा ने मुझसे कहा क्या तुम पोस्टर में आमिर खान के पीछे खड़े होना चाहते हैं, जबकि मैं तुम्हें लेकर फिल्म 'डी' बनाने की सोच रहा हूं। ऐसे में मेरी जाट अकड़ निकल आई। मैंने फिल्म 'रंग दे बसंती' नहीं की। इसी कारण से मैंने फिल्म 'रॉक ऑन' भी नहीं की।

अलग हो सकती थी करियर की राह

आगे रणदीप हुड्डा कहते हैं, 'अगर मैंने रंग दे बसंती की होती तो मैं आज एक अलग लीग का हिस्सा होता।' रणदीप को इस फिल्म को ना करने का काफी अफसोस है। वैसे रणदीप ने आगे चलकर 'सरबजीत' और 'स्वतंत्र वीर सावरकर' में लीक से हटकर किरदार निभाए, जिसमें उन्हें सराहा गया।

रणदीप हुड्डा की आने वाली फिल्में

हाल में फिल्म 'जाट' में नजर आए रणदीप हुड्डा एक और फिल्म इस साल कर रहे हैं। वह एक हिंदी फिल्म 'मैचबॉक्स' में नजर आ सकते हैं। इन दिनों इस फिल्म की शूटिंग भी हो रही है।

वायरल वीडियो पर राधिका मदान का करारा जवाब

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री राधिका मदान प्लास्टिक सर्जरी की अफवाहों के चलते चर्चा में आ गई हैं। दरअसल, सोशल मीडिया पर एक एडिटेड वीडियो वायरल हुआ। इंस्टाग्राम पर यह वीडियो शेयर करने वाले ने दावा किया कि अभिनेत्री ने कॉस्मेटिक सर्जरी करवाई है। हालांकि, यूजर्स ने इस दावे को खारिज कर दिया। वहीं, अभिनेत्री राधिका मदान ने भी इस पर करारा जवाब दिया।

कॉस्मेटिक सर्जरी कराने का किया दावा

वायरल वीडियो में अभिनेत्री को बहुत ज्यादा बदला हुआ दिखाया गया है। साथ ही कैप्शन में लिखा है, 'कलर्स टीवी के लोकप्रिय शो की इशानी याद है? इतने सारे कॉस्मेटिक वर्क के बाद राधिका मदान अब पहचान में नहीं आती हैं।' पोस्ट में अभिनेत्री मौनी रॉय से तुलना करते हुए कहा गया, 'राधिका मदान ने वास्तव में मौनी रॉय से सीख ली है, नया चेहरा, नई वाइब।'

हैरान हुए यूजर्स

वीडियो इंटरनेट पर आते ही तेजी के साथ वायरल होने लगा। कई सोशल मीडिया यूजर्स एडिट किए गए वीडियो के झांसे में आ गए और राधिका के इस बड़े बदलाव पर हैरानी जताई।

राधिका मदान ने दिया करारा जवाब

हालांकि, राधिका मदान ने तुरंत जवाब दिया और आलोचना को मजाक में लिया। पोस्ट पर तीखी टिप्पणी करते हुए, उन्होंने लिखा, 'बस इतने ही आइब्रो ऊपर करे हैं

एआई का इस्तेमाल करके? और कर लो यारये तो फिर भी नेचुरल लग रहा है।'

राधिका मदान का वर्क फ्रंट

अभिनेत्री राधिका को 'मेरी आशिकी तुम से ही' में उनकी भूमिका के लिए जाना जाता है। उन्होंने टीवी सीरियल से अपनी शुरुआत की और बाद में फिल्मों में काम किया।

वह 'मर्द को दर्द नहीं होता', 'अंग्रेजी मीडियम', 'पटाखा', 'शिद्दत', 'मोनिका ओ माय डार्लिंग', 'कच्चे लिम्बू', 'कुत्ते', 'सजनी शिंदे का वायरल वीडियो', 'सरफिरा' और अन्य फिल्मों का हिस्सा रही हैं। उनके आगामी कार्यों की बात करें तो वह अनिल कपूर की फिल्म 'सूबेदार' में नजर आएंगी।

तलाक की अफवाहों पर विवेक दहिया ने तोड़ी चुप्पी बोले- दिव्यांका और मैं शादी का आनंद ले रहे हैं

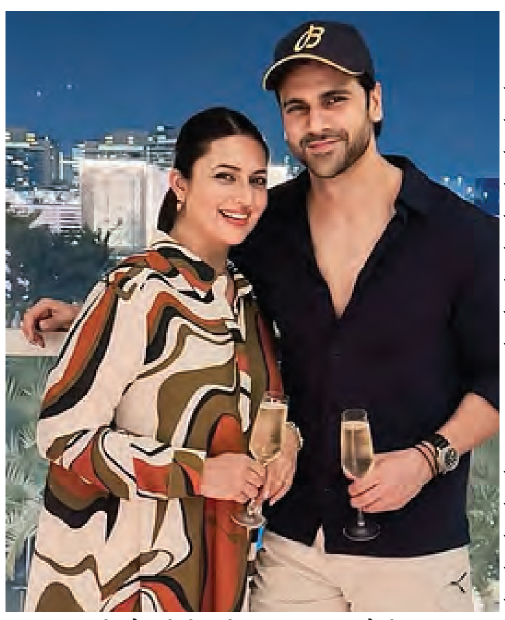

हाल ही में टीवी की मशहूर अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी और उनके पति अभिनेता विवेक दहिया की तलाक की अफवाह उड़ी। तलाक के दावों ने उनके फैंस को चिंता में डाल दिया। कहा गया कि यह जोड़ा शादी के नौ साल बाद तलाक लेने जा रहा है। पहले तो दोनों ने ही कुछ भी इस मामले पर बोला नहीं, लेकिन अब अभिनेता विवेक दहिया ने इस पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। जानते हैं अभिनेता ने क्या कहा?

तलाक की अफवाह का किया खंडन

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता विवेक दहिया मुंबई में एक कार्यक्रम में शामिल हुए, जहां उनसे उनकी शादीशुदा जिंदगी को लेकर चल रही अटकलों के बारे में पूछा गया। सभी अफवाहों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा, 'हम इसका आनंद ले रहे हैं। दिव्यांका और मैं इस पर हंस रहे थे। हम आइसक्रीम खा रहे थे और हमने सोचा 'और लंबा होगा तो पॉपकॉर्न भी मंगवा लेंगे'।'

क्लिकबेट वीडियो को बढ़ावा ना देने का किया आग्रह

विवेक दहिया ने लोगों से सोशल मीडिया पर क्लिकबेट वीडियो को बढ़ावा ना देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, 'मैं यूट्यूब व्लॉग भी बनाता हूं। मुझे पता है कि क्लिकबेट कैसे काम करता है। आप कुछ सनसनीखेज अपलोड करते हैं और लोग इसे देखने के लिए आते हैं। हमें ऐसे झूठे दावों को बढ़ावा नहीं देना चाहिए।'

विवेक और दिव्यांका के बारे में

बता दें कि दिव्यांका त्रिपाठी और विवेक दहिया की पहली मुलाकात मशहूर शो 'ये है मोहब्बतें' के सेट पर हुई थी। शो में दिव्यांका ने मुख्य भूमिका निभाई थी और विवेक एक पुलिस अधिकारी के रोल में नजर आए थे। शो के दौरान ही दोनों के बीच प्यार हो गया। जुलाई 20116 में दोनों ने एक-दूसरे से शादी कर ली।

रश्मिका ने शेयर किया सोशल मीडिया पर वीडियो, भाभी कहते नजर आए फैंस

रश्मिका मंदाना फिल्म 'सिकंदर' में सलमान खान के अपोजिट नजर आईं। फिल्मों के अलावा रश्मिका मंदाना अपने पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा रहती हैं। हाल ही में रश्मिका ने सोशल मीडिया पोस्ट, अपने फैंस के लिए की। इस पोस्ट में वह फैंस के लिए अपना प्यार जता रही हैं, वहीं कुछ फैंस पोस्ट के कमेंट सेक्शन में उन्हें भाभी बुला रहे हैं, साथ ही एक अभिनेता का नाम भी साथ में लिख रहे हैं। जानिए, फैंस ऐसा क्यों कर रहे हैं?

रश्मिका ने वीडियो में क्या कहा

रश्मिका ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह बताती हैं कि रात भर शूटिंग करने के बाद काफी थकी हुईं। आगे वीडियो में वह फैंस को पॉजिटिव रहने के लिए कह रही हैं। साथ ही वह फैंस पर खूब सारा प्यार लुटाती दिखातीं।

इस अभिनेता का नाम लेकर भाभी बोले फैंस

फैंस ने भी रश्मिका की इस वीडियो को पसंद किया। कुछ फैंस ने कहा, 'आपकी पॉजिटिविटी ने हमारा दिन बना दिया।' वहीं कुछ फैंस वीडिया के कमेंट सेक्शन में विजय देवरकोंडा का नाम लेकर रश्मिका को भाभी कहते दिखे। दरअसल, काफी समय रश्मिका मंदाना और साउथ एक्टर विजय देवरकोंडा के डेटिंग की खबरें चर्चा में हैं।

रश्मिका-विजय नजर आए साथ

रश्मिका और विजय देवरकोंडा को कुछ वक्त पहले एक कॉफी डेट पर साथ देखा। वहीं रश्मिका के जन्मदिन पर भी विजय देवरकोंडा साथ थे, इस बात की पुष्टि उन तस्वीरों से हुईं, जो दोनों ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की। विजय और रश्मिका की शेयर की गईं फोटो की लोकेशन एक जैसी दिख रही थीं।

रश्मिका की आने वाली फिल्में

रश्मिका मंदाना के करियर फ्रंट की बात करें तो वह इस साल तीन फिल्में कर रही हैं। इनमें से दो साउथ की और एक हिंदी फिल्म है। साउथ फिल्म 'कुबेरा' और 'गर्लफ्रेंड' में वह नजर आएंगी। वहीं हिंदी फिल्म 'थामा' में भी काम कर रही हैं।

बच्चे के जन्म से पहले अपनाएं ये आदतें

माता-पिता बनना जीवन का सबसे खूबसूरत अहसास होता है, लेकिन इसके साथ ही एक बच्चे को जन्म देना और अभिभावक बनना जिम्मेदारी पूर्ण कार्य होता है। शिशु के जन्म से पहले अगर कुछ आदतें और तैयारी कर ली जाएं तो न केवल आपका तनाव कम होगा बल्कि आप अधिक सजग और आत्मविश्वासी माता-पिता बन पाएंगे।

बच्चे के जन्म से पहले की गई तैयारियां न सिर्फ बच्चे के लिए फायदेमंद होती हैं, बल्कि माता-पिता के बीच आपसी तालमेल और भरोसा भी बढ़ा सकती हैं। याद रखें, एक खुशहाल और तैयार माता-पिता ही अपने बच्चे को बेहतर भविष्य दे सकते हैं। आइए जानें कि होने वाले माता-पिता को किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं

बच्चे के जन्म से पहले या अगर बच्चे के लिए तैयारी कर रहे हैं तो होने वाले मां और पिता दोनों को ही संतुलित आहार लेना चाहिए। धूम्रपान, शराब और जंक फूड से दूरी बना लेनी चाहिए। साथ ही भरपूर नींद लें और नियमित व्यायाम करें।

प्रसव और नवजात देखभाल की जानकारी

अगर आप बच्चा प्लान कर रहे हैं या माता पिता बनने वाले हैं तो सबसे पहले आपको ये इससे जुड़ी सभी जानकारी एकत्र कर लेनी चाहिए। प्रेग्नेंसी से जुड़े जरूरी तथ्य और भ्रांतियों की पहचान करें। ब्रेस्टफीडिंग, बच्चे की नींद, साफ-सफाई जैसी बातें पहले से सीखें। प्रसवपूर्व जांच समय से कराते रहें। किसी भी असामान्यता या परेशानी को नजरअंदाज न करें।

भावनात्मक जुड़ाव

बच्चे का जन्म सिर्फ महिला तक सीमित नहीं, एक महिला अगर गर्भवती हो रही है और मां बनने वाली है तो पुरुष अब सिर्फ पति नहीं बल्कि पिता भी होगा। पति-पत्नी के बीच के रिश्ते में एक अन्य रिश्ता भी जुड़ जाता है, जिसके लिए गर्भवती महिला के साथ पति को भावनात्मक रूप से जुड़ना चाहिए। जब डॉक्टर की चेकअप में जाएं, बच्चे की धड़कन सुनें और नामों पर चर्चा करें।

वित्तीय योजना बनाएं

बच्चे के आने पर खर्च बढ़ेगा, ऐसे में पहले से बजट प्लान करें। हेल्थ इंश्योरेंस और मेडिकल इमरजेंसी फंड तैयार रखें।

घर को सुरक्षित और तैयार बनाएं

घर में बच्चे के लिए एक सुरक्षित और साफ वातावरण बनाएं। फर्नीचर के कोने, बिजली के प्लग आदि को सेफ बनाएं। बच्चे के रहने योग्य घर तैयार कराएं ताकि वह सुरक्षित भी हो और उसके लिए आरामदायक माहोल बन सके।

बढ़ने लगे हैं ब्लैकहेड्स तो इन नुस्खों से करें इन्हें गायब

गर्मियों का मौसम शुरू होते ही चेहरे को कई परेशानियां घेर लेती हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह होती है चेहरे पर लगातार पसीना आना। इन परेशानियों में सबसे ज्यादा दिक्कत देते हैं चेहरे के ब्लैकहेड्स। ये तब होते हैं जब स्किन पोर्स में तेल, डेड स्किन और गंदगी भर जाती है। जिसके बाद हवा के संपर्क में आकर त्वचा पर काले धब्बे बन जाते हैं। ये ज्यादातर नाक, ठुड्डी और माथे पर देखने को मिलती है।

वैसे तो ब्लैकहेड्स हटाने के लिए बाजार में स्ट्रिप्स मिलती हैं, लेकिन आप चाहें तो कुछ घरेलू नुस्खे अपनाकर भी इस परेशानी से राहत पा सकते हैं। यहां हम आपको इन्हीं के बारे में बताने जा रहे हैं।

स्टीम ले सकते हैं

यदि आप नियमित रूप से चेहरे पर स्टीम लेंगी तो इससे आपके चेहरे पर आए ब्लैकहेड्स साफ हो जाएंगे। इसके इस्तेमाल से लिए सीधे भाप लें। यदि आप सीधे भाप नहीं ले पाते हैं तो सबसे पहले गर्म पानी में तौलिया भिगोकर निचोड़ लें। अब इसे अपने चेहरे पर कुछ देर के लिए रखें। तौलिये का इस्तेमाल करने से पहले इसे सही से निचोड़ अवश्य दें, वरना गर्म पानी से चेहरा चल सकता है। इस विधि को आप हफ्ते में दो बार फॉलो कर सकते हैं।

ये स्क्रब आएगा काम

यदि आप स्क्रब की मदद से अपने चेहरे के ब्लैकहेड्स हटाना चाहते हैं तो यहां हम आपको एक घरेलू स्क्रब के बारे में बताएंगे। इसके लिए 1 चम्मच बेकिंग सोडा और 2 चम्मच पानी मिक्स करें और इसे ब्लैकहेड्स के प्रभावित त्वचा पर लगाएं। अब इसे 15 मिनट तक हल्के हाथों से मसाज करें।

बहस करते समय ये बातें सोचते हैं पति-पत्नी जो होती हैं लड़ाई बढ़ने की वजह

हर रिश्ता अलग होता है, लेकिन एक बात सब में समान होती है कि हर इंसान चाहता है कि उसे सुना और समझा जाए। शादीशुदा ज़िंदगी में तकरार आम है, लेकिन अगर अक्सर किसी बहस की वजह एक ही तरह की हों और उनके बीच के झगड़े सुलझे नहीं तो दोनों के रिश्ते में कड़वाहट आने लगती है। कई कपल के बीच ये देखने को मिलता है कि बहस होने के बाद भी मामला शांत भले ही हो जाए लेकिन मन शांत नहीं होता। दिखने में तो लगता है कि आपके बीच का विवाद खत्म हो गया लेकिन कुछ मुद्दे कभी सुलझते ही नहीं।

इसका जवाब है, महिलाओं और पुरुषों की भावनात्मक प्रतिक्रिया में फर्क होना। यदि पुरुष और महिला एक-दूसरे की भावनात्मक भाषा समझ जाएं, तो झगड़े सुलझ जाएंगे और रिश्ता मजबूत बन जाएगा।

महिलाओं के लिए बहस का मतलब

जब पति -पत्नी के बीच बहस होती है तो महिलाओं के लिए ये एक इमोशनल अलार्म की तरह होता है। जब आपकी पत्नी कहती है, कि हमें बात करनी है, तो वो सिर्फ शिकायत नहीं कर रही होती, वो एक भावनात्मक जुड़ाव चाहती हैं। उनके लिए बहस का मतलब होता है,

चलो बात करें

मैं इस बात को खत्म करना चाहती हूं

मुझे समझना है कि हम कहां जा रहे हैं

मैं चाहती हूं कि आप गलती स्वीकार करें

हमें एक वॉक, हद, डेट या गहरी बातचीत की जरूरत है।

इस सब के जरिए महिलाएं किसी समाधान की तलाश में होती हैं, जो दिल और रिश्ते दोनों को सुकून दे।

पुरुषों के लिए बहस का मतलब

हालांकि पति के लिए पत्नी संग बहस एक अस्थायी तूफान जैसा होता है, जो जितनी वेग से आता है, उतनी ही तेजी से चला भी जाता है। पुरुष अक्सर झगड़े को इस तरह देखते हैं, हम किसी बात पर नाराज हुए, बहस हुई, बात बंद गई... फिर सब खत्म न..?

पुरुषों को लगता है कि जब बहस थम गई, बातचीत बंद हो गई यानी मामला सुलझ गया।

पति-पत्नी का विवाद पर नजरिया

जब पति और पत्नी के बीच बहस होती है तो पति इस सोच के साथ बात खत्म करके आगे बढ़ जाता है कि सब ठीक हो चुका है लेकिन अधिकतर महिलाओं के जहन में वो बात बैठ जाती है।

महिलाएं उस बहस या झगड़े के बाद काफी वक्त तक आहत रहती हैं। उन्हें इंतजार होता है कि उनके साथी का एक फोन कॉल, एक मैसेज आएगा, जो उनकी परवाह को दर्शाएगा। महिलाएं चाहती हैं कि विवाद के बाद साथी उनसे पूछे, 'क्या तुम ठीक हो?'

दूसरी तरफ पुरुष पहले ही मूव आन कर जाते हैं। उन्हें लगता है कि हम लड़ लिए, फिर शांत हो गए, मतलब सब ठीक है। जब पति देखता है कि पत्नी अब भी नाराज है, तो सोच में पड़ जाता है कि अब क्या हो गया। अधिकतर पुरुष ये समझ ही नहीं पाते कि महिलाओं की नाराजगी की वजह उनके बीच हुआ कोई पुराना विवाद है, जिसे वह तो भूल गए लेकिन उनकी पत्नी नहीं भुला पाई।

पति-पत्नी के बीच तनाव कम करने का समाधान

चूंकि दोनों के बीच भावनात्मक प्रतिक्रिया का फर्क होता है। ऐसे में अगर आपको महसूस हो कि आपका साथी किसी बात से नाराज या दुखी है तो अनुमान न लगाएं कि अब क्या बात हो गई, बल्कि उनसे सीधे पूछें।

पुरुष पत्नी से सवाल करें कि क्या तुम ठीक हो? क्या बात करना चाहोगी उस दिन की?

महिलाएं को भी चाहिए कि वह इस बात का इंतजार न करें कि पति पूछेगा तब आप मन की बात कहेंगी। खुद से पति से कहें कि मुझे पता है तुम आगे बढ़ चुके हो, लेकिन मुझे इस मुद्दे का सही तरीके से अंत करना है।

रिश्तों में संवाद होना ही सबसे बड़ा समाधान है। दोनों के सोचने और महसूस करने का तरीका अलग हो सकता है, लेकिन प्यार और समझदारी के साथ हम एक-दूसरे के अनुभवों को समझ कर रिश्ते के बीच आ रही परेशानियों को कम कर सकते हैं।

शैंपू-कंडीशनर और हेयर सीरम, हर लड़के को पता होना चाहिए इन तीनों का फर्क

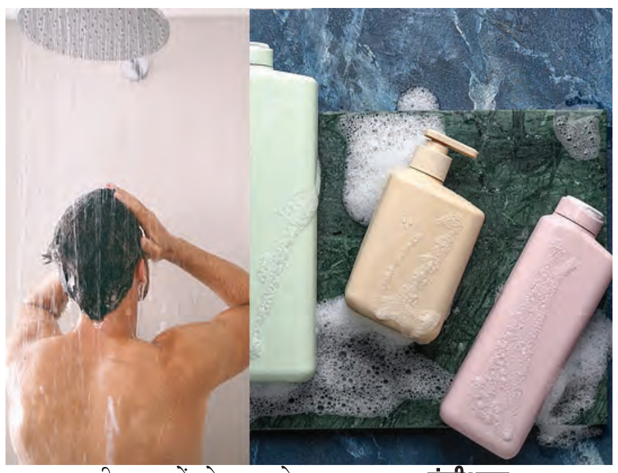

जब भी लड़कों के सामने स्किन केयर और हेयर केयर की बात होती है, तो उनके चेहरे का रंग मानों उड़ सा जाता है, क्योंकि ज्यादातर पुरुषों को इस बारे में ज्यादा जानकारी ही नहीं होती। कई बार तो उन्हें बेसिक प्रोडक्ट्स के बारे में भी नहीं पता होता है। ऐसे में हम आपकी इसमें मदद करेंगे।

यहां इस लेख में हम आपको कुछ जरूरी हेयर केयर प्रोडक्ट्स के बारे में बताएंगे, जिनके बारे में न सिर्फ आपको पता होना चाहिए, बल्कि आपको इनका इस्तेमाल भी करना चाहिए। हम आपको यहां शैंपू, कंडीशनर और हेयर सीरम के बारे में जानकारी देंगे।

शैंपू

सबसे पहले जान लें कि शैंपू का इस्तेमाल बालों की सफाई के लिए किया जाता है। ये आपकी स्कैल्प और बालों से गंदगी, पसीना, तेल और डैंड्रफ हटाता है। इसके इस्तेमाल के लिए आप अपने हेयर टाइप के हिसाब से शैंपू का इस्तेमाल कर सकते हैं।

यदि आपको ये भी नहीं पता है कि बालों में शैंपू का इस्तेमाल कैसे करना है तो बालों को पानी से गीला करके थोड़ा शैंपू लगाएं। अब उंगलियों की मदद मसाज करें, जिससे झाग बन जाएगा। दो से तीन मिनट बालों में स्कैल्प से लेकर छोर तक मसाज करें और फिर बालों को धो लें। इससे आपके बाल सही से साफ हो जाएंगे।

कंडीशनर

अब जान लें कि कंडीशनर क्या होता है? बालों में शैंपू इस्तेमाल करने के बाद ही हेयर कंडीशनर इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे बालों को पोषण मिलता है। बालों को धोने के बाद इसमें नमी की काफी कमी आ जाती है, जिसको कंडीशनर सही करने का काम करता है। इसके इस्तेमाल से बाल शाइन करते हैं और सुलझे रहते हैं।

यदि आप इसका इस्तेमाल करना चाहते हैं तो पहले ये जान लें कि इसका इस्तेमाल कभी भी स्कैल्प पर नहीं होता है। इसे हमेशा सिर्फ बालों की लंबाई से लेकर छोर तक पर लगाया जाता है। इसके इस्तेमाल के बात दो से तीन मिनट इसे ऐसे ही रहने दें और फिर सादा पानी से बाल धो लें।

हेयर सीरम

अब आपको बताते हैं कि आखिर ये हेयर सीरम क्या होता है ? बालों को फ्रिजी फ्री रखने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है। इसके इस्तेमाल से बाल धूप, धूल और पोल्यूशन से बचे रहते हैं। इसलिए खासतौर पर गर्मी के मौसम में हेयर सीरम का इस्तेमाल अवश्य ही करना चाहिए।

इसका इस्तेमाल बालों को धोने के बाद करना चाहिए। इस्तेमाल के लिए पहले बालों को धो लें और फिर हाथ में हेयर सीरम लेकर उसे बालों पर लगाएं। इससे आपके बाल सुलझे रहेंगे और प्रोटेक्टेड रहेंगे।

चेहरे को गर्मी से राहत दिलाएंगे ये प्राकृतिक पाउडर

अप्रैल के महीने में ही इस बार इतनी तेज धूप पड़ने लगी है, कि लोगों ने खुद को कवर करके घर से बाहर निकलना शुरू कर दिया है। तेज धूप और गर्मी की वजह से अभी से ही स्किन पर टैनिंग होने लगी है, जिससे चेहरा भी डल दिखने लगा है। इसी के चलते सभी को अभी से अपना ध्यान रखने की जरूरत है।

यहां हम आपको तीन ऐसे प्राकृतिक पाउडरों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके इस्तेमाल से आप चेहरे की गर्मी से राहत पा सकते हैं। इनके इस्तेमाल के लिए आपको बस एक बार पैच टेस्ट करने की जरूरत है, जिसके बाद आपके चेहरे की कई परेशानियां खुद ब खुद दूर हो जाएंगी।

चंदन पाउडर

गर्मी के मौसम में बाजार में कई ऐसे स्किन केयर प्रोडक्ट्स मिलते हैं, जिनमें चंदन पाउडर मिक्स होता है। ऐसे में आप चाहें तो सीधे इसका इस्तेमाल अपने चेहरे पर कर सकते हैं। इसके इस्तेमाल से आपका चेहरा एकदम खिल उठेगा।

खासतौर पर यदि आपके चेहरे पर गर्मी की वजह से दाने निकल रहे हैं तो गुलाब जल के साथ चंदन पाउडर को मिलाकर उसे फेस पैक की तरह चेहरे पर लगाएं। आप इस पैक को हफ्ते में कम से कम दो बार लगा सकते हैं। इससे आपका चेहरा खिल उठेगा। इसका इस्तेमाल तभी करें, जब ये आपको सूट करता हो, वरना ये परेशानी को बढ़ा सकता है।

मुल्तानी मिट्टी

यदि आपकी त्वचा ऑयली है, तब तो आप आसानी के इसका इस्तेमाल कर सकती हैं। मुल्तानी मिट्टी के इस्तेमाल से चेहरे की डीप क्लींजिंग होती है। ये चेहरे के पोर्स को साफ करता है, जिसकी वजह से पसीने और धूल से छुटकारा मिलता है। इसके इस्तेमाल की बात करें तो ठंडे दूध या गुलाब जल के साथ मिलाकर आप इसे अपने चेहरे पर लगा सकते हैं। इस पैक का इस्तेमाल भी चेहरे की जरूरत के हिसाब से ही करें। हफ्ते में दो बार पैक के इस्तेमाल से आपको राहत मिल जाएगी।

नीम पाउडर

यदि आप मुंहासों के परेशान हैं तो नीम के पाउडर का इस्तेमाल करें। इसमें पाए जाने वाले एंटी-बैक्टीरियल गुण, मुहांसों को कम करते हैं। इसके अलावा ये त्वचा पर जमने वाले अन्य बैक्टीरिया को भी खत्म करने का काम करता है। बात करें इसे इस्तेमाल करने की तो इसे आप गुलाब जल के साथ मिलाकर चेहरे पर लगा सकते हैं। इसके इस्तेमाल से आपकी त्वचा खिल उठेगी।

हर महिला के पास होने चाहिए ये 5 ब्यूटी प्रोडक्ट

शायद ही कोई ऐसी महिला होगी, जिसे ब्यूटी प्रोडक्ट का इस्तेमाल करना पसंद न हो। इसी के चलते हर महिला के पास तमाम तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट का शानदार कलेक्शन होता है। हर महिला इन सामानों को अपने घर की ड्रेसिंग टेबल में रखती हैं।

इन ब्यूटी प्रोडक्ट्स में कुछ चीजें ऐसी हैं, जो हर महिला को अपने बैग में रखनी चाहिए। जिन महिलाओं के पास ब्यूटी प्रोडक्ट का कलेक्शन नहीं भी होता है, उन्हें भी इन पांच चीजों को अपने पास रखना चाहिए। यहां हम आपको पांच सबसे अहम ब्यूटी प्रोडक्ट के बारे में बताने जा रहे हैं।

क्लींजर

हर महिला के बैग में एक अच्छा क्लींजर अवश्य होना चाहिए। इसे खरीदते समय ध्यान रखें कि ये आपकी स्किन टाइप के हिसाब से ही हो। एक जेंटल से क्लींजर का इस्तेमाल आप दिन में दो से तीन बार कर सकती हैं। ये आपके चेहरे से गंदगी हटाने का काम करेगा। इसका इस्तेमाल उस वक्त करें, जब आपको दफ्तर से कहीं तुरंत निकलना हों। क्लींजर का इस्तेमाल करके आप अपना चेहरा दमका सकती हैं।

सनस्क्रीन

फिलहाल के लिए अब जब गर्मी का मौसम चल रहा है तो आपके लिए सनस्क्रीन काफी जरूरी है। अक्सर लोगों को लगता है कि दिन में एक समय सनस्क्रीन का इस्तेमाल काफी है, जबकि ऐसा नहीं है। इतनी तेज धूप के समय आपको हर तीन से चार घंटे में सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना है। ये सनस्क्रीन कम से कम 40 एसपीएफ वाली होनी चाहिए। अगर इससे ज्यादा एसपीएफ की है, तब और भी अच्छी बात है।

मॉइश्चराइजर

लोगों को ऐसा लगता है कि मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल सिर्फ सर्दियों में ही किया जाता है, जबकि ऐसा नहीं है। गर्मी में पसीने की वजह से चेहरे की प्राकृतिक नमी सूखने लगती है। ऐसे में सही मॉइश्चराइजर आपके चेहरे को दमकाने में मदद करेगा। इसके लिए जेल बेस्ड मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें, ताकि आपका चेहरा चिपचिप न करे।

लिप बाम

तेज धूप और धूल की वजह से होंठ भी काफी फटने लगते हैं, जिसकी वजह से काफी परेशानी होने लगती है। कई बार तो होंठ फटने के बाद खून तक निकलने लगता है। यदि आप इस परेशानी से बचना चाहती हैं तो लिप बाम का इस्तेमाल करें। इससे आपके होंठ नर्म और मुलायम रहेंगे।

बीबी या सीसी क्रीम

हर महिला के बैग में बीबी या सीसी क्रीम अवश्य होनी चाहिए। बीबी क्रीम का मतलब होता है ब्यूटी बाम, जबकि सीसी क्रीम का मतलब होता है कलर करेक्टिंग क्रीम। ये दोनों आपके पास अवश्य होनी चाहिए, ताकि आपको हर समय हैवी फाउंडेशन की लेयर का इस्तेमाल नहीं करना पड़े। गर्मी के मौसम में हैवी फाउंडेशन के इस्तेमाल से आपको भी उलझन हो सकती है।

गर्मी के मौसम में करा रही हैं हेयर स्पा तो इन बातों का ध्यान अवश्य रखें

गर्मियों में बालों को धूप, पसीना, धूल-मिट्टी और उमस से बहुत नुकसान पहुंचता है। ऐसे में हेयर स्पा कराना बालों को पोषण और आराम देने के लिए एक अच्छा उपाय है। हेयर स्पा बालों की डीप कंडीशनिंग का काम करता है, जिससे बालों को पोषण मिलता है और उनकी खूबसूरती बढ़ती है। बालों की जड़े मजबूत होती है साथ ही बाल झड़ना भी कम हो सकते हैं। लेकिन अगर आप गर्मियों में हेयर स्पा करा रहे हैं तो कुछ बातों का खास ध्यान देना चाहिए ताकि इसका पूरा फायदा मिल सके। गर्मियों में हेयर स्पा कराते समय कुछ टिप्स को अपनाने से बाल हेल्दी और चमकदार दिखेंगे। साथ ही स्पा का फायदा भी लंबे समय तक बना रहेगा। इस लेख में जानिए गर्मी के मौसम में हेयर स्पा कराते वक्त किन बातों का ध्यान रखें।

बालों को धूप से बचाएं

हेयर स्पा के बाद बालों की जड़ें और स्कैल्प बेहद सेंसिटिव हो जाती हैं। ऐसे में धूप में सीधा बाहर निकलना बालों को नुकसान पहुंचा सकता है। कोशिश करें कि हेयर स्पा के बाद कम से कम 24 घंटे तक तेज धूप से बचें।

स्कैल्प को क्लीन रखें

गर्मी में पसीना और धूल के कारण स्कैल्प में गंदगी जमा हो जाती है, जिससे हेयर स्पा का असर कम हो सकता है। स्पा से पहले बालों को हल्के शैम्पू से धोकर साफ करना जरूरी है।

ओवर-स्टीम से बचें

गर्मी के मौसम में पहले से ही शरीर का तापमान बढ़ा होता है। ऐसे में हेयर स्पा के दौरान ज़्यादा देर तक स्टीम लेना स्कैल्प को नुकसान पहुंचा सकता है। स्टीम हमेशा सीमित समय तक ही लें।

हेयर स्पा के तुरंत बाद न धोएं बाल

हेयर स्पा के बाद बालों को कम से कम 24 घंटे तक न धोएं, ताकि इस्तेमाल किए गए प्रोडक्ट्स का पूरा असर हो सके और बालों को पूरा पोषण मिल सके।

हल्के और प्राकृतिक उत्पाद का इस्तेमाल

गर्मियों में हेयर स्पा के लिए ऐसे प्रोडक्ट्स का चुनाव करें जो केमिकल फ्री हों और जिन में एलोवेरा, आंवला, ब्राह्मी, हिबिस्कस जैसे ठंडक देने वाले तत्व मौजूद हों।

ज्यादा हेयर स्पा न कराएं

गर्मी में बालों को बार-बार स्पा कराने से उनका प्राकृतिक तेल खत्म हो सकता है। जिसे बाल सुंदर और मजबूत होने के बजाए कमजोर और रूखे हो सकते हैं। ध्यान रखें महीने में एक बार हेयर स्पा कराना पर्याप्त होता है।

अमेरिका-चीन के ड्रामे में ये किसने लगाई फुलझड़ी ऐसा क्या किया कि भारत की आई मौज?

नई दिल्ली 15 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। इसकी वजह से दुनिया में मंदी आने की आशंका है। कच्चे माल की मांग कम हो गई है। कमोडिटी मार्केट बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। कच्चे तेल (क्रूड) का बाजार भी इससे अछूता नहीं है। तेल की कीमतों में पहले से ही गिरावट थी। इस बीच दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यातक सऊदी अरब ने अपने कुछ सहयोगियों के साथ मिलकर तेल का उत्पादन बढ़ा दिया है। सऊदी अरब ने एशियाई खरीदारों के लिए मई के तेल की कीमतों में भी कटौती कर दी है। इससे तेल की कीमतें चार साल के निचले स्तर पर आ गईं। ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत 60 डॉलर प्रति बैरल से भी नीचे चली गई। वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (WTI) की कीमत तो और भी कम हो गई। हालांकि, कीमतों में थोड़ी बढ़ोतरी हुई है। लेकिन, मंदी की आशंका और सऊदी अरब के नेतृत्व में OPEC+ की ओर से तेल सप्लाई बढ़ाने से बाजार में निराशा का माहौल है। गोल्डमैन सैक्स ने 2026 के लिए तेल कीमतों का अनुमान घटाकर 58 डॉलर प्रति बैरल कर दिया है। पहले ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत 70 से 90 डॉलर प्रति बैरल के बीच थी। भारत के लिए कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट राहत की खबर है। हालांकि, ट्रंप प्रशासन की नीतियों से भारतीय अर्थव्यवस्था को नुकसान हो सकता है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता है। अपनी जरूरत का 85% तेल वह आयात करता है। इसलिए भारत की अर्थव्यवस्था तेल की कीमतों में होने वाले बदलावों से बहुत प्रभावित होती है। इसका असर देश के व्यापार घाटे, विदेशी मुद्रा भंडार, रुपये की विनिमय दर और महंगाई दर पर भी पड़ता है।

कच्चे तेल का आयात बिल कितना?

पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल के अनुसार, 2024-25 के पहले 11 महीनों में भारत का कच्चे तेल का आयात बिल लगभग 220 अरब डॉलर था। तेल का आयात भारत के कुल माल आयात बिल का एक तिहाई से अधिक था। ऐसे में कच्चे तेल में नरमी भारत के लिए गुड न्यूज है। सऊदी अरब और OPEC+ के सात अन्य सदस्यों ने बीते दिनों अचानक उत्पादन में कटौती को कम करने का फैसला किया। यह फैसला चौंकाने वाला था। जब तेल की कीमतें पहले से ही दबाव में हैं तो प्रमुख तेल उत्पादक सप्लाई क्यों बढ़ाएंगे?

सऊदी अरब के इस फैसले के दो मुख्य कारण हैं: पहला, तेल राजस्व में कमी होने के बावजूद बाजार हिस्सेदारी को बचाना और बढ़ाना। दूसरा, OPEC+ में अनुशासन बनाए रखना और इराक, कजाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों पर लगाम लगाना, जो तय किए गए उत्पादन से ज्यादा तेल का उत्पादन कर रहे थे।

चांदी 2,101 बढ़कर 95,030 किलो पर पहुंची:सोना 251 गिरकर 93,102 पर आया

नई दिल्ली 15 अप्रैल (एजेंसियां)। सोने के दाम में आज यानी 15 अप्रैल को गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 251 गिरकर 93,102 पर आ गया है। इससे पहले 10 ग्राम सोने की कीमत 93,353 थी। ये इसका ऑलटाइम हाई भी है। वहीं एक किलो चांदी की कीमत 2,101 बढ़कर 95,030 प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी का भाव 92,929 प्रति किलो था। वहीं 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

कैरेट के हिसाब से सोने की कीमत

कैरेट भाव (रुपए/10 ग्राम)

24--93,102, 22--85,281, 18--69,827

4 महानगरों और भोपाल में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 87,350 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 95,330 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 87,200 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 95,180 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 87,200 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 95,180 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 87,200 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 95,180 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 87,250 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 95,230 रुपए है।

इस साल अब तक 16,940 रुपए महंगा हो चुका है सोना इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 16,940 रुपए बढ़कर 93,102 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 9,013 रुपए बढ़कर 95,030 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

अडानी ग्रुप सोए हुए स्टॉक ने पकड़ी रफ्तार, 5% चढ़ा भाव

नई दिल्ली 15 अप्रैल (एजेंसियां)। अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयरों में आज मंगलवार को 5 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली। कंपनी के शेयरों में यह तेजी वित्त वर्ष 2025 के ऑपरेशनल अपडेट के सामने आने के बाद देखने को मिली। दिन में अडानी ग्रुप का यह स्टॉक 5.33 प्रतिशत की तेजी के साथ 941.40 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। मार्केट के बंद होने के समय पर कंपनी के शेयरों भाव बीएसई में 936.45 रुपये के लेवल पर था।

सालाना आधार पर 30 प्रतिशत बढ़ी क्षमता

अडानी ग्रीन एनर्जी ने बताया है कि उनकी ऑपरेशनल क्षमता 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी के बाद वित्त वर्ष 2025 में 14.2 गीगावाट पहुंच गई थी। कंपनी की कोशिश है कि एक गीगावाट और क्षमता बढ़ाई जाए। जिससे कुछ चालू क्षमता बढ़कर 15.2 गीगावाट हो जाए।

14243 मेगावाट में 3309 मेगावाट का योगदान ग्रीनफील्ड का है। इसमें 2710 मेगावाट सोलर प्रोडेक्ट भी शामिल है। सोलर प्रोजेक्ट गुजरात, राजस्थान और आंध्र प्रदेश में स्थिति है। वहीं, 599 मेगावाट का विंड प्रोजेक्ट भी है। बीते 5 साल के दौरान अडानी ग्रीन एनर्जी ने 45 प्रतिशत के

सीएजीआर से पावर जनरेट किया है।

शेयर बाजार में जूझ रहा है अडानी ग्रुप का यह स्टॉक

बीते एक हफ्ते में अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयरों की कीमतों में करीब 7 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। इसके बाद भी इस अडानी ग्रुप के स्टॉक को 6 महीने से होल्ड करने वाले निवेशकों का पोर्टफोलियो 46 प्रतिशत डाउन है। 1 साल में अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयरों में 48 प्रतिशत की गिरावट आई है। कंपनी का 52 वीक हाई 2173.65 रुपये है। कंपनी का 52 वीक लो लेवल 758 रुपये है।

अडानी ग्रुप की इस कंपनी के शेयरों में 3 साल में 67 प्रतिशत की गिरावट आई है।

दुनिया का सबसे 'बुजुर्ग' बैंक, भ्रष्टाचार ने तोड़ दी कमर

नई दिल्ली 15 अप्रैल (एजेंसियां)। मेहुल चोकसी की बेल्जियम में गिरफ्तारी से बैंक धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार फिर से चर्चा में है. मेहुल चोकसी ने नीरव मोदी के साथ मिलकर पीएनबी बैंक को 13500 करोड़ का चूना लगाया था. आपको जानकार हैरानी होगी कि भ्रष्टाचार के कारण ही दुनिया के सबसे पुराने चालू बैंक की हालत भी अब खस्ता हो चुकी है. विश्व के सबसे 'बुजुर्ग' बैंक बंका मोंटे देई पासची डि सिएना इटली का छठा सबसे बड़ा बैंक है. 553 साल पहले इस बैंक की स्थापना सन 1472 में लोगों को साहूकारों के चंगुल से छुड़ाने के लिए हुई थी. सैंकड़ों वर्षों तक यह बैंक सफलतापूर्वक चलता रहा. 2008 में आई वैश्विक मंदी ने इस बैंक की हालत हालत खस्ता हो गई. रही-सही कसर बैंक में फैले भ्रष्टाचार और वित्तीय धोखाधड़ी ने पूरी कर दी.

बंका मोंटे देई पासची डि सिएना बैंक ने न केवल बिजनेस चलाने के लिए पैसा दिया बल्कि, चैरिटी के लिए भी लोगों को लोन उपलब्ध कराया. सिएना में होने वाली मशहूर पालियो डी सिएना हॉर्स रेस भी इस बैंक की सहायता से ही आयोजित की जाती है. इस बैंक ने सिएना में रोजगार के अवसर पैदा करने में अहम भूमिका निभाई है. साथ ही किंडरगार्टन, एंबुलेंस जैसी बहुत सी जनसुविधाओं का विकास भी किया है. सिएना के लोगों का कहना है कि मोंटे देई पासची सिएना शहर की धमनियों में बहने वाला रक्त है. यह बैंक सिएना के हर परिवार का हिस्सा है. इसका मुख्यालय अभी भी सिएना के पलाज़ो सलिम्बेनी में है, जो एक 500 साल पुरानी इमारत है.

कभी बोलती थी तूती

17वीं और 18वीं सदी में बैंक ने खूब तरक्की की. इटली के एकीकरण (19वीं सदी) के बाद बंका मोंटे देई पासची डि सिएना ने पूरे इटली में विस्तार किया. इसने इटली में पहली बार मॉर्गेज लोन की शुरुआत की. प्रथम विश्व युद्ध के बाद बैंक ने लगभग 100 शाखाएं खोलीं और इटली के कई छोटे बैंकों का अधिग्रहण किया. 1929 में क्रेडिटो तोस्कानो और बांका डि फिओरेंज़े के विलय से बने बांका तोस्काना का भी अधिग्रहण इसने किया.

1990 के दशक में यह इटली का चौथा सबसे सबसे बड़ा बैंक बन गया. 1995 में इटली के ट्रेजरी मंत्रालय के एक डिक्री के तहत बैंक को दो संस्थाओं में बांटा गया. बंका मोंटे देई पासची डि सिएना S.p.A. और फोंडाज़ियोने मोंटे देई पासची डि सिएना. पहली संस्था एक लिमिटेड कंपनी थी जिसका मुख्य काम वाणिज्यिक बैंकिंग था. दूसरी संस्था एक गैर-लाभकारी संगठन बना जो शिक्षा, स्वास्थ्य, कला, और विज्ञान में सिएना के लिए धर्मार्थ कार्य करता है. 25 जून 1999 को बंका मोंटे देई पासची डि सिएना इटैलियन स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध हुआ.

ये सौदा पड़ा महंगा

2007 में बंका मोंटे देई पासची डि सिएना ने बांका एंटोनवेनेटा को 9 बिलियन यूरो में खरीदा. यह सौदा घाटे का साबित हुआ. इससे बैंक कर्ज में डूब गया. साल 2008 में आई आर्थिक मंदी ने बैंक को और कमजोर कर दिया. बैंक के बड़े अधिकारियों ने वित्तीय घपले भी किए. बैंक डूबने के कगार पर आया तो इटली की सरकार ने इसे 5.4 बिलियन यूरो का बेलआउट पैकेज दिया और 11.731% हिस्सेदारी हासिल कर ली. 2024 में दुनिया के इस सबसे पुराने बैंक का राजस्व 4.39 बिलियन डॉलर रहा. इटली में बैंक की 1,600 शाखाएं और 240 विशेष केंद्र हैं, जो लगभग 50 लाख ग्राहकों को सेवा देते हैं.

भारत-अमेरिका ट्रेड डील की उम्मीद से बाजार उछला

शेयर बाजार में 2% से ज्यादा तेजी, सेंसेक्स 1578 अंक चढ़ा, 50 में से 49 शेयर हरे निशान पर

मुंबई15 अप्रैल (एजेंसियां)।शेयर बाजार में आज यानी मंगलवार, 15 अप्रैल को बड़ी तेजी रही। सेंसेक्स 1578 अंक (2.10%) चढ़कर 76,735 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 500 अंक (2.19%) की तेजी रही, ये 23,329 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 28 में तेजी रही। इंडसइंड बैंक में 6.70%, टाटा मोटर्स में 4.61%, लार्सन एंड टुब्रो में 4.50%, एक्सिस बैंक में 4.23% और अडाणी पोर्ट्स में 4.13% की तेजी रही।

निफ्टी के 50 शेयरों में से 49 में तेजी रही। NSE के सेक्टोरल इंडाइसेज में सबसे ज्यादा तेजी रियल्टी में 5.64%, ऑटो में 3.39%, फाइनेंशियल सर्विसेज में 3.28%, मेटल में 3.20% और मीडिया में 2.97% की रही।

ग्लोबल मार्केट में तेजी, विदेशी निवेशकों ने 2,519 करोड़ निकाले

14 अप्रैल को अमेरिका का डाउ जोन्स 312 अंक (0.78%), नैस्डेक कंपोजिट 107 अंक (0.64%) और S&P 500 इंडेक्स 42 अंक (0.79%) चढ़कर बंद हुए। एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 285 अंक (0.84%) चढ़कर 34,267 पर बंद। कोरिया के कोस्पी में 0.88% (21 अंक) की तेजी रही, ये 2,477 पर बंद हुआ। चीन का शंघाई कंपोजिट में 0.15% की गिरावट है, ये 3,268 पर कारोबार कर रहा है। हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग इंडेक्स 0.23% चढ़कर 21,466 पर बंद।

11 अप्रैल को विदेशी निवेशकों (FIIs) ने 2,519.03 करोड़ के शेयर बेचे। जबकि भारतीय यानी घरेलू निवेशकों (DIIs) ने 3,759.27 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

बाजार में तेजी की 2 वजह

1. अमेरिकी टैरिफ से 90 दिन की राहतः

9 अप्रैल को चीन को छोड़कर अन्य सभी देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ को 90 दिनों के लिए टालने के अमेरिकी राष्ट्रपति के फैसले के बाद वहां का बाजार 12% चढ़कर बंद हुआ था। वहीं अगले दिन सुबह यानी, 10 अप्रैल को एशियाई बाजारों में 10% तक की तेजी आई। भारतीय बाजार कल यानी गुरुवार 10 अप्रैल को महावीर जयंती के कारण बंद था। इसीलिए आज अमेरिकी और एशिया के अन्य बाजारों में गिरावट के बावजूद भारतीय बाजार ऊपर है।

2. भारत-अमेरिका ट्रेड डील होने की उम्मीदः

90 दिनों की अस्थायी राहत से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते (BTA) के बारे में चल रही चर्चाओं को गति मिलने की उम्मीद है। भारत के विपरीत चीन को टैरिफ में छूट नहीं दी गई है। इससे भारतीय एक्सपोर्टर्स को शॉर्ट टर्म में कॉम्पिटिटिव एडवांटेज मिल सकता है।

शुक्रवार को बाजार में रही थी बड़ी तेजी

पिछले हफ्ते हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार (11 अप्रैल) को सेंसेक्स 1310 अंक (1.77%) की तेजी के साथ 75,157 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी करीब 429 अंकों की तेजी रही, ये 22,829 के स्तर पर पहुंच गया।

NSE के 50 शेयरों में से 46 में तेजी रही। मेटल सेक्टर सबसे ज्यादा 4.09%, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 3.19%, फार्मा 2.43%, ऑयल एंड गैस 2.20% और ऑटो 2.03% चढ़कर बंद हुए। कल (14 अप्रैल) अंबेडकर जयंती के चलते शेयर बाजार बंद था।

आ गई अच्छी खबर... खाने-पीने की चीजें हुईं सस्ती!

नई दिल्ली 15 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत में थोक महंगाई दर मार्च में घटकर 2.05% हो गई है। यह पिछले चार महीनों में सबसे कम है। सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। जनवरी में यह दर 2.38% थी। अर्थशास्त्रियों ने रॉयटर्स के एक सर्वे में अनुमान लगाया था कि थोक महंगाई दर 2.5% रहेगी। थोक महंगाई दर का मतलब है जो सामान फैक्ट्रियों से दुकानों तक आता है, उसकी कीमतों में बदलाव। इसे उत्पादक मूल्य भी कहते हैं। सरकार के अनुसार, मार्च 2025 में महंगाई दर बढ़ने का मुख्य कारण खाने-पीने की चीजों, अन्य उत्पादों, बिजली और कपड़ों की कीमतों में बढ़ोतरी है। थोक खाद्य महंगाई दर पिछले महीने घटकर 4.66% हो गई। फरवरी में यह 5.94% थी। इसका मतलब है कि खाने-पीने की चीजों की कीमतें अब कम तेजी से बढ़ रही हैं। मकान खरीदना हुआ सस्ता... SBI समेत कई बैंकों ने घटाई होम लोन की ब्याज दर, लेकिन यहां हो गया नुकसान प्राथमिक वस्तुओं की महंगाई दर मार्च में घटकर 0.76% हो गई। फरवरी में यह 2.81% थी। प्राथमिक वस्तुएं वे होती हैं जो सीधे खेतों या खदानों से मिलती हैं, जैसे अनाज, फल, सब्जियां आदि। ईंधन और बिजली की थोक कीमतें मार्च में 0.20% रहीं। फरवरी में यह नेगेटिव 0.71% थी। इसका मतलब है कि ईंधन और बिजली की कीमतें अब बढ़ रही हैं, जबकि फरवरी में यह कम हुई थीं। विनिर्मित उत्पादों की कीमतें 3.07% बढ़ीं। फरवरी में यह 2.86% बढ़ी थीं। विनिर्मित उत्पाद वे होते हैं, जो फैक्ट्रियों में बनते हैं। थोक मूल्य सूचकांक में इनका हिस्सा लगभग 64% होता है।

लेकिन बढ़ सकती है महंगाई

इस बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग ने देश भर में लू चलने की चेतावनी दी है। इससे महंगाई बढ़ने की चिंता बढ़ गई है। BofA ग्लोबल रिसर्च के राहुल बजोरिया का कहना है कि जैसे-जैसे मौसम खराब होगा और गर्मी बढ़ेगी, 1की कीमतें बढ़नी शुरू हो जाएंगी।

खुदरा महंगाई दर की क्या स्थिति?

भारत की खुदरा महंगाई दर फरवरी में घटकर 3.61% हो गई। यह पिछले सात महीनों में सबसे कम है। जनवरी में यह 4.31% थी। खुदरा महंगाई दर का मतलब है, जो सामान हम दुकानों से खरीदते हैं, उसकी कीमतों में बदलाव। सरकार मंगलवार शाम मार्च के खुदरा महंगाई दर के आंकड़े जारी करेगी। सब्जियों का उत्पादन बढ़ने से थोक बाजारों में खाने-पीने की चीजों की कीमतें कम हुई हैं। सब्जियों की कीमतें 15.88% घटी हैं। पिछले महीने यह 5.80% घटी थीं।

प्याज की महंगाई दर मार्च में घटकर 26.65% हो गई। फरवरी में यह 48.05% थी। आलू की महंगाई दर -6.77% रही। फरवरी में यह 27.54% थी। इसका मतलब है कि आलू की कीमतें अब कम हो रही हैं। दालों की महंगाई दर पिछले महीने -2.98% रही। फरवरी में यह -1.04% थी। इसका मतलब है कि दालों की कीमतें भी कम हो रही हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की मौद्रिक नीति समिति (MPC) ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि महंगाई कम हुई है। खाने-पीने की चीजों के अच्छे उत्पादन की वजह से ऐसा हुआ है। MPC का मानना है कि वित्त वर्ष 2025-26 में महंगाई और कम होगी। इससे लोगों को राहत मिलेगी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	मेष	में
चंद्र-	वृश्चिक	में
मंगल	कर्क	में
बुध-	मीन	में
गुरु-	वृष	में
शुक्र-	मीन	में
शनि-	मीन	में
राहु-	मीन	में
केतु-	कन्या	में

लग्नारंभ समय		
मेष---	05-56	बजे
वृष---	07-40	बजे
मिथुन..	09-41	बजे
कर्क---	11-53	बजे
सिंह---	14-05	बजे
कन्या--	16-12	बजे
तुला----	18-17	बजे
वृश्चिक--	20-28	बजे
धनु......	22-42	बजे
मकर...	00-47	बजे
कुंभ....	02-37	बजे
मीन....	04-16	बजे

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**

शक संवत् **-1947**,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- बसंत

महावीर निर्वाण संवत् **-2551**

कलियुग अवधि-**432000**

भोग्य कलि वर्ष-**426874**

सूर्योदय - 06-03
सूर्यास्त - 18-28

कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,

कल्पारंभ संवत् **-1972949126**

सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**

दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले

तिथि- तृतीया **13-17** तक उपरान्त चतुर्थी

मास - वैशाख कृष्ण , बुधवार **16 April**

नक्षत्र - अनुराधा **05-52** तक उपरान्त ज्येष्ठा

योग - व्यतिपात **00-17** तक उप वरियान

करण- विष्टी **13-17** तक उप बव

विशेष:- वैशाखी चतुर्थी व्रत

व्रत -त्योहार - चन्द्रोदय रात्रि **10-21**

विशेषः- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:16 से 13:50 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	**06:03 - 07:34**	शुभ	उत्पात	**18:28 - 19:57**	अशुभ
अमृत	**07:34 - 09:08**	शुभ	शुभ.	**19:57 - 21:23**	शुभ
काल	**09:08 - 10:42**	अशुभ	अमृत	**21:23 - 22:50**	शुभ
शुभ.	**10:42 - 12:16**	शुभ	चंचल	**22:50 - 00:16**	शुभ
रोग.	**12:16 - 13:50**	अशुभ	रोग	**00:16 - 01:42**	अशुभ
उत्पात	**13:50 - 15:24**	अशुभ	काल	**01:42 - 03:08**	अशुभ
चंचल.	**15:24 - 16:57**	शुभ	लाभ	**03:08 - 04:34**	शुभ
लाभ	**16:57 - 18:28**	शुभ	उत्पात	**04:34 - 06:03**	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,) — आप अपने सबसे अच्छे आलोचक हैं। अपनी स्थिति का विश्लेषण और उसके अनुसार कार्य करे। आज आपको समय के अनुसार चलने के लिए अपने आप को प्रेरित करने की आवश्यकता है। ध्यान केंद्रित करे जिससे की आप नीचे की ओर न जाये। समय के साथ आपको बड़ी जिम्मेदारियों के साथ सौंपा जा सकता है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आज का दिन विपणन के लिए बहुत ही कारगर साबित हो सकता है जो की आपके व्यसाय को आगे की ओर ले जा सकता है। ये जरुरी है की आप विपणन नीतिया बनाते हुए न्यायसंगत निर्णय ले ताकि आप बेहतर नीतिया बना सके। अगर आज आपने कोई कार्यशाला या सार्वजनिक समारोह अपने व्यसाय को आगे ले जाने के लिए रखा हुआ है तो वो काफी अच्छा रहेगा।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — अनुशासन और कड़ी मेहनत आपके विशिष्ट गुण हैं। आज अपने कार्य क्षेत्र से आपका मोहभंग हो सकता है, क्योकि आपको लगेगा की आपका करियर रुक सा गया है। हालांकि, कड़ी मेहनत हमेशा साथ देती है। आप सही रास्ते पर हैं।अब महत्वपूर्ण है की इस पथ के साथ आप रहे।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आज आपके लिए एक भाग्यशाली दिन है। आप किसी भी बैठक या बातचीत में शीर्ष पर रहेंगे। आप बहुत आसानी से किसी भी घुमावदार स्थिति से बाहर आ जाएंगे। आपके प्रयासों की सराहना की जाएगी। अगर आप एक संपत्ति में आज निवेश करने की योजना बना रहे हैं, तो आपको एक अच्छा सौदा मिल सकता है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आज उन परियोजनाओं पर एक अच्छी शुरुआत करें जिनको लंबे समय से आपने ठंडे बस्ते में डाल दिया था। आप एक सफल भविष्य के लिए अच्छी नींव बिछाने में बस एक कदम दूर है। चीजों को आसान तरीके से ले और बिना सोच समझे कुछ भी न करे। अपने काम को करने के लिए दूसरों पर भरोसा न करे।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आज आप व्यसायी की तरह सोचेंगे और धन पर नियंत्रण रखेंगे। इसका परिणाम यह होगा की धन तो संचित होगा पर आपके परिवार के खर्चे बढ़ेंगे जिसका उत्तर आपको ढूढ़ना होगा। असुरक्षा की भावना की वजह से आप जरुरत के खर्चो पर भी लगाम लगाने की कोशिश कर सकते है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — अप्रत्याशित धन की प्राप्ति के आज योग बन रहे है। आपको ऐसे धन की प्राप्ति हो सकती है जिसके बारे में आपने सोचना छोड़ दिया था। आज आप अपने निष्क्रिय निवेश के ऊपर भी ध्यान दे क्योकि वहा से भी आपको शुभ सन्देश मिल सकता है। अगर किसी ने आपसे उधार लिया है और जिसे आप लगभग भूल चुके है वहा से भी धन प्राप्ति का शुभ सन्देश मिल सकता है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — आज का दिन अपने सभी लंबित कार्यों को पूरा करने के लिए एकदम सही है। आप किन्ही बाहरी कारणों से समय पर अपना काम खत्म नहीं कर पाये , इसलिए आपको शीघ्रता दिखानी होगी , क्योकि आपका काफी कार्य लंबित है। आज नयी प्रतिबद्धताओं का दबाव कम होगा , इसलिए आप अपनी पुरानी प्रतिबद्धताओं को समय पर खत्म कर पाएंगे।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — अगर आपने व्यावसायिक साझेदारी को तोड़ने का फैसला कर लिया है , तो आप एक विनम्र और यथार्थवादी तरीके से ऐसा करे। आपको इस शीत युद्ध के अंत के लिए बहुत प्रभावी ढंग से और आसानी से संवाद स्थापित करना होगा और हो सके तो आपको ही पहल करनी होगी ताकि बर्फ कुछ पिघले।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — अवलोकन और विश्लेषण की आपकी शक्ति आज अपने चरम पर होगी अतः अगर आप किसी भी नौकरी में हैं और अगर इन कौशल की आवश्यकता है , तो आज सफलता आपके कदम चूमेगी। वैज्ञानिकों , जांचकर्ताओं और शोधकर्ताओं के लिए आज एक उपयोगी दिन होगा। आज आप रचनात्मक और निष्कपट तरीके से अपने कार्यस्थल पर समस्याओं का हल खोजेंगे।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आप कुछ समय से अपनी विलम्ब परियोजनाओं के लिए धन संचित कर रहे थे और अब अपनी योजनाओ के क्रियान्वयन का ये सही समय है। जब आप कुछ वस्तु खरीदने जायेंगे तो हो सकता है की आप कुछ बड़ी एवं सुव्यस्थित चीज को देखकर उसे खरीदने की सोचे परन्तु आपको अपने बजट के भीतर रहकर ही काम करना है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — कुछ दिनों से आपके कार्य क्षेत्र में चीज़े आपके अनुसार नहीं चल रही थी परन्तु अब कुछ सुधार आने की उम्मीद है। आपको ये याद रखना होगा की कार्य क्षेत्र के मित्रो के साथ मैत्रीपूर्ण व्यवहार रखने से आप शांति से काम में सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं। अगर आप थोड़ी सी नरमी दिखाए तो कार्य क्षेत्र के मित्रो के साथ आप शांत माहौल का मजा ले सकते है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

कौन हैं रामपाल, जिन्हें मोदी ने जूते पहनाए

ताना सुनकर प्रण लिया, बेटे की शादी भी नंगे पैर की, हरियाणा बीजेपी सांसद ने पीएम तक पहुंचाया

कैथल (हरियाणा), 15 अप्रैल (एक्सक्लूसिव डेस्क)। पीएम नरेंद्र मोदी ने हरियाणा के यमुनानगर में सोमवार (14 अप्रैल) को बीजेपी के वर्कर रामपाल को जूते पहनाए। रामपाल 14 साल से नंगे पांव थे। पीएम मोदी ने इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। इस दौरान पीएम ने कहा, 'ऐसा व्रत दोबारा न करें।'

रामपाल ने प्रण लिया था कि जब तक भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार और नरेंद्र मोदी पीएम नहीं बन जाते, तब तक वह जूते नहीं पहनेंगे। उनका प्रण इतना अडिग था कि उन्होंने अपने बेटे की शादी में भी चप्पल या जूते नहीं पहने। उन्होंने सभी गर्मी और सर्दी भी नंगे पैर ही निकाल दिए।

अब ऐसे में सभी जानना चाहते हैं कि रामपाल कौन हैं, जिन्हें मोदी ने खुद जूते पहनाए। रामपाल ने किस वजह से प्रण लिया? किसने उन्हें पीएम से मिलाया? उनकी फैमिली में कौन-कौन हैं? ऐसे कई सवाल हैं, जिनके जवाब रामपाल और उनके करीबी ने बातचीत में दिए।

55 साल के रामपाल ने कहा- मैं कैथल के गांव खेड़ी गुलाम अली का रहने वाला हूं। 5वीं पास हूं और गांव में ही मजदूरी करता हूं। परिवार में पत्नी और 3 बच्चे हैं, जिनमें 2 लड़के और एक लड़की है। एक लड़के की शादी 3-4 महीने पहले हुई थी। बड़ा बेटा भी मजदूरी करता है।

40 सालों से हैं भाजपा कार्यकर्ता

उन्होंने कहा- मैं बीजेपी से 40 सालों से जुड़ा हुआ हूं। भाजपा मजदूरों की आवाज उठाती है, इसलिए मैं इस पार्टी से जुड़ा हूं। जब मैं छोटा था तो इनेलो के नेता डॉक्टर इंद्र ने मुझे इनेलो में शामिल होने के लिए कहा था। तब मैंने उन्हें कहा कि मैं भाजपा का ही झंडा उठाऊंगा और किसी पार्टी का नहीं।

नंगे पैर अटेंड किए कार्यक्रम

रामपाल कश्यप ने बताया है कि जिस समय उन्होंने प्रण लिया, उसी समय से जूते और चप्पल पहनना छोड़ दिए थे। यहां तक कि शादियों में भी जूते या चप्पल नहीं पहने। वह नंगे पैर ही सभी शादियों व अन्य समारोहों को अटेंड करते रहे।

वह आमतौर पर कुर्ता-पायजामा ही पहनते हैं। जब लोग उन्हें बिना चप्पलों के देखते थे तो मजाक उड़ाते थे। उन्हें ताने भी मारते थे कि अजीब आदमी है, नए कपड़े पहन लिए, लेकिन

पैरों में चप्पल नहीं है।

रामपाल ने बताया कि 4-5 महीने पहले ही उनके बड़े बेटे की शादी हुई। उसमें भी उन्होंने पैरों में जूते-चप्पल नहीं पहने। हालांकि, परिवार वालों व रिश्तेदारों ने काफी मनाने का प्रयास किया कि वह जूते पहन लें, लेकिन उन्होंने जूते पहनने से साफ मना कर दिया।

उन्होंने कहा- सर्दियों में भी मैं काम करने के दौरान जूते नहीं पहनता था। शुरुआत में तो थोड़ी दिक्कत हुई, लेकिन बाद में आदत हो गई। अब प्रधानमंत्री ने जूते पहना दिए हैं तो नंगे पांव घूमने का प्रण पूरा हो गया।

आरएसएस में जाने की भी कोशिश की

रामपाल के करीबी रिंकू शर्मा ने बताया कि इन्हें भाजपा में रुचि थी। इन्होंने कई बार आरएसएस में जाने की कोशिश की, लेकिन इन्हें रास्ता नहीं मिला। छोटी उम्र से ही रामपाल भाजपा के साथ जुड़े हुए हैं।

गांव के व्यक्ति ने रामपाल को ताना मारा था

रिंकू शर्मा ने बताया कि गांव के ही व्यक्ति ने रामपाल को ताना मारा था कि न भारत में भाजपा की सरकार आएगी और न हरियाणा में। यहां तक उनके विधानसभा क्षेत्र गुहला में भी भाजपा नहीं आएगी।

इस पर रामपाल ने प्रण लिया कि जब तक देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नहीं बन जाते और बीजेपी की सरकार नहीं बन जाती तब तक वह जूते नहीं पहनेंगे।

उन्होंने कहा कि 14 साल का वनवास श्रीराम का और 14 साल का ही वनवास रामपाल का रहा।

रेखा शर्मा ने रामपाल की वीडियो बनाकर पीएमओ भेजी

उन्होंने प्रधानमंत्री से मिलाने पर कहा कि 7 दिन पहले चीका की ब्राह्मण धर्मशाला में बीजेपी की राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा आई थीं। वहां रामपाल की मुलाकात रेखा शर्मा से हुई। रेखा को रामपाल के प्रण के बारे में विस्तार से बताया। इस पर रेखा शर्मा ने तुरंत रामपाल की वीडियो बनाई और पीएमओ भेजी।

सोमवार को पीएम मोदी का हरियाणा का दौरा था। ऐसे में रविवार शाम 5 बजे रामपाल को पीएमओ से फोन आया। उन्होंने बताया कि पीएम उनसे भेंट करना चाहते हैं। रिंकू ने कहा कि इसके लिए कैथल जिले के पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक गुर्जर का भी धन्यवाद करते हैं।

मोदी ने रामपाल को जूते पहनाने का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। उन्होंने लिखा- हरियाणा के यमुनानगर में आज कैथल के रामपाल कश्यप जी से मिलने का सौभाग्य मिला। इन्होंने 14 वर्ष पहले एक व्रत लिया था कि 'मोदी जब तक प्रधानमंत्री नहीं बन जाते और मैं उनसे मिल नहीं लेता, तब तक जूते नहीं पहनूंगा।' मुझे आज उन्हें जूते पहनाने का अवसर मिला। मैं ऐसे सभी साथियों की भावनाओं का सम्मान करता हूं, परंतु मेरा आग्रह है कि वे इस तरह के प्रण लेने के बजाय किसी सामाजिक अथवा देशहित के कार्य का प्रण लें।

सोशल मीडिया पर शेयर वीडियो करीब 1 मिनट 22 सेकेंड की है, जिसमें पहले रामपाल कश्यप नंगे पांव आते दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद पीएम मोदी से मुलाकात करते हैं। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा- अरे भाई आपने ऐसा क्यों कर दिया?

इसके बाद रामपाल ने बताया कि उन्होंने 14 साल से जूते नहीं पहने। इस पर पीएम मोदी ने रामपाल को जूते पहनाए। साथ ही कहा कि आज हम आपको जूते पहना रहे हैं। बाद में फिर ऐसा नहीं करना। इस पर रामपाल ने कहा नहीं-नहीं। मोदी ने कहा कि काम करना चाहिए, ऐसा क्यों कर रहे हो कि अपने आपको कष्ट दे रहे हो। जूते पहनाने के बाद पीएम ने पूछा कि ठीक से आ गया क्या? इस पर रामपाल ने जवाब दिया हां। पीएम मोदी ने रामपाल की पीठ थपथपाते हुए कहा कि चलिए जूते पहनते रहना।

स्टूडेंट बोले- जीजीयू में 155 हिंदू छात्रों को नमाज पढ़ाया

कहा- बिलासपुर सेंट्रल यूनिवर्सिटी में मुस्लिम धर्म अपनाने ब्रेन वॉश किया, विरोध करने पर डराया-धमकाया

बिलासपुर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में 155 हिंदू छात्रों को जबरन नमाज पढ़ाने का मामला सामने आया है। छात्रों ने बताया कि गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी की तरफ से एनएसएस कैंप का आयोजन किया गया था। जिसमें 159 छात्र शामिल हुए थे, इसमें 4 मुस्लिम भी थे। कैंप के दौरान बीच में ईद पड़ा। इस दौरान कैंप के प्रोग्राम ऑफिसर ने सभी छात्रों को भी बुलवाया और नमाज पढ़ाया। छात्रों ने आरोप लगाया कि कैंप में छात्रों को मुस्लिम धर्म अपनाने के लिए यह तरीका अपनाया गया था। इस बहाने उनका ब्रेन वॉश भी किया गया। छात्रों के मुताबिक, विरोध करने पर उन्हें धमकी और सर्टिफिकेट नहीं देने की चेतावनी भी दी गई। इस मामले की शिकायत कोनी थाने में की है और प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. बसंत कुमार, कोआर्डिनेटर दिलीप झा सहित अन्य स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

छात्रों ने बताया कि सेंट्रल यूनिवर्सिटी में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई की ओर से कोटा ब्लॉक के वनांचल क्षेत्र शिवतराई में 26 मार्च से 1 अप्रैल तक कैंप लगा था, वहीं नमाज पढ़वाया गया है। छात्रों ने अपनी शिकायत में बताया है कि जब एनएसएस कैंप में रोज सुबह योगा क्लास लगाया जाता था, तब वहां हिंदू छात्रों को नमाज पढ़ने के लिए मजबूर किया जाता था। छात्रों ने नमाज पढ़ने का विरोध भी किया। लेकिन, प्रोग्राम ऑफिसर और कोऑर्डिनेटर उन्हें डराते-धमकाते रहे और अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के साथ ही सर्टिफिकेट नहीं देने की चेतावनी देते रहे। छात्रों ने बताया कि बाकी दिनों की तरह एनएसएस कैंप में सुबह 6:15 से 7:00 बजे योग करने छात्र एकत्रित हुए, जिसमें कुल 159 छात्र कैंप में थे। इसमें 4 छात्र मुस्लिम थे।

31 मार्च को मुसलमानों का त्योहार ईद उल फितर था अचानक से कोऑर्डिनेटर ने चारों मुस्लिम छात्रों को मंच पर बुलाया और बाकी छात्रों को मुस्लिम छात्रों द्वारा जो मंच पर नमाज अदा करने की प्रक्रिया की गई और उसका जस का तस दोहराने और सीखने का आदेश दिया। छात्रों ने बताया कि एनएसएस कैंप के दौरान उनका मोबाइल जमा करा लिया गया था, ताकि वो इसका वीडियो-फोटो न बना सकें।

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री के बयान से चढ़ा सियासी पारा

नेता प्रतिपक्ष ने कहा- मंत्री हफीजुल को मंत्रिमंडल से बाहर करें सीएम, बीजेपी करेगी आंदोलन

देवघर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन के संविधान पर दिए बयान ने राज्य में सियासी पारा चढ़ा दिया है। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मांग की है कि वह अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन को अपने मंत्रिमंडल से बाहर करें। उन्होंने कांग्रेस और झामुमो से सवाल किया कि वह हफीजुल हसन के संविधान से संबंधित बयान पर सहमत हैं या असहमत।

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि मंत्री ने बयान दिया है कि वह भारतीय संविधान से ऊपर शरीयत कानून को मानते हैं। इस बयान से यह स्पष्ट है की पॉकेट में संविधान को लेकर घूमने वाले संविधान का मजाक उड़ा रहे हैं।

उन्होंने कहा- इंडी गठबंधन का यही वास्तविक चरित्र है। इसका

प्रकटीकरण मंत्री हफीजुल हसन की जुबान से हुआ है। गिरिडीह में बाबूलाल मरांडी ने कहा कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती पर संवैधानिक पद पर बैठे मंत्री ने संविधान का अपमान किया है, जो अक्षम्य अपराध है। यह राष्ट्र विरोधी और संविधान विरोधी बयान है। ऐसे में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को तत्काल अपने मंत्रिमंडल से हफीजुल हसन को बर्खास्त करना चाहिए, मंत्री के बयान के विरोध में भाजपा पूरे राज्य में आंदोलन करेगी।

इधर, झारखंड के पूर्व मंत्री रघुवर दास ने कहा कि पिछले चुनाव से लेकर विभिन्न राजनीतिक कार्यक्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी लाल किताब वाले संविधान को दिखाते हैं और उसकी काम कहते हैं। झारखंड में चल रही है हेमंत सोरेन की सरकार को उन्होंने समर्थन दे रखा है। ऐसी स्थिति में क्या वे संविधान की रक्षा के लिए झामुमो सरकार से अपना समर्थन वापस लेंगे।

शराब घोटाला केस, रिटायर्ड आईएएस टुटेजा को सुप्रीम कोर्ट से जमानत

पासपोर्ट करना होगा जमा, जमानत के बाद भी जेल से बाहर नहीं आ पाएंगे

रायपुर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पूर्व आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा को जमानत दे दी है। ये जमानत छत्तीसगढ़ के कथित 2000 करोड़ के शराब घोटाला मामले में मिली है। हालांकि पासपोर्ट जमा कराने समेत कुछ शर्तें भी रखी गई है। मंगलवार को जमानत आवेदन पर सुनवाई जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच में हुई। हालांकि, अनिल टुटेजा को ईडी के केस में राहत मिली है लेकिन शराब घोटाले मामले में ईओडब्ल्यू की जांच कर रही है। इस केस में वो जेल में बंद हैं, ऐसे में वे जमानत के बाद भी जेल से बाहर नहीं आ पाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट को बताया गया कि, छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने 2 अप्रैल 2025 को विशेष अदालत के उस आदेश को रद्द कर दिया था जिसमें टुटेजा के खिलाफ आरोप तय किए गए थे। हाई कोर्ट ने कहा था कि आरोप तय करने से पहले सरकार से अनुमति (सीआरपीसी की धारा 197 के

तहत) नहीं ली गई थी।

धारा 197 के अनुसार, यदि कोई सरकारी अफसर अपने कार्य के दौरान किसी अपराध का आरोपी है, तो कोर्ट में मुकदमा चलाने के लिए, पहले सरकार से मंजूरी लेना जरूरी होता है।

पीठ ने कहा, इस मामले में अधिकतम 7 साल की कैद की सजा हो सकती है। इसलिए, सैंथिल बालाजी फैसले का सिद्धांत इस केस में भी लागू होगा। इसके अलावा, इसी तरह की स्थिति में, सुप्रीम कोर्ट ने 12 फरवरी, 2025 के आदेश में सह-आरोपी अरुणपति त्रिपाठी को भी जमानत दे दी है।

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को आदेश दिया कि टुटेजा को जमानत की प्रक्रिया के लिए संबंधित कोर्ट में पेश किया जाए। कोर्ट ने यह भी कहा कि विशेष न्यायाधीश की अदालत अभी खाली है। जूते अलावा शर्तों में, पासपोर्ट सरेंडर करना और अदालत में सुनवाई के दौरान पूरा सहयोग करना शामिल है। ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने जमानत का विरोध करते हुए कहा कि, अनिल टुटेजा एक वरिष्ठ अधिकारी रहे हैं। जो बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। उन्होंने कोर्ट में टुटेजा पर नागरिक आपूर्ति निगम घोटाले में भी शामिल होने का आरोप लगाया और कहा कि वे गवाहों को प्रभावित करने और साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ करने के लिए, सक्षम हैं। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में ईडी जांच कर रही है। ईडी ने एसीबी में एफआईआर दर्ज कराई है। दर्ज एफआईआर में 2 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के घोटाले की बात कही गई है। ईडी ने अपनी जांच में पाया कि तत्कालीन भूपेश सरकार के कार्यकाल में आईएएस अफसर अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के एमडी एपी त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर के सिंडिकेट के जरिए घोटाले को अंजाम दिया गया था।

ईडी के मुताबिक ऐसे होती थी अवैध कमाई

पार्ट-ए कमीशनः सीएसएमसीएल यानी शराब की खरीद और बिक्री के लिए राज्य निकाय द्वारा उनसे खरीदी गई शराब के प्रति 'केस' के लिए डिस्टिलर्स से रिश्वत ली जाती थी।

पार्ट-बी कच्ची शराब की बिक्रीः बेहिसाब 'कच्ची ऑफ-द-बुक' देसी शराब की बिक्री हुई। इस मामले में सरकारी खजाने में एक भी रुपया नहीं पहुंचा और बिक्री की सारी रकम सिंडिकेट ने हड़प ली। अवैध शराब सरकारी दुकानों से ही बेची जाती थी।

पार्ट-सी कमीशनः शराब बनाने वालों से कार्टेल बनाने और बाजार में निश्चित हिस्सेदारी दिलाने के लिए रिश्वत ली जाती थी। एफएल-10 ए लाइसेंस धारकों से कमीशन ली गई, जिन्हें विदेशी शराब के क्षेत्र में कमाई के लिए लाया गया था।

50 हजार रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ाया राजस्व निरीक्षक

सीमांकन के लिए मांगे रुपए, दूसरा आरआई फरार, भागते हुए वीडियो सामने आया

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के गौरेला तहसील में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने रिश्वत लेते एक राजस्व निरीक्षक को रंगे हाथों पकड़ा है। दूसरा राजस्व निरीक्षक मौके से फरार हो गया। दोनों अधिकारी जमीन संबंधी कार्यों के लिए 50 हजार रुपए की रिश्वत की मांग कर रहे थे।

मामले में शिकायतकर्ता रंजीत सिंह राठौर (30) ने एसीबी में शिकायत दर्ज कराई थी। रंजीत ग्राम अंदुल गौरेला के निवासी हैं। राजस्व निरीक्षक (आरआई) संतोष चंद्र सेन और घनश्याम भारद्वाज उनसे बटांकन, सीमांकन और बेदखली के काम के लिए पैसों की मांग कर रहे थे। दोनों अधिकारी पिछले चार महीने से शिकायतकर्ता को लगातार घुमा रहे थे। वे काम नहीं कर रहे थे और रिश्वत के लिए दबाव बना रहे थे। परेशान होकर रंजीत ने एसीबी में शिकायत की।

इसके बाद प्लानिंग के तहत राजस्व निरीक्षक संतोष चंद्र सेन को एंटी करप्शन ब्यूरो ने ट्रैप किया। जैसे ही शिकायतकर्ता ने आरआई को 50 हजार रुपए दिए। टीम ने आरोपी को रंगे हाथ पकड़ लिया। अभी एंटी करप्शन ब्यूरो के अधिकारियों ने मामले को लेकर पूरी जानकारी नहीं दी है। फिलहाल, कार्रवाई जारी है।

बता दें कि इस साल एंटी करप्शन ब्यूरो की जिले में यह दूसरी कार्रवाई है। इसके पहले जनपद पंचायत गौरेला के लोकपाल को भी एंटी करप्शन ब्यूरो ने रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा था।

दूसरे आरोपी आरआई घनश्याम भारद्वाज के मौके से फरार होने का वीडियो भी सामने आया है।

वीडियो में देखा जा सकता है कि कार्रवाई की भनक लगते ही वह दबे पाव भागते नजर आ रहा है। एसीबी की टीम दूसरे आरोपी की तलाश में जुटी है।

डॉ. भीमराव अंबेडकर की नई प्रतिमा चोरी

जयंती पर स्थापित मूर्ति रातों-रात गायब, आक्रोशितों ने किया सड़क जाम

पलामू, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। पलामू जिले के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के खरारपर गांव में एक नया विवाद सामने आया है। स्वास्थ्य उपकेंद्र के पास बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को अज्ञात लोगों ने चोरी कर लिया। यह प्रतिमा अंबेडकर जयंती के अवसर पर सोमवार को स्थापित की गई थी। प्रतिमा गायब होने की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मंगलवार को सड़क पर उतर आए। आक्रोशित लोगों ने जपला-छतरपुर मुख्य सड़क पर जाम लगा दिया। इससे वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। मामले में एक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि प्रतिमा स्थापना के समय ही भूमि को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। कुछ स्थानीय लोगों ने इस पर आपत्ति जताई थी। प्रशासन ने हस्तक्षेप कर मामला शांत कराया था, लेकिन रात में ही प्रतिमा गायब कर दी गई।

सीएम साय के सचिव मुकेश बंसल हटाए गए

रजत कुमार को जिम्मेदारी, 6 जिलों के डिप्टी-अपर और जॉइंट कलेक्टर्स का भी ट्रांसफर

रायपुर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सेक्रेटरी मुकेश बंसल को सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव पद से हटा दिया गया है। उन्हें इस अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया गया है। उनकी जगह आईएएस अफसर रजत कुमार को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी किया है। वहीं, 6 जिलों के डिप्टी-अपर और जॉइंट कलेक्टर्स का भी ट्रांसफर किया गया है।

आदेश स्पष्ट है कि मुकेश बंसल के पास वित्त विभाग के सचिव, सामान्य वाणिज्य कर आबकारी विभाग के सचिव और मुख्यमंत्री के सचिव की जिम्मेदारी पहले की तरह रहेगी। रजत कुमार के पास वाणिज्य एवं उद्योग और सार्वजनिक उपक्रम

IAS रजत कुमार

IAS मुकेश बंसल

विभाग के सचिव और वाणिज्य एवं उद्योग रेल परियोजना विभाग के सचिव का अतिरिक्त प्रभार है। अब अतिरिक्त जिम्मेदारी भी मिली है।

6 जिलों के डिप्टी-अपर और ज्वाइंट कलेक्टर्स का भी ट्रांसफर

राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी विनायक शर्मा को मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर का अपर कलेक्टर बनाया गया है। ममता यादव को बिलासपुर संयुक्त कलेक्टर।

माधुरी सोम ठाकुर को कोरबा संयुक्त कलेक्टर।

स्निग्धा तिवारी को जांजगीर चांपा संयुक्त कलेक्टर।

अशोक कुमार मार्बल सारंगढ़ बिलाईगढ़ डिप्टी कलेक्टर।

गीता रायस्त को बस्तर संभागीय आयुक्त दफ्तर में उपायुक्त बनाया गया है।

पेट्रोल पंप मैनेजर की गोली मारकर हत्या, 18 लाख लूटे

बाइक से आए दो बदमाशों ने की वारदात, बैंक जाते वक्त किया मर्डर

हजारीबाग, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। हजारीबाग में मंगलवार को एक बड़ी वारदात सामने आई है। इचाक थाना क्षेत्र के सालपर्नी में पेट्रोल पंप मैनेजर शंकर रविदास की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक कुटुंबसुती गांव का रहने वाला था। घटना उस वक्त हुई, जब शंकर पेट्रोल पंप का तीन दिन का कलेक्शन बैंक में जमा करने जा रहे थे। यह राशि करीब 16 से 18 लाख रुपए थी। बाइक पर सवार दो बदमाशों ने उन्हें गोली मार दी। हमलावर रुपए लेकर वारदात के बाद सीजुआ जंगल की तरफ भाग गए। हालांकि पुलिस ने लूट की

आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। शंकर के पीठ में एक गोली लगी है। इधर, एसपी अरविंद कुमार सिंह ने मौके का जायजा लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर रोष है। उनका कहना है कि हजारीबाग में अपराध बढ़ रहा है। मुख्य सड़क पर दिन में हुई इस वारदात ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस अपराधियों की पहचान के लिए आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान जारी है। हत्यारों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कार्रवाई तेज है, लेकिन अभी तक कोई सुराग नहीं मिला है।

स्कूल वैन से उतरा, उसी गाड़ी की चपेट में आया

रामगढ़ में एलकेजी के छात्र की मौत, स्कूल ने 5 लाख मुआवजे की घोषणा की

रामगढ़, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। रामगढ़ जिले के मांडू प्रखंड अंतर्गत डुमरबेड़ा के अगरया टोला में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। बाल विद्या मंदिर स्कूल के एलकेजी के छात्र जेहाब आलम की स्कूल वैन से उतरने के बाद उसी वैन की चपेट में आने से मौत हो गई। जेहाब आलम समसाद आलम का पुत्र था। वह रोजाना स्कूल वैन से आना-जाना करता था। आज भी स्कूल की छुट्टी के बाद वह वैन से घर पहुंचा। वैन से उतरा, तभी ड्राइवर ने वैन आगे बढ़ा दी और बच्चा उसकी चपेट में आ गया। घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। कुजू पुलिस और स्कूल प्रबंधन भी घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच कर रहे हैं।

भुरकुंडा बाजार में दो दुकानों में लगी भीषण आग

25 लाख रुपए का सामान जलकर राख, दो भाइयों की दुकानें पूरी तरह तबाह

रामगढ़, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। रामगढ़ जिले के भुरकुंडा बाजार स्थित सहेली स्टोर और सहेली मैचिंग सेंटर के दो दुकानों पर मंगलवार सुबह चार बजे के आसपास आग लग गई। सुबह जैसे ही लोगों की नजर आग पर पड़ी अफरातफरी की स्थिति बन गई। लोगों ने फौरन दुकान के मालिक, पुलिस और फायरब्रिगेड को सूचना दी। इस घटना में दोनों दुकानों में करीब 25 लाख रुपए की संपत्ति जलकर खाक हो गई। इधर, सूचना मिलते ही अग्निशमन और जिंदल फायरब्रिगेड सहित भुरकुंडा थाना प्रभारी निर्भय गुप्ता पुलिस दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और आग बुझाने का काम शुरू किया गया। हालांकि तब तक आग ने विकराल रूप ले लिया था और देखते ही देखते सहेली स्टोर सहित कपड़े की दुकान पूरी तरह से जलकर राख हो गई। आशंका है कि शॉर्ट सर्किट से यह आग लगी है। दोनों दुकानें अरुण कुमार सिन्हा और अरविंद कुमार नाम के दो भाइयों की हैं। दुकान मालिकों का कहना है कि आग में कई सामान नहीं बच पाया। इतने बड़े नुकसान से उबरना उनके लिए बेहद मुश्किल होगा।

ट्रम्प ने हार्वर्ड की 18 हजार करोड़ की फंडिंग रोकी

अमेरिकी राष्ट्रपति यूनिवर्सिटी पर कंट्रोल चाहते थे, हार्वर्ड ने इसे गैरकानूनी और असंवैधानिक बताया

वॉशिंगटन, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की 2.2 अरब डॉलर (करीब 18 हजार करोड़ रुपए) की फंडिंग रोक दी है। यह कार्रवाई इसलिए हुई क्योंकि हार्वर्ड ने व्हाइट हाउस की उन मांगों को मानने से इनकार कर दिया जिनका मकसद कैंपस में यहूदी विरोधी गतिविधियों पर सख्ती करना था। ट्रम्प प्रशासन ने 3 अप्रैल को यूनिवर्सिटी के सामने मांग रखी थी कि यूनिवर्सिटी के गवर्नेंस, एडमिशन और हायरिंग प्रोसेस पर सरकार को नियंत्रण दिया जाए और इनमें बड़ा बदलाव किया जाए। इसके अलावा डाइवर्सिटी ऑफिस बंद करने और अंतरराष्ट्रीय छात्रों की जांच में इमिग्रेशन अफसरों की मदद करने की मांग भी रखी गई थी।

हार्वर्ड ने इन मांगों को गैरकानूनी और असंवैधानिक बताते हुए खारिज कर दिया था। इसके बाद सोमवार रात को ट्रम्प प्रशासन ने हार्वर्ड को बताया कि उसकी 2 अरब डॉलर से ज्यादा की फेडरल फंडिंग रोका जा रहा है। हार्वर्ड प्रेसिडेंट एलन गारबर ने छात्रों और फैकल्टी को लिखे पत्र में कहा कि यूनिवर्सिटी सरकार के आगे नहीं झुकेगी और अपनी स्वतंत्रता और संवैधानिक अधिकारों को लेकर कोई समझौता नहीं करेगी।

गारबर ने कहा, कोई भी सरकार या सत्ता में बैठी कोई भी पार्टी हो, वह यह तय नहीं कर सकती कि प्राइवेट यूनिवर्सिटी क्या पढ़ा सकती हैं, किसे दाखिला या नौकरी दे सकती हैं, और कौन से सब्जेक्ट्स पर पढ़ाई या रिसर्च कर सकते हैं।

इसके जवाब में ट्रंप की 'जॉइंट टास्क फोर्स टु कॉम्बैट एंटी-सेमिटिज्म' ने बयान जारी कर कहा कि हार्वर्ड को मिलने वाली 2.2 अरब डॉलर की मल्टी-ईयर ग्रांट और 6 करोड़ डॉलर की सरकारी कॉन्ट्रैक्ट की फंडिंग रोक दी गई है। टास्क फोर्स ने कहा कि हार्वर्ड का बयान हमारे देश की सबसे बेहतर यूनिवर्सिटीज और कॉलेजों में फैली एक चिंताजनक मानसिकता को दर्शाता है। ये दिखाता है कि वे सरकारी फंडिंग तो पाना चाहते हैं, लेकिन कानूनों का पालन करने की जिम्मेदारी नहीं लेना चाहते हैं। टास्क फोर्स ने कहा कि पिछले कुछ साल में कई कैंपस में पढ़ाई में रुकावटें आई हैं, जो हमें मंजूर नहीं हैं। यहूदी छात्रों का हैरासमेंट बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। अब समय आ गया है कि ये टॉप यूनिवर्सिटीज इस समस्या को गंभीरता से लें और अगर वे टैक्सपेयर्स की तरफ से फंडिंग पाना जारी रखना चाहती हैं, तो ठोस बदलाव लाने के लिए तैयार रहें। गाजा में जारी इजराइल-हमास जंग के खिलाफ पिछले साल अमेरिका की कई यूनिवर्सिटीज में फिलिस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन हुए थे। इन प्रदर्शनों में हजारों छात्रों ने हिस्सा लिया था। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक 1000 से ज्यादा छात्र गिरफ्तार भी हुए। इस दौरान हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में छात्रों ने फिलिस्तीनी झंडा फहराया था।

उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में भीषण सड़क हादसा

ट्रक और बस की सीधी टक्कर में 10 लोगों की मौत

इस्लामाबाद, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में मंगलवार को एक ट्रक और यात्री वाहन के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। हादसे में आठ आठ घायल भी हुए हैं। 1122 रेस्क्यू के प्रवक्ता ने बताया कि यह दुर्घटना खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के करक जिले में मुख्य सिंधु राजमार्ग पर लक्की घुंडा खेल के पास हुई। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने के तुरंत बाद पांच एंबुलेंस और एक रिकवरी वाहन घटनास्थल पर भेजा गया। बचाव दल ने सभी लोगों को बस जैसे यात्रर वाहन से बाहर निकाला। घायलों को जिला मुख्यालय स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया। कई घायलों की हालत गंभीर है। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंदापुर ने 10 यात्रियों की मौत पर दुख जताया और मृतकों के लिए प्रार्थना की।

गाजा में इजराइली हमले में 6 भाइयों की मौत

विस्थापितों को खाना खिला रहे थे, हमास की नुखबा फोर्स के लीडर को भी मारा

गाजा सिटी, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। गाजा के अल-बलाह में रविवार रात हुए इजराइली हमले में 37 लोगों की मौत हो गई है। इसमें 6 भाई हैं। इनकी उम्र 10 साल से 34 साल के बीच है। ये लड़के गाजा में विस्थापित परिवार के लोगों को खाना बांट रहे थे। मारे गए इन लड़कों के पिता जकी अबु महदी ने कहा कि उनके बेटे सिर्फ लोगों की मदद कर रहे थे, किसी भी सैन्य गतिविधि से उनका कोई संबंध नहीं था। इस बीच इजराइली सेना ने दावा किया कि उनका निशाना एक मिलिट्री टार्गेट था। हालांकि गाजा की हेल्थ मिनिस्ट्री ने इसे गलत ठहराया है।

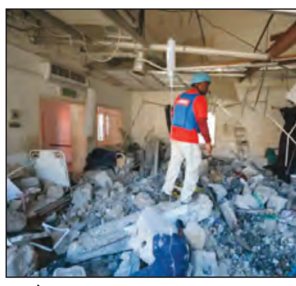

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने इस हमले की निंदा की और गाजा में चिकित्सा सहायता की देरी से एक बच्चे की मौत की भी सूचना दी। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, युद्ध शुरू होने से अब तक 50,944 से अधिक फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं। इजराइल ने हमास की नुखबा फोर्स के एक लीडर हमजा वायल मुहम्मद असाफा मार गिराने की पुष्टि की है। हमजा इजराइल पर 7 अक्टूबर के हमले और बंधकों की रिहाई एक फेज में शामिल था। इजराइली डिफेंस फोर्सेस (आईडीएफ) के मुताबिक हमजा की मौत दो हफ्ते पहले सेंट्रल गाजा में एक हमले में हुई थी। हमजा ने इजराइल बंधक एलियाहु शाराबी, ओहद बेन-अमी और ओर लेवी की रिहाई के कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। इजराइल ने 1000 सैनिकों को नौकरी से निकाला है। इन्होंने गाजा जंग पर सवाल उठाया था, कहा था- ये जंग अब राजनीतिक मकसद पूरा कर रही। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने अपने लगभग 1000 रिजर्व सैनिकों को बर्खास्त कर दिया है। इजराइल के सैन्य प्रमुख ईयार जमीर और वायु सेना ने रिजर्विस्टों को बर्खास्त करने का फैसला किया है। हालांकि अभी यह मालूम नहीं है कि ये बर्खास्तगी कब से होगी। इन सैनिकों ने गाजा में चल रहे जंग के खिलाफ आवाज उठाई थी और बंधकों की रिहाई को प्राथमिकता देने के लिए तत्काल युद्धविराम की मांग की थी। इजराइली सेना ने राफा का बाकी गाजा से संपर्क काट दिया है। रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने 12 अप्रैल को इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि इजराइली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने मोराग कॉरिडोर पर कब्जा कर लिया है, जिससे राफा का गाजा पट्टी से संपर्क टूट गया है। मोराग कॉरिडोर दक्षिणी गाजा में एक रास्ता है जो उसे गाजा पट्टी से अलग करता है।

बांग्लादेश में मॉडल मेघना आलम गिरफ्तार

सऊदी के राजदूत को ब्लैकमेल करने का आरोप, पिता बोले- शादी करने से इनकार किया इसलिए गिरफ्तारी

ढाका, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। बांग्लादेश में चर्चित मॉडल मेघना आलम को 9 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया, जिसकी जानकारी अब सामने आई है। उन पर देश की सुरक्षा को खतरे में डालने और वित्तीय हितों को नुकसान पहुंचाने का आरोप है। मेघना (30 साल) 2020 में मिस अर्थ बांग्लादेश रह चुकी हैं। मेघना के पिता बदरूल आलम ने बताया कि पुलिस ने बिना किसी चार्जशीट के उनकी बेटी को हिरासत में लिया है। यह पूरी तरह से गैरकानूनी है। मेघना की गिरफ्तारी की अहम वजह उसका सऊदी अरब के राजदूत के साथ संबंध बताया जा रहा है।

बदरूल आलम ने कहा कि, 'राजदूत और मेघना के बीच संबंध थे और मेरी बेटी ने उनके साथ शादी करने से मना कर दिया, क्योंकि वे पहले से ही शादी-शुदा हैं और उनके बच्चे भी हैं।' वहीं, पुलिस का आरोप है कि मेघना आलम ने राजदूत इस्सा आलम को ब्लैकमेल कर 5 मिलियन डॉलर (करीब 43 करोड़) रुपए लूटने की कोशिश की थी।

हाल ही में मेघना ने फेसबुक पर दावा किया था कि राजदूत इस्सा गैर इस्लामिक कामों में लिप्त हैं। हालांकि, वे क्या काम कर रहे थे, इस बारे में मेघना ने नहीं बताया। मेघना आलम ने यह भी दावा किया था कि इस्सा यूसुफ पुलिस के जरिए डरा रहे हैं, ताकि वे सोशल मीडिया पर सच्चाई पोस्ट न करें। अपनी गिरफ्तारी से पहले आलम ने फेसबुक पर लाइव स्ट्रीम कर रही थी। तभी बांग्लादेश पुलिस की विशेष जासूसी शाखा, डीबी पुलिस ने उनके घर में घुस कर गिरफ्तार कर लिया। आलम की गिरफ्तारी बांग्लादेश के स्पेशल पावर एक्ट के तहत की गई है। यह एक्ट आरोपी को अनिश्चित काल तक हिरासत में रखने की अनुमति देता है। बांग्लादेश में इस कानून को तानाशाही कानून कहा जाता है। इस घटना ने बांग्लादेश में मानवाधिकारों की स्थिति पर भी सवाल खड़े किए हैं। हालांकि बांग्लादेश सरकार के कानूनी सलाहकार आसिफ नरुल ने भी कहा कि गिरफ्तारी सही नहीं है।

सिंगापुर में आम चुनाव का एलान: 23 अप्रैल से नामांकन

तीन मई को मतदान, राष्ट्रपति के संसद भंग करने के बाद फैसला

सिंगापुर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। सिंगापुर में 14वें आम चुनावों का एलान हो गया है। चुनाव विभाग ने तारीखों का एलान करते हुए कहा कि देशभर में तीन मई को मतदान होगा। जबकि नामांकन 23 अप्रैल से शुरू होंगे। इससे पहले राष्ट्रपति थर्मन शानमुगरत्नम ने प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग की सलाह पर संसद को भंग कर दिया। राजनीतिक दलों ने भी चुनाव को लेकर कमर कस ली। यहां मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ पीएपी और विपक्षी वर्कर्स पार्टी के बीच है। सिंगापुर की सत्ता पर 1965 से कायम पीपुल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग के नेतृत्व में अपना किला बचाने का प्रयास कर रही है। वोंग ने पिछले साल मई में सिंगापुर के चौथे नेता के रूप में शपथ ली थी। इस चुनाव में वे मजबूत जीत हासिल करना चाहते हैं, क्योंकि सरकार के प्रति मतदाताओं के बढ़ते असंतोष के कारण 2020 के चुनावों में पीएपी को झटका लगा था। 'पीएपी प्रमुख के रूप में अपने पहले आम चुनाव में वोंग असंतुष्ट युवा मतदाताओं तक पहुंचने की कोशिश में है। उन्होंने फॉरवर्ड सिंगापुर योजना शुरू की जिसका उद्देश्य सिंगापुर के लोगों को यह कहने का मौका देना है कि अगली पीढ़ी के लिए अधिक संतुलित, जीवंत और समावेशी एजेंडा कैसे विकसित किया जाए? इसके साथ ही पीएपी में नई जान फूंकने के लिए 30 से ज्यादा नए उम्मीदवार उतारने का एलान किया है। वोंग ने चेतावनी दी है कि आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच आपके कॉकपिट में कौन है, यह मायने रखता है, क्योंकि अमेरिकी टैरिफ वैश्विक व्यापार प्रणाली को प्रभावित करते हैं।

जिनेवा में नीलाम होगा भारत का गोलकोंडा ब्लू हीरा

कीमत 430 करोड़ रुपए आंकी गई, इंदौर और बड़ौदा के राजाओं से कनेक्शन

स्विटजरलैंड, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत की शाही विरासत से जुड़ा हीरा 'गोलकोंडा ब्लू' पहली बार नीलामी में बिकने जा रहा है। यह 23.24 कैरेट का चमकदार नीला हीरा है, जिसे मशहूर पेरिस के ज्वेलरी डिजाइनर जेएआर ने एक खूबसूरत अंगूठी में जड़ा है।

इसे 14 मई को जिनेवा में क्रिस्टीज नाम की नीलामी कंपनी नीलाम करेगी। इसकी कीमत 300 से 430 करोड़ रुपए (35 से 50 मिलियन डॉलर) के बीच आंकी गई है। क्रिस्टीज का कहना है कि इतने खास और शाही हीरे बहुत ही कम बार बिकने के लिए आते हैं।

इसके पहले भी उन्होंने कुछ ऐतिहासिक गोलकोंडा हीरे नीलाम किए हैं, जैसे – अर्चड्यूक जोसेफ, प्रिंसी और विटेल्सबाख हीरे। नाशपाती के आकार का यह हीरा भारत की राजशाही से जुड़ा हुआ है। क्रिस्टीज के मुताबिक, यह हीरा महाराजा यशवंत राव होल्कर (इंदौर) के पास था। महाराज यशवंत राव होल्कर 1920-30 के दशक में अपनी लक्जरी और इंटरनेशनल लाइफस्टाइल के लिए जाने जाते थे। इस हीरे को यशवंत राव के पिता पेरिस के फेमस ज्वेलरी ब्रांड शॉमेट से इंदौर पियर्स हीरे खरीदे थे। 1923 में उन्होंने शॉमेट से अपने 23 कैरेट के नाशपाती के आकार वाले ब्लू डायमंड को जड़वाकर एक ब्रेसलेट बनवाया था।

1933 में महाराजा यशवंत राव ने मॉबूसेन को अपना आधिकारिक जौहरी नियुक्त किया। मॉबूसेन ने उनके गहनों को नए डिजाइन में ढाला। उसने एक लंबा हार बनाया, जिसमें गोलकोंडा ब्लू और इंदौर पियर्स दोनों शामिल थे।

किंग ऑफ डायमंड के नाम से मशहूर अमेरिकी जौहरी हैरी विंस्टन ने 1946 में इंदौर पियर्स और 1947 में ब्लू डायमंड को खरीदा। उन्होंने बाद में इसे एक ब्रोच में सेट किया। इसमें एक 23 कैरेट का सफेद हीरा भी था। इस ब्रोच को बाद में बड़ौदा के महाराजा ने खरीदा। आगे चलकर हैरी विंस्टन ने इसे फिर से खरीद लिया और नई डिजाइन के साथ दोबार बेचा। लगभग 80 सालों के बाद यह अब फिर एक बार सार्वजनिक तौर पर नीलाम होने जा रहा है।

ट्रम्प बोले- कट्टर लोगों को न्यूक्लियर हथियार नहीं रखने देंगे

ईरान पर न्यूक्लियर डील में देरी का आरोप लगाया, परमाणु फैसिलिटी पर एयरस्ट्राइक की धमकी दी

वॉशिंगटन, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान को ये सोचना बंद कर देना होगा कि वह न्यूक्लियर हथियार रख सकता है। ये कट्टर लोग हैं और इन्हें न्यूक्लियर हथियार रखने नहीं दिया जा सकता है।

ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान ऐसा नहीं करता है तो हम उसकी न्यूक्लियर फैसलिटी पर मिलिट्री स्ट्राइक करेंगे। ट्रम्प ने ईरान पर ये आरोप भी लगाया कि वह अमेरिका के साथ न्यूक्लियर डील साइन करने में जानबूझकर देरी कर रहा है।

ट्रम्प की चेतावनी ऐसे समय में आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच कुछ दिन पहले ही ओमान में बातचीत हुई है। अब अगले दौर की बातचीत 19 अप्रैल को रोम में होगी। इस महीने की शुरुआत में अमेरिका ने हिंदमहासागर के दूरदराज के द्वीप डिएगो गार्सिया में कम से कम छह बी-2 स्टील्थ बॉम्बर तैनात किए थे। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ऐसा करके अमेरिका ईरान को डराना-धमकाना चाहता है।

कई मीडिया रिपोर्ट्स में सामने आया है कि ईरान हथियार बनाने लायक स्तर तक का यूरेनियम शुद्ध करने की प्रक्रिया तेज कर रहा है। 2015 में अपने पहले कार्यकाल में ट्रम्प ने ईरान और पांच अन्य बड़े देशों के साथ हुई न्यूक्लियर डील से अमेरिका को बाहर निकाल लिया था। नए परमाणु समझौते को लेकर ओमान में हुई पहले दौर की बातचीत में

ट्रम्प के मध्य-पूर्व के दूत स्टीव विटकॉफ और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराकची शामिल हुए। व्हाइट हाउस ने इन बातचीत को 'सकारात्मक और रचनात्मक' बताया। बातचीत को लेकर ट्रम्प ने कहा, 'मुझे लगता है कि ईरान हमें सिर्फ टाल रहा है। लेकिन फिर भी हमें उम्मीद है कि ईरान बहुत जल्द कोई समझौता करेगा।'

ओमान में हुई बैठक से पहले ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर उसने अपना न्यूक्लियर प्रोग्राम नहीं छोड़ा, तो उसे खामियाजा भुगतना पड़ेगा। ट्रम्प की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने पत्रकारों से कहा कि ट्रम्प की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि ईरान कभी परमाणु हथियार न हासिल कर सके। ट्रम्प कूटनीति से निकाले गए हल का समर्थन करते हैं, लेकिन अगर कूटनीति विफल होती है तो वह कड़े कदम उठाने के लिए भी तैयार हैं। कैरोलिन लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प पहले भी साफ कर चुके हैं कि इस मामले में सभी विकल्प खुले हैं। ईरान के पास दो विकल्प हैं- या तो ट्रम्प की मांगों को माने, या गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहे। यही इस मुद्दे पर ट्रम्प की दृढ़ भावना है।

दुनिया में स्टार वॉर की तैयारी तेज

युद्ध का नक्शा बदलने जा रहे लेजर वेपन, भारत के अदृश्य ताकत से कांपेगे चीन-पाकिस्तान

बीजिंग/दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। दुनिया में लड़ाई के तरीके बदल रहे हैं। शक्तिशाली देश युद्ध में दुश्मन को चकमा देने के लिए कई तरीके आजमा रहे हैं। भविष्य की लड़ाई बिल्कुल नये अंदाज में लड़ी जाने वाली है। फ्यूचर वॉर वही जीतेगा, जिसके पास सिर्फ टेक्नोलॉजी नहीं, बल्कि युद्ध लड़ने के नये-नये तरीकों में महारत हासिल हो। अरुणाचल प्रदेश की सीमा पर सुबह के चार बज रहे थे। अचानक रडार पर एक झलक दिखी। एक साथ 50 से ज्यादा चीजों को आते देखा गया। वो दुश्मन के फाइटर जेट्स या फिर पक्षियों के झुंड नहीं थे, बल्कि वो दुश्मन के ड्रोन थे, जो झुंड बनाकर भारतीय डिफेंस सिस्टम की तरफ बढ़ रहे थे। इन ड्रोनों का आकार माइक्रोवेव ओवन से ज्यादा बड़ा नहीं था।

लेकिन इनका काम था डिफेंस सिस्टम को कनफ्यूज करना। भारत ने पलक झपकते ही लेजर वीपन्स से इन्हें खत्म कर दिया।

जी हां, देश के डिफेंस सिस्टम को कनफ्यूज करने के लिए, उन्हें निष्क्रिय करने के लिए दुश्मन इस तरीके को आजमा सकते हैं। दरअसल दुनिया के तमाम शक्तिशाली देशों के पास ऐसे एडवांस रडार सिस्टम मौजूद हैं जो हवा से आने वाले खतरों को सेकंड्स में ट्रैक करके उन्हें मार गिरा सकते हैं। लिहाजा युद्ध के मैदान में बढ़त हासिल करने के लिए दुश्मन झुंड में ड्रोन अटैक कर सकते हैं। यानि एक साथ 100 से ज्यादा ड्रोनों से हमला। ये ड्रोन डिफेंस सिस्टम को कनफ्यूज कर सकते हैं और इस बीच दुश्मन अपने घातक हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है। भारत ने दुश्मन के इसी चाल को नाकाम करने के लिए अत्याधुनिक 'लेजर हथियार' विकसित कर लिया है।

दुश्मनों के ऐसे ड्रोन्स का काम सेंसर को अंधा करना, डिफेंस सिस्टम को नुकसान पहुंचाना और एक बड़े जमीनी हमले से पहले भ्रम पैदा करना होता है।

न्यूयॉर्क में हर साल 14 अप्रैल को मनेगा डॉ. बीआर आंबेडकर दिवस

मेयर एरिक एडम्स ने किया एलान

न्यूयॉर्क, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। अब न्यूयॉर्क में भी हर साल 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव आंबेडकर दिवस मनाया जाएगा। न्यूयॉर्क शहर के मेयर एरिक एडम्स ने इसकी घोषणा की। इसके तहत शहर के 8.5 मिलियन निवासी आंबेडकर दिवस को मनाएंगे। न्यूयॉर्क शहर के मेयर कार्यालय के अंतरराष्ट्रीय मामलों के उपायुक्त दिलीप चौहान ने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में डॉ. आंबेडकर की 134वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में यह जानकारी दी। कार्यक्रम में शामिल केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने इसकी सराहना की। उन्होंने एक्स पर लिखा कि न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में ऐतिहासिक क्षण जब डॉ. बाबा साहब आंबेडकर की जयंती को न्यूयॉर्क मेयर के कार्यालय द्वारा आधिकारिक रूप से घोषित किया गया। बाबासाहब की न्याय और समानता की वैश्विक विरासत का सम्मान करने के लिए मेयर और डिप्टी कमिश्नर दिलीप चौहान को मेरा हार्दिक धन्यवाद।

सऊदी सरकार ने भारतीयों को दी खुशखबरी

हजारों लोगों का हाजी बनने का सपना होगा पूरा

रियाद, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। सऊदी अरब के हज मंत्रालय ने 10,000 तीर्थयात्रियों के लिए हज (नुसुक) पोर्टल को फिर से खोलने का फैसला लिया है। यह फैसला मीना (मक्का के पास शहर) में जगह की उपलब्धता को देखते हुए लिया गया है। भारत सरकार के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने इसकी जानकारी देते हुए सीएचजीओएस (कंबाइंड हज ग्रुप ऑपरेटर्स) को बिना देरी किए अपनी प्रक्रिया पूरी करने के लिए कहा है। इस साल जून के महीने में हज होगा। इसके लिए मई से ही हज यात्री सऊदी जाना शुरू हो जाएंगे।

हज की प्रक्रिया पूरी करने में 26 सीएचजीओएस सऊदी अरब की समय सीमा का पालन करने में फेल हो गए थे। इस वजह से

वे मीना में कैंप, होटल और ट्रांसपोर्ट के लिए जरूरी कॉन्ट्रैक्ट पूरे नहीं कर पाए थे। इस पर भारत सरकार ने सऊदी की हज मिनिस्ट्री से संपर्क साधा। भारत सरकार की दखल के बाद सऊदी हज मंत्रालय पोर्टल को फिर से खोलने के लिए राजी हुआ है। भारत के अल्पसंख्यक मंत्रालय ने कहा कि कुछ सीएचजीओएस सऊदी अरब की समय सीमा का पालन नहीं कर पाए, इससे हज का कोटा बचा रह गया। इस बचे कोटे को पूरा करने के लिए अब सऊदी अरब ने 10,000 तीर्थयात्रियों के लिए पोर्टल फिर से खोल दिया है। भारत सरकार की हज पॉलिसी 2025 के अनुसार, देश को आवंटित कुल हज यात्रियों के कोटे में से 70% का प्रबंधन हज कमेटी ऑफ इंडिया करती है। बाकी 30% प्राइवेट हज ग्रुप ऑर्गेनाइजर्स को दिए जाते हैं। मंत्रालय ने बताया कि सऊदी अरब ने भारत को 2025 के लिए 1,75,025 (1.75 लाख) का कोटा दिया है।

पिछले हफ्ते अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के सचिव चंद्र शेखर कुमार और संयुक्त सचिव सीपीएस बख्शी ने बीते हफ्ते जेद्दा पहुंचकर भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए हज की तैयारियों का जायजा लिया था। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू भी इस साल जनवरी में सऊदी अरब का दौरे कर चुके हैं।

नागरिकता के लिए साक्षात्कार देने पहुंचा फलस्तीनी छात्र गिरफ्तार

गाजा के समर्थन में आवाज उठाना पड़ा भारी

वर्मोंट, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। गाजा के समर्थन में आवाज उठाना एक फलस्तीनी छात्र को भारी पड़ गया। कोलंबिया विवि का फलस्तीनी छात्र जब अमेरिकी नागरिकता के लिए साक्षात्कार देने वर्मोंट के आव्रजन कार्यालय में पहुंचा, तो उसे गिरफ्तार कर लिया गया। छात्र के वकीलों ने बताया कि मोहसेन महदावी अमेरिका का एक कानूनी स्थायी निवासी है। उसके पास 2015 से ग्रीन कार्ड है। उसे आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन एजेंटों ने कोलचेस्टर में अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा कार्यालय से गिरफ्तार कर लिया। वकीलों ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि वह कहां है? हमने संघीय अदालत में एक याचिका दायर की जिसमें सरकार को उसे राज्य या देश से निकालने से रोकने का आदेश मांगा गया है। वकील लूना ड्रोबी ने कहा कि ट्रंप प्रशासन ने मोहसेन महदावी को फलस्तीनियों की ओर से उनकी वकालत और एक फलस्तीनी के रूप में उनकी पहचान के कारण हिरासत में लिया। यह गाजा में अत्याचारों के खिलाफ बोलने वालों को चुप कराने का एक प्रयास है। यह असांविधानिक भी है। अदालत में दायर याचिका में बताया गया है कि महदावी का जन्म वेस्ट बैंक के एक शरणार्थी शिविर में हुआ था और वह 2014 में संयुक्त राज्य अमेरिका आ गए थे।

'खाचरियावास बब्बर शेर', पूर्व मंत्री के घर ईडी की रेड को लेकर बचाव में उतरी कांग्रेस

प्रताप बोले- '400 बार ऐसी की तैसी'

जयपुर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास के 19 ठिकानों पर मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय छापे मार रही है। बताया जा रहा है कि मामला रियल एस्टेट में निवेश का काम करने वाली पर्ल एग्रोटेक कॉर्पोरेशन लिमिटेड में हुए 48 हजार करोड़ के घोटाले से जुड़ा है। इस मामले को लेकर पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भाजपा पर जमकर बोला है। उन्होंने ईडी की कार्रवाई को राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से की जा रही कार्रवाई बताया।

ईडी की कार्रवाई को लेकर मीडिया से बातचीत में प्रताप सिंह खाचरियावास ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि 'बजरी में घोटाला... आईफा में घोटाला... माइनिंग में घोटाला यह करते हैं। इस मामले में सजा कौनसी मिल गई सजा तो कोर्ट देता है। ना मैं डरा हूं और ना ही डरूंगा... ऐसी की तैसी 400 बार।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सोशल मीडिया के माध्यम से ईडी कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए सरकार पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि 'क्योंकि प्रताप सिंह खाचरियावास भाजपा सरकार द्वारा आईफा के नाच गाने में उड़ाए 100 करोड़ रुपए पर तीखे सवाल पूछ रहे हैं। क्योंकि जयपुर का बेटा उन 100 करोड़ रुपए के लिए सवाल पूछ रहा है, जो कांग्रेस सरकार ने आराध्य देव गोविन्द देव जी के मंदिर कॉरिडोर व भव्यता के घोषित किए थे।

बीजेपी ने ईडी को बनाया फ्रंटल ऑर्गेनाइजेशन- डोटासरा

उन्होंने कहा कि क्योंकि प्रताप सिंह खाचरियावास चुनाव हारने के बाद जनता की लड़ाई लड़ रहे हैं, हर मुद्दे पर सरकार को आईना दिखा रहे हैं। बदले की भावना से की गई इस कार्रवाई की मैं कड़ी निंदा करता हूं। खाचरियावास जी, कांग्रेस के बब्बर शेर हैं। डरेंगे नहीं, डटकर लड़ेंगे और जीतेंगे। भाजपा ने ED को अपना फ्रंटल ऑर्गेनाइजेशन बना लिया है। आज सरकारी एजेंसियों का काम सिर्फ राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों और जनता की बात करने वाले नेताओं को डराने-धमकाने का रह गया है।

डोटासरा ने आगे लिखा कि पिछले 11 वर्ष में मोदी सरकार ने भाजपा के कितने नेताओं पर ईडी की कार्रवाई की? सिर्फ विपक्ष के नेताओं को ही निशाना क्यों बनाया जा रहा है? भाजपा ने जिन नेताओं को भ्रष्टाचारी बताया, लेकिन भाजपा में शामिल होने के बाद क्या उन 'भ्रष्टाचारी' नेताओं पर सरकार ने कार्रवाई की? सत्ता की गोद में बैठने वाले कितने नेताओं पर कार्रवाई हुई? सरकार जवाब दें।

राजनीतिक उद्देश्य से मारे छापे- गहलोत

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने एक्स पर लिखा कि पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता प्रताप सिंह खाचरियावास के निवास पर ED की रेड की कार्रवाई निंदनीय है। 2020 में राजस्थान में कांग्रेस सरकार गिराने के प्रयास के समय भाजपा का मुखरता से विरोध करने पर खाचरियावास से ईडी ने केवल प्रताड़ित करने के उद्देश्य से 12 अगस्त 2020 को 7-8 घंटे लम्बी पूछताछ की थी। क्योंकि वो राजस्थान की भाजपा सरकार के खिलाफ मुखर रहते हैं तो फिर से ईडी ने दस्तक दे दी है।

उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव से पूर्व हमारे प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के घर, तत्कालीन विधायक ओम प्रकाश हुडला के घर भी राजनीतिक उद्देश्य से ईडी ने छापे मारे थे। तब भी ईडी एक्सपोज हुई थी। अब केंद्रीय जांच एजेंसियों की विपक्ष के नेताओं पर ऐसी कार्रवाई से किसी को भी अचंभा नहीं होता है। इन एजेंसियों का पूरा राजनीतिक दुरुपयोग किया जा रहा है और आम जनता के बीच भी यह साफ होता जा रहा है कि कांग्रेस के नेताओं को राजनीतिक लाभ के लिए टारगेट किया जाता है।

क्या है पूरा मामला... ?

राजस्थान में 17 वर्ष तक रियल एस्टेट में निवेश का काम करने वाली पीएसीएल में प्रदेश के 28 लाख लोगों ने करीब 2850 करोड़ निवेश किए थे. जबकि देश के 5.85 करोड़ लोगों ने कुल 49100 करोड़ का निवेश किया था। कंपनी पर बिहार, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, असम, कर्नाटक, जयपुर ग्रामीण, उदयपुर, आंध्र प्रदेश, पंजाब, छत्तीसगढ़ समेत आधे से ज्यादा राज्यों में मुकदमे दर्ज हैं। सबसे पहले जयपुर में एफआईआर दर्ज हुई थी। बताया जा रहा है कि इस केस में प्रताप सिंह की भागीदारी करीब 30 करोड़ की बताई जा रही है।

फॉर्मर रजिस्ट्री योजना में राजस्थान देश में टॉप पर, मध्यप्रदेश को पछाड़ा

जयपुर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं का किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए शुरू की गई किसान पंजीकरण योजना (फॉर्मर रजिस्ट्री) में राजस्थान अब तक देश में सबसे आगे रहे मध्यप्रदेश को पीछे छोड़ दिया। हालांकि जिलों में शत-प्रतिशत पंजीकरण के लक्ष्य की ओर डीडवाना-कुचामन, नागौर व कोटपूतली-बहरोड़ ही पहुंच पाए हैं, वहीं बीकानेर जिले में करीब आधे किसानों का ही पंजीकरण हुआ। योजना की शुरुआत उत्तरप्रदेश से हुई थी। उत्तरप्रदेश इस योजना में अव्वल पांच राज्यों में तो आ गया, लेकिन रैंकिंग में राजस्थान, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र से पीछे है। राजस्थान ने पायलट तौर पर दिसम्बर में सीकर से योजना शुरू की और फरवरी में जिलों में शिविर लगाकर इसकी औपचारिक शुरुआत की।

81 फीसदी किसानों का हुआ पंजीकरण

प्रदेश में पंजीकरण का कार्य इतनी तेजी से हुआ कि 91 लाख किसानों में से 74.40 लाख से अधिक का पंजीकरण हो चुका, जो कुल किसानों का 81 फीसदी से अधिक है।

कुछ समय पहले तक इस योजना में मध्यप्रदेश राजस्थान से आगे था, लेकिन अब वह भी पीछे रह गया है। किसानों के पंजीकरण में देशभर में महाराष्ट्र तीसरे, उत्तरप्रदेश चौथे और आंध्रप्रदेश पांचवे स्थान पर है।

जयपुर में 3.46 लाख से अधिक पंजीयन

डीडवाना-कुचामन, नागौर व कोटपूतली-बहरोड़ जिले किसानों के सौ फीसदी पंजीकरण के करीब हैं। हालांकि संख्या के लिहाज से जयपुर जिले में सर्वाधिक पंजीकरण हुआ। जयपुर जिले में 3.46 लाख, सीकर में 2.91 लाख, नागौर व झालावाड़ में 2.67 लाख और बाड़मेर में 2.55 लाख से अधिक किसानों का पंजीकरण हो चुका। इसी तरह डीडवाना-कुचामन में 2.17 लाख और कोटपूतली-बहरोड़ में 1.50 लाख से अधिक किसानों का पंजीकरण किया जा चुका।

जूली गंगाजल विवाद: दलितों के अपमान पर हमलावर हुए खरगे

बोले- प्रधानमंत्री को पूरे देश से मांगनी चाहिए माफी

अलवर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी के सुप्रीमो मल्लिकार्जुन खरगे ने अलवर में हुए गंगाजल विवाद को लेकर फिर बयान जारी किया है। उन्होंने मंदिर में गंगाजल छिड़कने से पैदा हुए विवाद और नेता प्रतिपक्ष राजस्थान विधानसभा टीकाराम जूली के समर्थन में फिर से एक बयान जारी कर कहा कि भाजपा के संकीर्ण मानसिकता की सोच वाले नेताओं की मानसिक स्थिति को उजागर किया है। खरगे बोले संविधान में दलितों की सुरक्षा के लिए अनेक आर्टिकल हैं। कई कानून बनाए गए, लेकिन उनका पालन नहीं हो रहा। पालन तो दूर की बात बल्कि दलितों का तिरस्कार किया जा रहा है।

यहां तक कि जब राजस्थान के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली राम मंदिर में जाते हैं तो वह स्थान गंगाजल भाजपा की संकीर्ण मानसिकता को उजागर करने वाले नेता धो देते हैं। खरगे ने कहा कि टीकाराम जूली खुद एक दलित हैं और इसीलिए उनका अपमान किया गया। संकीर्ण सोच वाले भाजपा नेताओं ने जूली के साथ जो किया वह किसी के साथ भी नहीं होना चाहिए। जूली का प्रकरण पूरी राजनीति और विशेषतया भाजपा के मुंह पर कालिख पोतने जैसा कर्म है और इसकी सभी को कड़ी भर्त्सना करनी चाहिए। ऐसे सवर्ण नेताओं का तिरस्कार करें, उनके लिए समाज में कोई स्थान नहीं है। उनकी कड़ी आलोचना होना ही चाहिए।

उन्होंने कहा कि एक तरफ नरेंद्र मोदी खुद को बैकवर्ड क्लास का नेता बताते हैं, लेकिन दूसरी तरफ जब देश में बैकवर्ड क्लास के लोगों और दलितों के साथ अत्याचार होता है तो उस पर वो एक शब्द भी नहीं बोलते। ये दिखाता है कि नरेंद्र मोदी संविधान की रक्षा में विफल हो गए हैं। संविधान की दुहाई देने वाले प्रधानमंत्री को अपने नेता के इस कृत्य के लिए पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। खरगे ने कहा कि दलित महिलाओं के साथ तो और भी बुरा बर्ताव देश में हो रहा है। मोदी जी इस मुद्दे पर खामोश हैं। वो संविधान की रक्षा नहीं कर पा रहे हैं और इसके लिए उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए।

मिनी सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी

कलेक्टर के पास आया मेल, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

अलवर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। अलवर मिनी सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इस सूचना के बाद हड़कंप की स्थिति बन गई। देर रात करीब 3:30 बजे जिला कलेक्टर की ऑफिशियल मेल आईडी पर एक धमकी भरा मेल आया, जिसमें सुबह 3:30 बजे तक सचिवालय को उड़ाने की बात कही गई।

जानकारी के अनुसार सुबह 3:30 बजे के आसपास जिला कलेक्टर की मेल आईडी पर एक धमकी भरा मेल प्राप्त हुआ। उसमें सचिवालय को उड़ाने की बात कही गई थी। हमने तुरंत सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट किया और भवन को खाली कराया गया है। शुरुआती जांच में यह मेल दक्षिण भारत से आया हुआ लग रहा है, जिसकी साइबर सेल जांच कर रही है। मेल की सूचना मिलते ही अलवर के पांच थानों की पुलिस, अतिरिक्त जिला कलेक्टर शहर बीना महावर, एसडीएम, एएसपी और डीएसपी मौके पर पहुंचे। पूरी इमारत को खाली करा लिया गया है और चारों ओर सुरक्षा घेरा बना दिया गया है।

सूत्रों के मुताबिक धमकी में आरडीएक्स जैसे विस्फोटक का ज़िक्र किया गया है। जयपुर से डॉग स्क्वॉड और बम निरोधक दस्ता रवाना हो चुका है। डीएसबी और साइबर टीम मेल के आईपी एड्रेस और स्रोत की जांच में जुटी हुई है। खास बात ये है कि आज भिवाड़ी के बीड़ा में मुख्य सचिव सुधांशु पंत की बैठक प्रस्तावित है। ऐसे में धमकी ने प्रशासन को और सतर्क कर दिया है। बता दें कि कुछ दिन पहले जयपुर कलेक्ट्रेट को भी इसी तरह की धमकी मिल चुकी है। फिलहाल पूरे सचिवालय परिसर को खाली कर सघन जांच की जा रही है और प्रशासन अलर्ट मोड पर है।

कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं को गोविंद सिंह डोटासरा की नसीहत

मेहनत नहीं करोगे तो छुट्टी हो जाएगी

जयपुर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन में काम नहीं करने वाले नेताओं को आराम देने की उठी मांग के बाद कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं को नसीहत दी है कि मेहनत नहीं करोगे तो कांग्रेसी कहलाने का अधिकार नहीं, उनकी छुट्टी कर दी जाएगी। वहीं राज्यपाल के जिलों में बैठकें लेने का जिक्र करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री की पावर ऊपर वालों ने सीज कर रखी है और मंत्रियों की राज्यपाल ने। जो बैठकें मंत्रियों को करनी होती है, वे राज्यपाल कर रहे हैं। फिर मुख्यमंत्री किस बात की समीक्षा कर रहे हैं।

नेता प्रतिपक्ष विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाएं

गोविंद सिंह डोटासरा सोमवार को आंबेडकर जयंती पर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में बोल रहे थे। डोटासरा ने कहा कि हर विधानसभा में दस-दस करोड़ रुपए में सड़कों के विकास कार्य कराने की घोषणा मुख्यमंत्री ने की थी। इसके प्रस्ताव कांग्रेस विधायकों के बजाय वहां भाजपा के हारे हुए नेताओं से ही लिए जा रहे हैं। इसके लिए नेता प्रतिपक्ष विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाएं।

...तो मंदिर और गुरुद्वारे कैसे बचेंगे : रंधावा

प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि भाजपा केवल आरएसएस की सोच पर काम कर रही है, यह 'हिंदू-मुसलमान' करके वोटो का ध्रुवीकरण करना चाहते हैं। मुसलमानों को परेशान करने के लिए वक्फ कानून लाया गया है। यदि पाकिस्तान भी इसी तरह का कानून ले आया तो फिर हमारे मंदिरों-गुरुद्वारों की रक्षा कैसे होगी।

तीन बच्चों की गला काटकर हत्या

माता-पिता ने हाथ की नस काटी

जोधपुर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। जोधपुर जिले के नजदीक फलोदी से एक हृदयविदारक खबर सामने आई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार माता.पिता ने अपनी दो बेटियों सहित तीन बच्चों की गला रेतकर हत्या कर दी। इस भयावह कृत्य के बाद, व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी कलाई काटकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। हांलाकि इसकी जानकारी जैसे-तैसे परिवार के अन्य लोगों को मिली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत हरकत में आई और घायल पिता शिवलाल मेघवाल को जिला अस्पताल फलोदी पहुंचाया। घटना फलोदी के कोलू पाबूजी के एमडी स्कूल के पास हुई।

प्रारंभिक जांच में घरेलू कलह को इस दुखद घटना का संभावित कारण बताया जा रहा है। घटनास्थल पर पुलिस अधीक्षक पूजा अवाना सहित उच्च पुलिस अधिकारी मौजूद हैं और मामले की गहन जांच कर रहे हैं। पुलिस इस जघन्य अपराध के पीछे के सही कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

यह घटना पूरे फलोदी क्षेत्र में शोक और सदमे की लहर दौड़ा गई है। पुलिस अधिकारी और परिवार के लोग शवों की हालत देखकर स्तब्ध हैं। पूरे घटनाक्रम के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। परिवार के अन्य लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। शवों को मुर्दाघर में रखवाया गया है। दम्पत्ति के बयान दर्ज करने की कोशिश की जा रही है।

8 महीने के बेटे समेत 4 की मौत, तेज रफ्तार कार ने बाइक के उड़ाए परखच्चे

कोटा, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा जिले के सुल्तानपुर थाना क्षेत्र से सुबह-सुबह एक दर्दनाक सड़क हुआ जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई। दरअसल तेज़ रफ्तार कार ने बाइक को इतनी जोरदार टक्कर मारी कि बच्चों समेत दंपति की मौत हो गई और बाइक के परखच्चे उड़ गए। हादसा इतना भयावह था कि चारों शव उछल कर झाड़ियों में इधर-उधर जा गिरे। सूचना मिलते ही सुल्तानपुर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू की। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज़ रफ्तार कार सामने से आ रही बाइक को जबरदस्त टक्कर मारते हुए निकल गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक पर सवार दंपति, 8 महीने का बेटा और 17 साल की साली घटनास्थल से दूर जा गिरे। राहगीरों ने हादसे को देखकर तुरंत एंबुलेंस और पुलिस को सूचना दी।

हादसे के बाद चारों को गंभीर हालत में सुल्तानपुर के अस्पताल ले जाया गया लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल के बाहर काफी भीड़ जमा हो गई। चारों शवो को सुल्तानपुर चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया गया है।

बीरा उर्फ लियाकत पुत्र सिद्दीक (निवासी भोरा) उसकी पत्नी सितारा और 8 माह के बच्चे लईक के साथ इटावा से बाइक पर मंगलवार सुबह अपने गांव भोरा वापस लौट रहा था। उनके साथ श्योपुर निवासी 17 साल की साली जोया भी थी। हादसे में कार सवार तीन लोगों को भी हल्की चोटें आई हैं। उन्हें अस्पताल में प्राथमिक उपचार दिया गया है। कार को जब्त कर लिया गया है और चालक से पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच में तेज़ रफ्तार और लापरवाही से गाड़ी चलाना हादसे का कारण माना जा रहा है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई में जुटी है।

पेपर लीक मामले में एसओजी ने स्टूडियो ओनर को किया अरेस्ट

फोटो एडिटिंग में था 'मास्टर'; डमी कैंडिडेट के एडमिट कार्ड किए थे तैयार

जयपुर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रतियोगी परीक्षाओं में फर्जीवाड़ा करने के मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने एक फोटोग्राफर को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने असली और डमी अभ्यर्थियों की तस्वीरों को मिलाकर एडमिट कार्ड तैयार किए थे, जिनके आधार पर परीक्षाओं में डमी अभ्यर्थी बैठे।

एटीएस-एसओजी के एडीजी वी.के. सिंह ने बताया कि आरोपी की पहचान महेंद्र कुमार घांची (42) निवासी ओडो की गली, भीनमाल (जालोर) के रूप में हुई है। वह भीनमाल में अजंता फोटो स्टूडियो चलाता है और फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी का काम करता है। साथ ही, वह फोटो एडिटिंग में भी माहिर है। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे 16 अप्रेल तक एसओजी रिमांड पर भेजा गया है। एडीजी वी.के. सिंह ने बताया कि इस मामले में पहले से गिरफ्तार मूल अभ्यर्थी रामनिवास बिश्नोई की सूचना पर कार्रवाई की गई। जांच में सामने आया कि महेंद्र ने रामनिवास बिश्नोई की जगह परीक्षा में बैठने वाले डमी अभ्यर्थी – एसडीएम हनुमानाराम की फोटो को एडिट कर नया चेहरा तैयार किया। इसी प्रकार एक अन्य मूल अभ्यर्थी नरपतराम और हनुमानाराम की फोटो एडिटिंग की गई, जिसे प्रवेश पत्र पर चस्पा कर हनुमानाराम ने दोनों अभ्यर्थियों की जगह परीक्षा दी। एसओजी सूत्रों के अनुसार, हनुमानाराम पर ग्राम सेवक, पटवारी और शिक्षक भर्ती परीक्षा में भी डमी अभ्यर्थी बनकर परीक्षा में बैठने का शक है। इस संबंध में संबंधित विभागों से दस्तावेज मांगे गए हैं, जिनकी जांच के बाद ही पूरी सच्चाई सामने आएगी। एसओजी ने हनुमानाराम, रामनिवास और नरपतराम – तीनों को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ की है।

चाय पीते-पीते आ गई मौत

थड़ी पर अचेत होकर गिरा छात्र

मां-बाप के सपने पूरे करने आया था कोटा

कोटा, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। कोटा शहर के कुन्हाड़ी इलाके में मंगलवार सुबह एक कोचिंग छात्र की रहस्यमयी हालात में मौत हो गई। मृतक छात्र की पहचान 23 वर्षीय देवकरण माली के रूप में हुई है जो मूल रूप से पाली का निवासी था और कोटा में रहकर पढ़ाई कर रहा था।

लाइब्रेरी से बाहर आकर पी रहा था चाय

जानकारी के अनुसार देवकरण रोजाना की तरह सुबह 7.15 बजे कुन्हाड़ी क्षेत्र की एक लाइब्रेरी में पढ़ने गया था। लाइब्रेरी से बाहर आने के बाद वह पास की एक थड़ी पर चाय पीने बैठा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार चाय पीते समय ही वह अचानक बेहोश होकर जमीन पर गिर गया। जिसके बाद आसपास के लोगों ने तुरंत एम्बुलेंस को सूचना दी। एम्बुलेंस की मदद से देवकरण को एमबीएस अस्पताल लाया गया जहां प्राथमिक जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अभी मौत का कोई स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। पुलिस को सूचना मिलते ही जांच में जुट गई।

8 महीने की गर्भवती महिला की मौत

गर्दन पर मिले चोट के निशान

अजमेर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। मांगलियावास थाना क्षेत्र के डोडियाना बेरा की ढाणी में आठ माह की गर्भवती विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। उसकी कोख में पल रहे बच्चे को भी नहीं बचाया जा सका। पुलिस ने मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करा शव पीहर पक्ष के सुपुर्द कर दिया। पुलिस मामले की पड़ताल में जुटी है। पुलिस के अनुसार मांगलियावास डोडियाणा बेरा की ढाणी निवासी शिव गुर्जर की पत्नी शोभा देवी (24) की संदिग्ध हालात में मृत्यु हो गई। पुलिस के पहुंचने से पूर्व ही परिजन ने विवाहिता के गले में कसा फंदा खोल दिया। पुलिस पहले उसे पीसांगन ले गई, लेकिन मामला संदिग्ध होने पर शव को जवाहरलाल नेहरू अस्पताल रैफर कर मेडिकल बोर्ड ने शव का पोस्टमार्टम किया।

पोस्टमार्टम की प्रथमदृष्ट्या रिपोर्ट में मृतका की मौत का कारण गर्दन पर दबाव पड़ने से होना सामने आया है। उसके गले में फंदा कसने के स्पष्ट निशान नहीं हैं जबकि जीभ बाहर निकली हुई थी। पुलिस विसरा जांच के लिए एफएसएल भेजेगी। इधर, पुलिस को शोभादेवी के पति शिव गुर्जर ने छत पर सोते हुए हार्ट अटैक की कहानी बयान की।

करंट लगने से दो किसानों की मौत

बूंदी, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। बूंदी.रामगंजबालाजी. बूंदी सदर थाना क्षेत्र के माटूंदा गांव में सोमवार दोपहर खेत में बो रखी फसल को पानी पिलाने के लिए ट्यूबवेल चलाते समय करंट की चपेट में आने से दो किसानों की दर्दनाक मौत हो गई। पहले किसान को करंट लगने पर उसे बचाने के प्रयास में दूसरा किसान भी करंट की चपेट में आ गया। हादसे के बाद गांव में मातम छा गया। सदर थानाधिकारी रमेशचंद आर्य के अनुसार माटूंदा गांव निवासी 60 वर्षीय रामदेव सैनी ने एक खेत आदोली पर ले रखा था। खेत में उसने पशुओं के लिए चारा बोया हुआ था। सोमवार दोपहर खेत में पिलाई के लिए वह ट्रांसफॉर्मर के पास मोटर का तार लगाने गया। इसी दौरान वह करंट की चपेट में आ गया और अचेत होकर गिर पड़ा। उसी समय पास में मवेशी चरा रहे 55 वर्षीय रामभरोस ङ्कषसह पानी पीने के लिए वहां पहुंचे। रामदेव को अचेत देखकर रामभरोस ङ्कषसह ने उसे छुड़ाने का प्रयास किया, लेकिन वे भी करंट की चपेट में आ गए और मौके पर ही उनकी भी मृत्यु हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों किसानों को ग्रामीणों की मदद से सामान्य चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां ड्यूटी चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कर शव सौंप दिए।

ठगी रोकते-रोकते खुद ठग बन गई पुलिस

100 से अधिक सहकर्मियों से करोड़ों रुपये ऐंठ ले गया कांस्टेबल

अजमेर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। अजमेर में तैनात एक कांस्टेबल पवन मीणा द्वारा किए गए करोड़ों रुपये की ठगी के मामले ने राजस्थान पुलिस महकमे को हिलाकर रख दिया है। आरोपी पवन मीणा ने अपने भाई और सरकारी शिक्षक कुलदीप मीणा के साथ मिलकर पुलिस विभाग के 100 से अधिक जवानों को निवेश के नाम पर झांसे में लेकर करोड़ों रुपये की ठगी की। मामले के सामने आने के बाद अजमेर एसपी वंदिता राणा ने आरोपी पवन मीणा को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। पुलिस के अनुसार, कांस्टेबल पवन मीणा अजमेर पुलिस लाइन में तैनात था और वह करौली जिले का निवासी है। उसकी अपने बैचमेट दीपक वैष्णव से पुरानी जान-पहचान थी। दीपक ने 9 अप्रैल 2025 को क्लॉक टावर थाने में पवन के खिलाफ एक करोड़ की ठगी का मामला दर्ज करवाया था। रिपोर्ट के अनुसार, पवन अक्सर दीपक के थाने आता था और बड़े प्रोजेक्ट्स में निवेश की बातें करता था। वह कहता था कि नेशनल हाईवे पर चल रहे प्रोजेक्ट्स में पैसा लगाकर चौगुना मुनाफा कमाया जा सकता है।

कालेश्वरम सरस्वती नदी पुष्करलु के लिए वेब पोर्टल, मोबाइल ऐप लॉन्च किया गया

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा और आईटी और उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने मंगलवार को सचिवालय में 'सरस्वती पुष्करलु' के बारे में व्यापक जानकारी प्रदान करने के लिए एक वेब पोर्टल और मोबाइल एप्लिकेशन को आधिकारिक रूप से लॉन्च किया, जो 15 से 26 मई तक जयशंकर भूपलपल्ली जिले के कालेश्वरम मंदिर में होने वाला है। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि राज्य सरकार 15 करोड़ रुपये की लागत से विस्तृत व्यवस्था कर रही है। पुष्करालु की भव्य सफलता के लिए 35 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है और अनुमान है कि प्रतिदिन लगभग 50,000 से एक लाख लोग पुष्करालु आएंगे।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद लागू की गई मुफ्त बस योजना से बंदोबस्ती विभाग को लाभ हुआ है क्योंकि महिलाएं बड़ी संख्या में मंदिरों में आ रही हैं। सरस्वती पुष्कर घाट पर देवी सरस्वती की 17 फुट की अखंड पत्थर की मूर्ति स्थापित की जाएगी। दोनों घाटों पर स्वागत द्वार भी बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पुष्करालु के 12 दिनों के दौरान मंदिर में विशेष होम और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की व्यवस्था की गई है। पुष्करालु के लिए आने वाले भक्तों की सुविधा के लिए, मंदिर में, बस स्टैंड और घाटों पर पार्किंग स्थलों पर विशेष चिकित्सा शिविर लगाए जाएंगे, जहां डॉक्टर और चिकित्सा कर्मचारी 24 घंटे उपलब्ध रहेंगे। उद्घाटन कार्यक्रम में प्रमुख सचिव (बंदोबस्ती) शैलजा रामअय्यर, आयुक्त श्रीधर, धर्मिका परिषद के सलाहकार गोविंदा हरि, भूपालपल्ली जिला कलेक्टर राहुल शर्मा, मंदिर ईओ महेश और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

गरीबों की झोपड़ियां हटाई गईं तो जनता का विरोध अपरिहार्य : जॉन वेस्ले

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीएम के राज्य सचिव जॉन वेस्ले ने आज कहा कि अगर राज्य सरकार महबूबाबाद जिले में गरीबों की झोपड़ियां हटाती है तो जनता का विरोध अपरिहार्य है। एक बयान में उन्होंने कहा कि महबूबाबाद जिला मुख्यालय में सरकारी ज़मीन पर हज़ारों बेघर गरीब लोग पिछले तीन सालों से झोपड़ियों में रह रहे हैं। आज सुबह पुलिस, राजस्व और नगर निगम के अधिकारियों ने जेसीबी से उन झोपड़ियों को गिराने की कोशिश की। ऐसी स्थिति है कि लोगों को डर है कि अगर झोपड़ियां हटाई गईं तो वे पेट्रोल डालकर आत्महत्या कर लेंगे। इस ज़मीन पर गरीबों की झोपड़ियां हटाकर प्रभावशाली लोगों के लिए घर बनाने की साज़िश चल रही है। सीपीआई(एम) तेलंगाना राज्य समिति मांग करती है कि मुख्यमंत्री तुरंत हस्तक्षेप करें और वहां रहने वाले सभी गरीबों को पट्टे जारी करने और घर बनाने के लिए कदम उठाएं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुरावी गेट के पास सर्वे नंबर 255/1 में 200 एकड़ सरकारी जमीन के बड़े हिस्से पर पहले ही कई जमींदारों ने कब्जा कर लिया है और इसे बेचने की कोशिश की है और कहा कि बाकी जमीन में से सिर्फ 20 एकड़ पर गरीबों का कब्जा है, जिन्होंने झोपड़ियां बना ली हैं और पिछले तीन सालों से वहां रह रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली बीआरएस सरकार ने भी 19 बार झोपड़ियों को ध्वस्त करने की कोशिश की और दावा किया कि उसने 200 लोगों के खिलाफ अवैध मामले दर्ज किए और उन्हें जेल भेज दिया। गरीब लोग वहां रह रहे हैं, सरकार की नजरबंदी का विरोध कर रहे हैं। कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद, इसने उन्हें दो बार ध्वस्त करने की कोशिश की। सीपीआई (एम) चेतावनी दे रही है कि सरकार को झोपड़ियों को हटाने और कुछ अनुयायियों को उनके साथ बांधने की साजिश में शामिल नहीं होना चाहिए। वेस्ले ने कहा कि जब स्थानीय विधायक ने इन गरीब लोगों के लिए भूमि के अधिकार जारी करने और घर बनाने की बात वर्तमान मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के ध्यान में लाई, तो उन्होंने उन्हें आश्वासन दिया कि गरीबों को घर की जगह उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

बैंकिंग क्षेत्र में असंख्य ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करने में अग्रणी

महावीर बैंक ने मलकाजगिरी जिले के एएस राव नगर में महावीरचंद अलीझार ने किया 10वीं नई शाखा का उद्घाटन

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बैंकिंग क्षेत्र में असंख्य ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करने में अग्रणी महावीर बैंक ने मेडचल मलकाजगिरी जिले के एएस राव नगर में 10वीं नई शाखा का उद्घाटन किया।

इस संदर्भ में, महावीर बैंक को-आपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, महावीर बैंक ने ईश्वरपूरी कालोनी, हाय टेंशन लेन, एएस राव नगर, कापरा मण्डल, मेडचल, मलकाजगिरी जिला में पन्ना ज्वैलर्स के प्रमुख महावीरचंद अलीझार ने सुबह 11 बजे अपनी 10वीं नई शाखा का उद्घाटन किया।

इस शुभावसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नवकार गोल्ड वर्ल्ड के प्रमुख अमित कुमार मुणोत तथा सम्माननीय अतिथियों के रूप में पुरोहित ज्वैलर्स के सोहनसिंह राजपुरोहित, अंबिका होजियरी के कैलाश शर्मा, बालाजी मिठाई भण्डार के उदय कुमार भाटी, त्रिशला ज्वैलर्स के संपतराज जैन एवं आसरा के उपाध्यक्ष नागेश्वर राव गेली उपस्थित हुए।

इस दौरान पर महावीर बैंक के अधिकारियों ने आगे बताया कि, एएस राव नगर की नई शाखा को मिलाकर, महावीर बैंक की कुल 10 शाखाएं हो चुकी है जिनमें, फीलखाना(मेन ब्रांच), अमीरपेट (एचओ एण्ड ब्रांच), सिकंदराबाद, शमशीरगंज, नागोल, अत्तापुर, बोडुप्पल, मेडचल व कुक्कटपल्ली शामिल हैं। उन्होंने बताया कि तत्संबंधित सभी शाखाएं असंख्य ग्राहकों को बैंकिंग की सेवाएं देने में सदा समर्पित हैं।

हरीश राव ने ब्याज मुक्त ऋण के झूठे दावों को लेकर कांग्रेस सरकार पर साधा निशाना

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस नेता टी हरीश राव ने कांग्रेस सरकार पर खोखले वादों और ब्याज मुक्त ऋण के बारे में बढ़ा-चढ़ाकर किए गए दावों से महिलाओं को गुमराह करने का आरोप लगाया।

वित्त मंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क के मंचेरियल में हाल ही में किए गए दावे पर हरीश राव ने कहा कि महिलाओं को 21,000 करोड़ रुपये के ब्याज मुक्त ऋण वितरित किए गए हैं। उन्होंने इसे पब्लिसिटी स्टंट बताया। उन्होंने कहा कि सरकारी नियम 27 के अनुसार, ब्याज मुक्त ऋण केवल 5 लाख रुपये तक ही लागू है। महिलाएं अभी भी शेष 15 लाख रुपये पर ब्याज दे रही हैं।

उन्होंने मांग की कि अगर 20 लाख रुपये तक के लोन वाकई ब्याज मुक्त हैं तो सरकार तत्काल आदेश जारी करे। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर कांग्रेस की धोखेबाजी उजागर हो जाएगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर इसमें सुधार नहीं किया गया तो महिलाएं कांग्रेस को सबक सिखाएंगी। बीआरएस विधायक ने कहा कि एक ही ऋण बीमा और दुर्घटना बीमा के चेक मुख्यमंत्री द्वारा दो बार दिए गए, पहली बार पिछले साल नवंबर में वारंगल में और फिर हैदराबाद में (मार्च 2025) - लेकिन अभी तक किसी का भी भुगतान नहीं किया गया।

हरीश राव ने छात्रों के लिए यूनिफॉर्म सिलाई शुल्क के मामले में सरकार की लापरवाही की भी आलोचना की और सवाल किया कि 75 रुपये कैसे पर्याप्त होंगे। कांग्रेस ने यूनिफॉर्म सिलाई शुल्क 50 रुपये से बढ़ाकर 75 रुपये कर दिया है, लेकिन बढ़ी हुई राशि अभी तक लाभार्थियों तक नहीं पहुंची है। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त 25 रुपए भी महिलाओं तक नहीं पहुंचे हैं। उन्होंने मांग की कि इस राशि को बढ़ाकर 150 रुपए किया जाना चाहिए।

पूर्व मंत्री ने स्वयं सहायता समूहों को ऋण देने वाली शाखा श्रीनिधि के कुप्रबंधन पर भी चिंता व्यक्त की, जहां 40 प्रतिशत ऋण गैर निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) में बदल गए हैं।

उन्होंने सरकार से इस मुद्दे को सुलझाने के लिए एक आईएएस अधिकारी की नियुक्ति करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी ने महिलाओं को करोड़पति बनाने का वादा किया था। आज उनके पास टूटे वादों और मुश्किलों के अलावा कुछ नहीं बचा है।

एम्बुलेंस तकनीशियन ने बचाई गर्भवती महिला और बच्चे की जान

सिद्दीपेट, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। '108' एम्बुलेंस सेवा के एक मेडिकल तकनीशियन ने मंगलवार सुबह कोंडापाक मंडल के तिम्मारेड्डीपल्ली में एक गर्भवती महिला का सुरक्षित सामान्य प्रसव कराकर और सीपीआर देकर बच्चे को पुनर्जीवित कर उसकी जान बचाई। मामला अत्यंत गंभीर था, क्योंकि गर्भावस्था के छठे महीने में उसे दर्द शुरू हुआ, जो उसका पहला प्रसव था। कोंडापाक में तैनात 108 सेवा को ओडिशा से आई एक प्रवासी मज़दूर, गर्भवती महिला त्रिवेणी (23) का फ़ोन आया। जब मेडिकल टेक्नीशियन बैंदला महेंद्र और पायलट रमेश मौके पर पहुंचे, तो उन्होंने पाया कि उसे काफ़ी रक्तस्राव हो रहा था।

महिला को शिफ्ट करने का समय नहीं था। सिद्दीपेट के सरकारी अस्पताल के डॉक्टर सुरेंदर से फोन पर सलाह लेने के बाद महेंद्र ने महिला के घर पर ही डिलीवरी करवाई। महिला ने एक लड़के को जन्म दिया। हालांकि, बच्चा बिल्कुल भी प्रतिक्रिया नहीं कर रहा था। डॉक्टर से दोबारा बात करने के बाद महेंद्र ने सीपीआर किया और बच्चे को होश में लाया। मां और बच्चे को बाद में सिद्दीपेट के एमसीएच में स्थानांतरित कर दिया गया। अस्पताल में उनका इलाज किया जा रहा है। मां और बच्चे की हालत स्थिर बताई गई है। महिला के पति सुरेन्द्र ने प्रसव कराने और अपनी पत्नी और बेटे की जान बचाने के लिए महेन्द्र को धन्यवाद दिया। दम्पति तिम्मारेड्डीपल्ली में एक फार्म हाउस में काम कर रहे थे।

बीसी गुरुकुल के 10 छात्र कोरुतला अस्पताल में भर्ती

जगतियाल, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कोरूटला स्थित बीसी आवासीय विद्यालय के दस छात्रों को बीमार होने पर स्थानीय सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों के अनुसार, छात्रों ने तेज बुखार की शिकायत की थी। उनमें से कुछ को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि अन्य को स्कूल में इलाज दिया जा रहा है, जहां एक मेडिकल कैंप लगाया गया है। कोरूट्ला के विधायक डॉ. संजय कुमार ने अस्पताल का दौरा किया और छात्रों से बातचीत की।

सिकंदराबाद कैंटोनमेंट्स के विधायक एन. श्री गणेश बोइनपल्ली मार्केट यार्ड पधारने पर उन्हें स्थानीय समस्यावों से अवगत कराया गया। इस अवसर पर उपस्थित बोइनपल्ली मार्केट कमेटी के अध्यक्ष आनंद बाबू गौड़, उपाध्यक्ष डी.बी. देवेन्द्र, सेलक्शन ग्रेड सचिव वेंकन्ना, अध्यक्ष एवं एएमसी सरकारी सलाहाकार सदस्य ए. गौतम जैन, सब्जी कमीशन व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष सोमा देवेन्द्र रेड्डी एवं अन्य इस अवसर पर उपस्थित थे।

भारी बारिश और ओलावृष्टि से खड़ी फसलें बर्बाद

खम्मम में कोयला उत्पादन प्रभावित

खम्मम, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारी बारिश और ओलावृष्टि से खम्मम में खड़ी फसलें नष्ट हो गईं, बाजारों में कृषि उपज नष्ट हो गई और कोयला उत्पादन प्रभावित हुआ। सतुपल्ली में भारी बारिश के कारण एससीसीएल की जेवीआर और किष्टाराम ओपनकास्ट खदानों में कोयला उत्पादन बाधित हुआ है, साथ ही ओवरबर्डन को हटाने का काम भी बाधित हुआ है। जेवीआर ओसी में प्रतिदिन औसतन 20,000 टन कोयला और लगभग 50,000 क्यूबिक मीटर मिट्टी की खुदाई की जाती है, लेकिन खदान में पानी भर जाने के कारण इसे रोक दिया गया।

दम्मापेटा, चंद्रुगोंडा, कोत्तागुडेम, रुद्रमपुर और पलोंचा मंडल में ओलावृष्टि हुई। चुंचुपल्ली, बर्गमपाड, अन्नापुरेड्डीपल्ले, सुजाता नगर और लक्ष्मीदेवीपल्ली मंडलों में असामयिक बारिश के कारण फसलें क्षतिग्रस्त हो गईं। कई जगहों पर धान मंडियों में सूख गया और खेतों में भीग गया। तेलंगाना रायथु संघम के जिला सचिव बोंथु रामबाबू ने कहा कि अधिकारियों की लापरवाही के कारण धान किसानों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। खम्मम जिले में धान खरीद केंद्र खुलने के बाद से ही किसान पिछले 15 दिनों से खरीद केंद्रों पर फंसे हुए हैं, क्योंकि समय पर बोरियां उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। उन्होंने मांग की कि धान की खरीद में तेजी लाई जानी चाहिए, क्योंकि बेमौसम बारिश की संभावना है।

केबीआर पार्क के आसपास सड़क निर्माण कार्य पड़ा ठप

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी इंटीग्रेटेड ट्रैफिक इन्फ्रास्ट्रक्चर (एचसीआईटीआई) परियोजना की आधारशिला रखे हुए चार महीने से अधिक समय हो गया है, लेकिन केबीआर पार्क के आसपास किए जाने वाले कार्य विभिन्न कारणों से विलंबित हो गए हैं। अधिकारी इस बात पर जोर देते हैं कि हैदराबाद स्थानीय निकाय एमएलसी चुनाव आचार संहिता के कारण इसमें देरी हुई है, लेकिन भूमि अधिग्रहण में आने वाली चुनौतियों, धन की कमी और सबसे महत्वपूर्ण बात, हाल ही में कांचा गच्चीबावली भूमि विवाद के कारण यह परियोजना ठंडे बस्ते में चली गई है।

पिछले साल दिसंबर में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने एचसीआईटीआई के पहले चरण के तहत 3,446 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की आधारशिला रखी थी। तब से अधिकारी समीक्षा बैठकें कर रहे हैं और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर कार्यों को पूरा करने की योजना बना रहे हैं, लेकिन चीजें उम्मीद के मुताबिक नहीं हो पा रही हैं। एचसीआईटीआई परियोजना के तहत सबसे पहले अंडरपास और फ्लाईओवर के जरिए केबीआर पार्क के आसपास यातायात की आवाजाही को बदलने की योजना बनाई गई थी। 826 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से सरकार ने रोड नंबर 45 से केबीआर पार्क और यूसुफगुडा तक वाई आकार का अंडरपास, केबीआर पार्क के प्रवेश द्वार से रोड नंबर 36 तक चार लेन का फ्लाईओवर और यूसुफगुडा से रोड नंबर 45 तक दो लेन का फ्लाईओवर बनाने की योजना बनाई थी। काम शुरू होने से पहले ही कई बाधाएं सामने आ गईं। कांग्रेस नेता और टॉलीवुड अभिनेता अल्लू अर्जुन के ससुर के चंद्रशेखर रेड्डी ने प्रजावाणी कार्यक्रम में एक आवेदन दायर कर सरकार से जुबली हिल्स रोड नंबर 92 के किनारे उनके खुले प्लॉट को अधिग्रहित करने के फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया। इसी तरह, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के अधिकारियों की टाउन प्लानिंग शाखा ने कुछ संपत्तियों को चिह्नित किया था, जिनमें टॉलीवुड अभिनेता और हिंदूपुर से तेलुगु देशम विधायक नंदमुरी बालकृष्ण, नागार्जुनसागर से कांग्रेस विधायक के जयवीर रेड्डी और अन्य शामिल हैं। कार्यों को निष्पादित करने के लिए अधिग्रहण के लिए कुल 295 संपत्तियों की पहचान की गई है। राजनीतिक नेताओं, उद्योगपतियों और प्रतिष्ठित व्यक्तियों की संपत्तियों के अलावा, कांचा गच्चीबावली भूमि मुद्दे में हुए झटके को देखते हुए, सरकार केबीआर पार्क के आसपास के कार्यों को निष्पादित करने में सावधानी से आगे बढ़ रही है, जो एक राष्ट्रीय उद्यान भी है। जीएचएमसी चुनाव तेजी से नजदीक आ रहे हैं, ऐसे में नगर निगम में अटकलें लगाई जा रही हैं कि सरकार काम को आगे नहीं बढ़ाएगी, क्योंकि इससे नुकसान हो सकता है।

सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर 6 प्लेटफार्म 4 महीने से अधिक समय तक रहेंगे बंद

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर पहुंचने वाले रेल यात्रियों को अस्थायी असुविधा का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि स्टेशन पर तेजी से चल रहे पुनर्विकास कार्यों के कारण छह प्लेटफार्म लगभग 130 दिनों के लिए बंद रहेंगे। सिकंदराबाद से चेर्लापल्ली, काचेगुडा और नामपल्ली रेलवे स्टेशनों पर कम से कम 60 ट्रेनों के रूट बदले जा रहे हैं। खास तौर पर सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर लोड कम करने के लिए चेर्लापल्ली से और अधिक ट्रेनें चलाई जाएंगी।

जानकारी के अनुसार, पुनर्विकास परियोजना के तहत स्टेशन पर एक विशाल दो मंजिला स्काई कॉनकोर्स बनाया जा रहा है। इस कॉनकोर्स में यात्रियों के लिए सभी सुविधाएं होंगी, जैसे कि रेस्टोरेंट, कियोस्क, एस्केलेटर, लिफ्ट, फुटओवर ब्रिज आदि। सभी स्काई कॉनकोर्स को आपस में जोड़ने की योजना बनाई गई है। प्लेटफार्म संख्या 5 और 6 के बीच 500 टन क्षमता वाली विशाल हैवी-ड्यूटी क्रेन लगाई जा रही है। इसके लिए प्लेटफार्म के बीच की जगह को रेत की बोरियों से भरा जाएगा और क्रेन की मदद से निर्माण कार्य कराया जाएगा। रेल यात्रियों को इस अस्थायी असुविधा से राहत दिलाने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने चर्लापल्ली, काचीगुडा और हैदराबाद रेलवे स्टेशनों से ट्रेनें चलाने की व्यवस्था की है।

धान खरीद में सरकार की विफलता को उजागर करता है किसान दंपत्ति का वायरल वीडियो

खम्मम, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। धान खरीद में राज्य सरकार की कथित लापरवाही के कारण हुए नुकसान पर विलाप करते एक दंपति का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। जिले के कल्लूर मंडल के पुल्लैया बंजारा गांव के बोल्लम रामैया और चंद्रकला नामक दंपत्ति 20 दिन पहले स्थानीय खरीद केंद्र पर धान लेकर आए थे। बेमौसम बारिश के कारण उपज भीग गई और फूल गई, क्योंकि अधिकारी 20 दिन बाद भी धान खरीदने में विफल रहे। दंपत्ति के दर्द ने सभी को झकझोर दिया है और कई लोगों ने धान खरीद में सरकार की विफलता पर सवाल उठाए हैं। हालांकि अधिकारियों ने बड़ी संख्या में धान खरीद केंद्र स्थापित करने का दावा किया है, लेकिन उनमें से कई ने धान की खरीद शुरू नहीं की है।

खम्मम में 2.58 लाख मीट्रिक टन धान खरीद के लक्ष्य के साथ 344 रबी धान खरीद केंद्र स्थापित करने की योजना बनाई गई थी। कोत्तागुडेम में 144 खरीद केंद्र स्थापित करने की योजना बनाई गई थी और 124 खोले गए। किसानों की शिकायत है कि खरीद केंद्रों पर अधिकारी नमी की कमी का बहाना बनाकर धान की खरीद में देरी कर रहे हैं। इस देरी के कारण किसानों को निजी व्यापारियों को कम कीमत पर धान बेचना पड़ रहा है। कल्लूर के किसानों की दुर्दशा पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस विधायक टी हरीश राव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कहा कि किसानों रामैया और चंद्रकला का दुख देखकर दिल टूट गया, जिन्होंने पट्टे पर ली गई 18 एकड़ जमीन पर धान की खेती की थी। किसानों को असमय बारिश, सिंचाई के लिए पानी की कमी और बिजली की समस्या जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ा, जब फसल क्रय केन्द्र पर लाई गई तो सरकार ने 20 दिन बाद भी उपज नहीं खरीदी। रमैया और चंद्रकला की दुर्दशा इस बात का सबूत है कि कांग्रेस सरकार को किसानों की कोई परवाह नहीं है। हरीश राव ने कहा कि यह कोई आपदा नहीं है जो प्रकृति ने किसानों के जीवन में ला दी है, बल्कि यह आपदा है जो कांग्रेस ने उनके जीवन में ला दी है। उन्होंने मांग की कि कांग्रेस सरकार को अपनी गहरी नींद से बाहर आकर किसानों की समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए। सरकार को उसकी लापरवाही के कारण खराब हुए हर दाने को खरीदना चाहिए और नुकसान झेलने वाले हर किसान को मुआवजा देना चाहिए।

किसानों ने पानी की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

वानापर्थी, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। फसलों को बचाने के लिए पर्याप्त पानी की आपूर्ति की मांग को लेकर किसानों ने मंगलवार को यहां जुराला परियोजना पर विरोध प्रदर्शन किया। सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए, किसान बड़ी संख्या में परियोजना पर एकत्र हुए और मांग की कि उनकी फसलों को बाईं नहर से पानी दिया जाए।

मुलामल्ला, नंदीमल्ला गुंटिपल्ली, मोटामपल्ली, अरेपल्ली, कट्टपल्ली, थम्पल्ली और अन्य गांवों के किसान परियोजना स्थल पर पहुंचे और सड़क जाम कर दी। पुलिस के मौके पर पहुंचने के बाद परियोजना स्थल पर तनाव व्याप्त हो गया। किसानों, जिनमें महिलाएं भी शामिल थीं, का कहना था कि अपर्याप्त जलापूर्ति के कारण उनकी फसलें सूख रही हैं। पुलिस ने अवरोध हटाने का प्रयास किया, लेकिन किसानों की उनसे बहस हो गई।

किसान अपनी मांगों पर अड़े रहे और कहा कि जब तक राज्य सरकार बायीं नहर से पानी नहीं छोड़ती, तब तक उनका विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

एसीबी ने 70,000 रुपये की रिश्वत मांगने के आरोप में जीएचएमसी अधिकारी को किया गिरफ्तार

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारियों ने मंगलवार को जीएचएमसी, सेरिलिंगमपल्ली जोन के शहरी जैव-विविधता के उप निदेशक वी श्रीनिवास को चारमीनार स्थित उनके कार्यालय में 70,000 रुपये की रिश्वत मांगते और स्वीकार करते हुए पकड़ा। एसीबी अधिकारियों ने बताया कि श्रीनिवास ने शहरी जैव विविधता विंग, जीएचएमसी को पौधों की आपूर्ति के लिए चेक-माप वाले बिलों को मंजूरी देने के लिए शिकायतकर्ता से कथित तौर पर 2.2 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। बातचीत के बाद, उन्होंने 70,000 रुपये स्वीकार कर लिए। उसके पास से रिश्वत की राशि बरामद कर ली गई और उसे गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत के लिए एसीबी के समक्ष पेश किया गया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आईपीएल के बीच श्रेयस अय्यर की खुली किस्मत

मार्च 2025 के लिए आईसीसी पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड अपने नाम कर लिया है

खेल डेस्क, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय में फिलहाल क्रिकेट की सबसे बड़ी लीग आईपीएल खेली जा रही है. दुनिया के सभी स्टार खिलाड़ी इस लीग में खेल रहे हैं. इसी बीच इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को बड़ा दोहफा दिया है.

श्रेयस अय्यर ने पिछले महीने टीम इंडिया को चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी. वह भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे. इस शानदार प्रदर्शन के लिए अब उन्हें आईसीसी ने इनाम दिया है.

श्रेयस अय्यर को आईसीसी ने दिया ये बड़ा इनाम

श्रेयस अय्यर ने न्यूजीलैंड के जैकब डफी और रचिन रवींद्र को पछाड़कर मार्च 2025 के लिए आईसीसी पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड अपने नाम कर लिया है. उन्होंने भारत की चैंपियंस ट्रॉफी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. भारत ने लगातार दूसरी बार ये अवॉर्ड जीता है. इससे पहले फरवरी में शुभमन गिल प्लेयर ऑफ द मंथ चुने गए थे. वहीं, श्रेयस अय्यर ने दूसरी बार ये अवॉर्ड जीता है. इससे पहले भारत की तरफ से शुभमन गिल और जसप्रीत बुमराह ही इस अवॉर्ड को 2 या उससे ज्यादा बार जीत चुके हैं.

प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड जीतने पर अय्यर ने कहा, 'मार्च के लिए आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ चुने जाने पर मैं वास्तव में सम्मानित महसूस कर रहा हूं. यह सम्मान अविश्वसनीय रूप से खास है, खासकर उस महीने में जब हमने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती, एक ऐसा क्षण जिसे मैं हमेशा संजो कर रखूंगा.' इतने बड़े मंच पर भारत की सफलता में योगदान देने में सक्षम होना कुछ ऐसा है जो हर क्रिकेटर का सपना होता है. मैं अपने साथियों, कोचों और सहयोगी स्टाफ के प्रति उनके अटूट समर्थन और विश्वास के लिए आभारी हूं.'

मार्च महीने में कैसा रहा प्रदर्शन?

श्रेयस अय्यर मार्च महीने में कुल 3 वनडे मैच खेले और 57.33 की औसत से 172 रन बनाए. इस दौरान उन्हें ग्रुप ए के एक मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ 79 रन, सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 45 रन बनाए और फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 48 रन बनाकर भारत को चैंपियन बनाया.

भारत-बांग्लादेश क्रिकेट सीरीज का शेड्यूल घोषित

10 साल बाद बांग्लादेश में वनडे सीरीज जीतने उतरेगी टीम इंडिया, 17 अगस्त से मैच

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय टीम इस साल अगस्त में बांग्लादेश दौरे पर जाएगी। इस दौरे पर मेजबान बांग्लादेश टीम इंडिया के साथ 3 मैच की वनडे सीरीज और 3 मैच की टी-20 सीरीज खेलेगा। इसकी शुरुआत 17 अगस्त से होगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने मंगलवार, 15 अप्रैल को इसका शेड्यूल जारी किया।

भारत का बांग्लादेश दौरा 2025

वनडे सीरीज

पहला मैच	दूसरा मैच	तीसरा मैच
17 अगस्त	20 अगस्त	23 अगस्त
SBNCS मीरपुर	SBNCS मीरपुर	BSSF MRCS चट्टोग्राम

T20 सीरीज

पहला मैच	दूसरा मैच	तीसरा मैच
26 अगस्त	29 अगस्त	31 अगस्त
BSSF MRCS चट्टोग्राम	SBNCS मीरपुर	SBNCS मीरपुर

पहला मैच 17 अगस्त को मीरपुर में खेला जाएगा

इस सीरीज का पहला मैच 17 अगस्त को मीरपुर में खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा वनडे 20 अगस्त को मीरपुर में ही खेला जाएगा। फिर सीरीज का तीसरा और आखिरी मैच 23 अगस्त को चट्टोग्राम में खेला जाएगा। वनडे सीरीज के बाद 3 मैचों की टी-20 सीरीज भी खेली जाएगी। टी-20 सीरीज का आगाज 26 अगस्त को चट्टोग्राम में ही होगा।

2014 में आखिरी बार बांग्लादेश में जीती सीरीज

भारत और बांग्लादेश के बीच अब तक कुल 5 वनडे सीरीज खेली गई है। यह सभी सीरीज बांग्लादेश में ही खेली गई हैं। इसमें से भारत 3 और बांग्लादेश 2 सीरीज जीता। आखिरी के दोनों सीरीज बांग्लादेश ने जीते हैं। भारतीय टीम आखिरी बार 2014 में वनडे सीरीज जीती थी। वहीं, दोनों टीमों के बीच अब तक 2 टी-20 सीरीज खेली गई है। ये दोनों भारत ने जीती हैं।

आईपीएल के बाद इंग्लैंड जाएगी टीम इंडिया

फिलहाल खिलाड़ी आईपीएल में बिजी हैं। 25 मई को आईपीएल खत्म होगा। इसके बाद 20 जून से टीम इंडिया को इंग्लैंड में 5 टेस्ट की सीरीज खेलनी है। सीरीज 4 अगस्त तक चलेगी। 5 मुकाबले लीड्स, बर्मिंघम, लॉर्ड्स, मैनचेस्टर और द ओवल के मैदानों पर खेले जाएंगे।

इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने इसी महीने बताया कि बोर्ड पटौदी ट्रॉफी को रिटायर करने वाला है। भारत और इंग्लैंड के बीच होने वाली टेस्ट सीरीज को पटौदी ट्रॉफी कहा जाता है। 2007 में इसकी शुरुआत हुई थी, लेकिन 2025 में ट्रॉफी का नाम बदल दिया जाएगा। नया नाम क्या होगा, यह अब तक तय नहीं हुआ।

निकोलस पूरन पर मंडराया खतरा, सीएसके के खिलाफ हुए थे फ्लॉप, छिन सकती है ऑरेंज कैप

नई दिल्ली15 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 में अब एलएसजी के विस्फोटक बल्लेबाज निकोलस पूरन की ऑरेंज कैप पर खतरा मंडराने लगा है। सीएसके के खिलाफ पूरन महज 8 रन बनाकर आउट हो गए थे।

आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेले गए मैच में निकोलस पूरन फ्लॉप हुए। हालांकि अभी भी पूरन ऑरेंज कैप की लिस्ट में पहले पायदान पर बने हुए हैं, लेकिन अब उनकी जगह पर खतरा मंडरा रहा है। बीते दिन सीएसके के खिलाफ बल्लेबाजी करते हुए निकोलस पूरन महज 8 रन बनाकर आउट हो गए थे। फिलहाल पूरन 7 मैचों में 357 रन बनाने के साथ ऑरेंज कैप की लिस्ट में पहले पायदान पर बने हुए हैं। अभी तक पूरन 31 छक्के भी लगा चुके हैं।

वहीं ऑरेंज कैप की लिस्ट में पूरन को गुजरात टाइटंस के साईं सुदर्शन से खतरा है। फिलहाल साईं सुदर्शन ने 6 मैचों में 329 रन बनाए हैं और वे इस लिस्ट में दूसरे पायदान पर बने हुए हैं। अगर अगले मैच में सुदर्शन 29 रन बना लेते हैं तो वे पूरन को पीछे छोड़कर ऑरेंज कैप के हकदार हो जाएंगे।

'बॉलिंग अटैक बढ़िया लग रहा है'

अश्विन को प्लेइंग 11 से बाहर करने के बाद धोनी ने दिया शॉकिंग बयान

मुंबई, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 में पांच बार की चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स ने लगातार हार का सिलसिला तोड़ते हुए लखनऊ सुपर जायंट्स को पांच विकेट से मात दी। टीम की जीत में कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने अहम भूमिका निभाई और सिर्फ 11 गेंदों पर 26 रन जड़कर प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड अपने नाम किया। धोनी ने मैच के बाद एलएसजी के खिलाफ सीएसके की प्लेइंग इलेवन से रविचंद्रन अश्विन को बाहर रखने के फैसले पर टिप्पणी की।

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए धोनी ने कहा कि टीम अश्विन पर बहुत ज्यादा दबाव डाल रही थी। उन्होंने कहा कि स्पिनर का इस्तेमाल पावरप्ले में किया जा रहा था, जिसका असर अश्विन पर पड़ा। इसके अलावा धोनी ने कहा कि अश्विन को बाहर करने के बाद टीम का बॉलिंग अटैक बेहतर नजर आ रहा है।

हम ऐश पर ज्यादा दबाव डाल रहे थे- धोनी

धोनी ने कहा, 'हम ऐश पर बहुत ज्यादा दबाव डाल रहे थे। वह पहले छह ओवर में दो ओवर गेंदबाजी कर रहा था। हमने बदलाव किए और यह बेहतर बॉलिंग अटैक लग रहा है।' बता दें कि इस सीजन अश्विन ने 10 साल बाद सीएसके टीम में वापसी की। उन्हें आईपीएल 2025 से पहले हुए मेगा ऑक्शन में राजस्थान रॉयल्स द्वारा रिलीज किए जाने के बाद चेन्नई की टीम ने 9.75 करोड़ रुपये में खरीदा था। हालांकि, पुरानी टीम में उनकी वापसी कुछ खास नहीं रही है।

आईपीएल 2025 में अश्विन का प्रदर्शन

अश्विन आईपीएल 2025 में अब तक 6 मैचों में केवल पांच विकेट ही ले पाए हैं। उन्होंने इस दौरान 120 गेंदों पर 9.90 की इकॉनमी रेट से 198 रन दिए हैं। शायद यही वजह है कि धोनी को गेंदबाजी के मामले में सीएसके की रणनीति पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर किया है। लखनऊ के खिलाफ मैच में धोनी ने दो बदलाव किए, जहां डेवोन कॉनवे की जगह शेख रशीद, वहीं आर अश्विन की जगह जेमी ओवर्टन खेले।

ऑस्ट्रेलिया में दिखेंगी काशी की पूजा

पहली बार भारतीय महिला हॉकी टीम में जिले का प्रतिनिधित्व

वाराणसी, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय महिला हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज खेलेगी। भारतीय महिला हॉकी टीम में वाराणसी के गंगापुर की निवासी पूजा यादव का चयन हुआ है। मिडफील्डर पूजा वाराणसी की पहली महिला हॉकी खिलाड़ी बन गई जिसका चयन भारतीय महिला हॉकी टीम में शामिल किया गया है। पूजा ने बैंगलोर से फोन पर बातचीत में बताया कि आज वह अपने माता-पिता की तपस्या के कारण पहुंची है। पिता महेंद्र यादव दूध बेचने का काम करते हैं। माता कलावती देवी ग्रहणी हैं। वह छह बहन व एक भाई हैं। वह पांचवें नंबर पर है। ओलंपियन ललित उपाध्याय की वीडियो देख वह प्रेरित होती हैं। गंगापुर से उसने अपनी हॉकी यात्रा शुरू की। वहां से साई के कोच द्वारा खेल निखारा। अभी लखनऊ साई हॉस्टल में है। पूर्वांचल विश्विद्यालय जौनपुर से बीए कर रही हैं। हॉकी वाराणसी के अध्यक्ष डॉ. एके सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों के कारण खेलों का बहुत विकास हो रहा है। कहा कि पूजा के चयन के बाद बालिका खिलाडियों मे इस खेल की तरफ और आकर्षित होंगी। हॉकी वाराणसी के सचिव केबी रावत ने कहा कि बनारस के हॉकी के लिए 14 अप्रैल, 2025 यादगार लम्हा बन गया।

विनोद कांबली की मदद के लिए आगे आए सुनील गावस्कर

मेडिकल खर्चे के साथ हर महीने देंगे 30 हजार

मुंबई, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। विनोद कांबली के लिए सुनील गावस्कर ने मदद का हाथ बढ़ाया है. ये मदद गावस्कर के चैम्प्स फाउंडेशन की ओर से की जाएगी. इस मदद के तहत कांबली को हर महीने 30000 रुपये आगे पूरी जिंदगी दिए जाएंगे. उसके अलावा उन्हें पूरे साल के मेडिकल खर्चे के तौर पर 30000 रुपये अलग से भी मिलेंगे. सुनील गावस्कर के चैम्प्स फाउंडेशन की शुरुआत 1999 में इसी मकसद के साथ हुई थी कि उससे जरूरतमंद इंटरनेशनल क्रिकेटरों को मदद की जाएगी.

टीओआई की रिपोर्ट के मुताबिक, विनोद कांबली को हर महीने 30000 रुपये फाउंडेशन की ओर से देने की प्रक्रिया को 1 अप्रैल से ही लागू कर दिया गया है. 53 साल के कांबली आगे अब जब तक जिंदा रहेंगे, उन्हें ये पैसे मिलते रहेंगे. इसके अलावा उन्हें 30000 रुपये का सालाना मेडिकल खर्च जो मिलेगा, वो अलग से होगा. विनोद कांबली से सुनील गावस्कर की मुलाकात वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं सालगिरह पर 11 जनवरी को हुई थी. उस दौरान कांबली, गावस्कर के पैर छूते हुए इमोशनल हो गए थे. उस मुलाकात के बाद अब सुनील गावस्कर के फाउंडेशन का ये फैसला स्वागत के योग्य है.

पिछले साल दिसंबर में विनोद कांबली की तबीयत काफी बिगड़ गई थी. उन्हें यूरिन इंफेक्शन हो गया था, जिसके बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था. कांबली के सेहत के बिगड़ने के बाद से ही गावस्कर उनकी मदद करने को लेकर इच्छुक थे. वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं सालगिरह के दौरान गावस्कर सिर्फ विनोद कांबली से ही नहीं बल्कि उनके दो डॉक्टरों से भी मिले. जिसके बाद उनका बाएं हाथ के पूर्व बल्लेबाज को मदद करने का इरादा और पुख्ता हो गया.

पीएसएल में दिखा विराट कोहली का जबरदस्त क्रेज

इस्लामाबाद, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली के दुनियाभर में फैंस हैं। उनकी दीवानगी पाकिस्तान जैसे देश में भी देखने को मिलती है, जो अकसर भारत की बुराई करता रहता है। भारत में खेले जा रहे आईपीएल 2025 की तरह ही पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान में इस समय पाकिस्तान सुपर लीग 2025 का घमासान जारी है। इस लीग में रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में इस्लामाबाद यूनाइटेड और पेशावर जाल्मी के बीच मैच खेला गया, जहां विराट का क्रेज देखने को मिला। इस मैच में एक फैन विराट का भी देखने को मिला, जिसकी जर्सी पर उनका प्रतिष्ठित नंबर 18 लिखा हुआ था।

इस फैन की तस्वीर सोशल मीडिया पर तुरंत वायरल हो गई। मैच में इस्लामाबाद ने पेशावर को 102 रनों से मात दी। यह पहली बार नहीं था जब इस सीजन में पीएसएल के किसी मैच के दौरान विराट के किसी फैन को देखा गया है।

पाकिस्तान में काफी हैं विराट के फैंस

इससे पहले शनिवार को मुल्तान सुल्तांस और कराची किंग्स के बीच मैच से पहले भी कराची के नेशनल स्टेडियम के बाहर एक फैन की तस्वीर वायरल हुई थी, जिसमें वह कोहली के नाम और पीठ पर उनके प्रतिष्ठित नंबर 18 के साथ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की जर्सी पहने हुए देखा गया था।

कोहली की बात करें तो वो इस समय आईपीएल 2025 में बिजी हैं, जहां वो आरसीबी के लिए खेल रहे हैं। हर बार की तरह ही इस सीजन भी विराट का बल्ला आग उगल रहा है। उन्होंने अब तक छह मैचों में 62 की शानदार औसत और 143 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से 248 रन बनाए हैं, जिसमें तीन फिफ्टी शामिल हैं।

'मैं नहीं चाहता किसी अन्य टीम को मिले'

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के हाथ से गिरी ट्रॉफी

खेल डेस्क, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस इन दिनों सुर्खियों में हैं। इसका कारण उनके हाथों से ट्रॉफी का गिरकर टूटना है। दरअसल, ओहयो स्टेट यूनिवर्सिटी की फुटबॉल टीम ने व्हाइट हाउस का दौरा किया था। इस दौरान कॉलेज फुटबॉल प्लेऑफ नेशनल चैंपियनशिप की ट्रॉफी को उपराष्ट्रपति ने गलती से गिरा दिया और वह टूट गई। अब इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

जेडी वेंस के हाथ से टूटी ट्रॉफी, वीडियो

व्हाइट हाउस के साउथ लॉन में ओहयो स्टेट की फुटबॉल टीम को सम्मानित करने के लिए समारोह का आयोजन हुआ था। इस दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने टीम की तारीफ की और फोटो सेशन हुआ। इसके बाद वेंस ने मंच पर ट्रॉफी उठाने की कोशिश की, जैसे ही उन्होंने ट्रॉफी उठाई उसका ऊपरी हिस्सा और नीचे का हिस्सा अलग हो गया। ट्रॉफी का बेस जमीन पर गिर गया जबकि ओहयो स्टेट के ट्रेवेयॉन हेंडरसन ने ऊपरी हिस्सा बचा लिया। इस घटना ने सभी को चौंका दिया। हालांकि, वेंस ने हेंडरसन की मदद से ट्रॉफी को जोड़ा।

वेंस ने दिया मजेदार जवाब

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिस पर यूजर्स मिली जुली प्रतिक्रिया दे रहे हैं। इस पर जवाब देते हुए जेडी वेंस ने ट्वीट किया। उन्होंने मजाकिया अंदाज में लिखा- 'मैं नहीं चाहता था कि ओहयो स्टेट के बाद कोई और इस ट्रॉफी को ले।' बता दें कि, जेडी वेंस ओहयो स्टेट के 2007 के पूर्व छात्र हैं।

एमबाप्पे को छह साल में पहला रेड कार्ड मिला

रियल मैड्रिड ने अलावेस को 1-0 से हराया

मैड्रिड, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। किलियम एम्बाप्पे को रेड कार्ड मिलने की वजह से उनके बिना खेल रही रियल मैड्रिड ने अलावेस के खिलाफ 1-0 से जीत दर्ज की। स्पैनिश फुटबॉल लीग ला लिगा के इस मैच में रियल मैड्रिड के स्टार स्ट्राइकर एम्बाप्पे को 2019 के बाद पहली बार रेड कार्ड का सामना करना पड़ा।

एमबाप्पे को अलावेस के मिडफील्डर एंटोनियो ब्लैंको को गलत ढंग से टैकल करने के कारण मध्यांतर से ठीक पहले बाहर भेज दिया गया। फ्रांस के स्टार को शुरुआत में पीला कार्ड दिखाया गया था लेकिन वीडियो समीक्षा के बाद रेफरी ने इसे रेड कार्ड में बदल दिया।

यह 2019 के बाद पहला अवसर है, जबकि एमबाप्पे को किसी भी प्रतियोगिता में रेड कार्ड मिला। इस कारण वह कम से कम अगले रविवार को एथलेटिक बिलबाओ में होने वाले स्पेनिश लीग मैच में नहीं खेल पाएंगे। एडुआर्डो कैमाविंगा ने 34वें मिनट में रियल मैड्रिड की तरफ से गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ।

इससे रियल मैड्रिड और शीर्ष पर काबिज बार्सिलोना के बीच केवल चार अंक का अंतर रह गया है। बार्सिलोना के 31 मैच में 70 और रियल मैड्रिड के इतने ही मैच में 66 अंक हैं।

सिंगर लियोनल रिची से पहली बार मिले मेसी

रिची के नाम पर रखा गया था स्टार फुटबॉलर का नाम

खेल डेस्क, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी पहली बार पॉप सिंगर लियोनल रिची से मिले हैं। स्टार फुटबॉलर का नाम इन्हीं सिंगर के नाम पर रखा गया है। मेसी ने इसकी पुष्टि रिची से मुलाकात के दौरान की। वहीं, रिची ने भी एक पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी है।

सिंगर ने पोस्ट किए फोटोज

छोटे से मुलाकात के दौरान मेसी ने पुष्टि की कि उनकी मां सीलिया रिची की बहुत बड़ी फैन थीं और उनका नाम रिची के नाम पर रखा गया था। दोनों की मुलाकात कॉनकाकाफ चैंपियंस कप के दौरान यूएस में हुई।

रिची ने मेसी से मुलाकात की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। रिची ने कैप्शन में लिखा, 'जब लियोनल लियोनल से मिलते हैं! उसकी मां ने उसका नाम मेरे नाम पर रखा था। और अब हम यहां हैं। आपसे मिलकर बहुत अच्छा लगा।' रिची ने इसकी साथ एक हसने वाली इमोजी भी बनाई है।

मेसी के माता-पिता रिची को बहुत पसंद करते थे। उनका एल्बम 'डांसिंग ऑन द सीलिंग' मेसी के जन्म से एक साल पहले 1986 में आया था। मेसी का जन्म 1987 में हुआ था। यह एल्बम डबल-प्लैटिनम बन गया था और इसमें टाइटल ट्रैक 'बैलेरिना गर्ल' और 'से यू, से मी' जैसे गाने शामिल थे। इसके अलावा उनका 'हेलो' गाना भी काफी फेमस है। डबल प्लैटिनम एल्बम का मतलब कि किसी एल्बम की US में दो मिलियन कॉपी बिक चुकी हैं।

अर्जेंटीना मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन है। टीम ने मेसी की कप्तानी में 2022 में खेले गए फीफा वर्ल्ड कप फाइनल में फ्रांस को पेनल्टी शूट आउट में 4-2 से हराकर खिताब जीता था। अर्जेंटीना को इससे पहले 1986 में खिताबी कामयाबी मिली थी। अर्जेंटीना का यह ओवरऑल तीसरा खिताब रहा। टीम 1978 में पहली बार वर्ल्ड चैंपियन बनी थी। मेसी फिलहाल इंटर मियामी से क्लब फुटबॉल खेलते हैं।

मेसी जब 10 साल के थे तो पता चला कि उन्हें 'ग्रोथ हार्मोन डेफिशिएंसी' की बीमारी है। इससे शरीर का विकास रुक जाता है। इसके इलाज में हर महीने 1000 डॉलर का खर्च उठाना परिवार के लिए मुमकिन नहीं था। तब नेवल्स ओल्ड बॉय क्लब ने बार्सिलोना क्लब को इसकी जानकारी दी, जो मेसी के खेल से काफी प्रभावित था और उसे टीम में शामिल करना चाहता था। फिर क्लब ने उनकी बिमारी का इलाज कराया।

वैश्विक व्यापार केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है हैदराबाद : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने घोषणा की है कि राज्य सरकार वर्ष 2030 तक हैदराबाद में 200 मिलियन वर्ग फीट ग्रेड-ए वाणिज्यिक स्थान विकसित करने की योजना बना रही है।

वे मंगलवार को नानकरामगुडा में आयोजित "सिटीजन्स ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर" के औपचारिक उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे, जो सिटीजन्स फाइनेंशियल ग्रुप (यूएसए) और कॉग्निजेंट टेक्नोलॉजीज की एक संयुक्त पहल है। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि हैदराबाद तेजी से एक वैश्विक व्यापार केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है, जिसके परिणामस्वरूप उच्च गुणवत्ता वाले वाणिज्यिक स्थान की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, "दिल्ली और चेन्नई जैसे मेट्रो शहरों के विपरीत, जहां मांग कम हो रही है, हैदराबाद ने पिछले साल वाणिज्यिक स्थान अवशोषण में उल्लेखनीय 56 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की। यह देश में सबसे अधिक है। अकेले खुदरा क्षेत्र में, पिछले वर्ष विभिन्न फर्मों द्वारा 1.8 मिलियन वर्ग फुट पट्टे पर दिया गया था।" हैदराबाद की बढ़ती वैश्विक प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए, श्रीधर बाबू ने कहा कि शहर में वर्तमान में एमजेन, ग्लोबललॉजिक, एली लिली, मैरियट और सिग्ना जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के 355 वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) हैं, जो सामूहिक रूप से 300,000 से अधिक पेशेवरों को रोजगार देते हैं। हैदराबाद में केवल एक वर्ष के भीतर 70 से अधिक नए जीसीसी स्थापित किए गए हैं। श्रीधर बाबू ने हैदराबाद को न केवल जीसीसी का केंद्र बनाने के लिए बल्कि नवाचार, अनुसंधान एवं विकास और उत्पाद विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए उन्हें वैश्विक मूल्यवर्धित केंद्रों में बदलने के राज्य के दृष्टिकोण को रेखांकित किया। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत के सकल घरेलू उत्पाद में तेलंगाना का योगदान 2030 तक एक ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा।

मंत्री ने निवेश आकर्षित करने और युवाओं के लिए रोजगार पैदा करने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि की। कुछ लोगों द्वारा जानबूझकर गलत सूचना फैलाने और निवेश को हतोत्साहित करने के प्रयासों की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में सरकार को औद्योगिक समुदाय का भरोसा प्राप्त है और कई निवेशक तेलंगाना में परिचालन स्थापित करने में गहरी दिलचस्पी दिखा रहे हैं।

महिला ने नागा साधू के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एक महिला ने मोकिला पुलिस से संपर्क कर आरोप लगाया कि उसे एक महिला घोरी ने धोखा दिया है, जो खुद को नागा साधु बताती है। शिकायत में महिला ने आरोप लगाया कि महिला अघोरी ने उसकी समस्याओं को हल करने और उसके स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों को ठीक करने के खोखले वादे किए।

जानकारी के अनुसार, अघोरी ने 'विशेष पूजा' करके शिकायतकर्ता की सभी समस्याओं का समाधान करने का दावा किया और लगभग 9.8 लाख रुपये एकत्र कर ठगी की। शिकायत के आधार पर मोकिला पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सीएलपी बैठक सफलतापूर्वक संपन्न : महेश

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने शमशाबाद में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सीएलपी बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। उन्होंने कहा कि हम उत्तम गुणवत्ता वाले चावल का वितरण इस प्रकार से कर रहे हैं जैसा देश के इतिहास में किसी भी राज्य ने नहीं किया है।

बैठक में मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने बताया कि बढ़िया चावल का वितरण लोगों के बीच व्यापक रूप से किया जाना चाहिए। मंत्री पोंगुलेटी ने भूभारती से लोगों को मिलने वाले लाभों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि सीएम सहित विधायकों, विधान पार्षदों और सांसदों को सन्ना बिय्यम, भूभारती, इंदिरम्मा हाउस और एससी वर्गीकरण के संबंध में निर्देश दिये गये। जनप्रतिनिधि 2 जून तक मैदानी स्तर पर दौरा कर लोगों को कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए विकास एवं कल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी देंगे।

रैतू आयोग के अध्यक्ष ने कर्नाटक के लघु सिंचाई मंत्री से मुलाकात की

मंत्री बोस राजू का कर्नाटक आने का निमंत्रण

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। किसान आयोग के अध्यक्ष कोदंडा रेड्डी और सदस्य भवानी रेड्डी ने हैदराबाद पहुंचे कर्नाटक राज्य लघु सिंचाई मंत्री बोस राजू से बेगमपेट पर्यटन प्लाजा में मुलाकात की। इस बैठक में मंत्री और किसान आयोग ने दोनों राज्यों में लघु एवं बड़ी सिंचाई परियोजनाओं पर चर्चा की। तेलंगाना राज्य के गठन के बाद पिछली सरकार ने लघु सिंचाई को प्रमुख सिंचाई के साथ जोड़ दिया, जिसके परिणामस्वरूप तालाबों की मरम्मत नहीं हो सकी और उन पर अतिक्रमण हो गया। आयोग के अध्यक्ष कोडंडा रेड्डी ने मंत्री बोसु राजू को बताया कि भूजल स्तर समाप्त हो गया है और आयोग ने लघु सिंचाई को अलग करके और स्थानीय किसानों को जल संघ बनाकर भूजल विकसित करने के लिए तेलंगाना राज्य सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी को पहले ही एक रिपोर्ट सौंप दी है। इसी तरह, कोदंडा रेड्डी और भवानी रेड्डी ने कर्नाटक के सिंचाई मंत्री माननीय से मुलाकात की। कर्नाटक के मंत्री बोस राजू ने कहा कि "मैं इस पर मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी से चर्चा करूंगा और आपको हमारे राज्य में आकर एक बार लघु सिंचाई परियोजना का दौरा करना चाहिए।"

स्कूली छात्रों के लिए ग्रीष्मकालीन अवकाश 24 अप्रैल से होगा शुरू

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भर के छात्र उन दिनों का इंतजार कर रहे हैं, क्योंकि स्कूल, विशेष रूप से राज्य बोर्ड से संबद्ध स्कूल, 24 अप्रैल से शुरू होने वाली बहुप्रतीक्षित ग्रीष्मकालीन छुट्टियों के लिए तैयार हैं। कक्षा 1 से 7 तक के लिए योगात्मक मूल्यांकन-II की परीक्षाएं गुरुवार को समाप्त होंगी, जबकि कक्षा 8 और 9 के विद्यार्थियों की सामाजिक अध्ययन की परीक्षा 17 अप्रैल को होगी, जो शैक्षणिक वर्ष का अंत होगा। सभी स्कूलों को 23 अप्रैल तक प्रगति रिपोर्ट जारी करने और परिणाम घोषित करने तथा उसी दिन अभिभावक-शिक्षक बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया गया है। इसके बाद 24 अप्रैल से 11 जून तक स्कूलों में गर्मी की छुट्टिया रहेंगी। शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए स्कूल 12 जून को फिर से खुलेंगे।

हैदराबाद में नियमों के उल्लंघन के लिए पुलिस ने पब पर मारा छापा

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस ने सोमवार आधी रात को चैतन्यपुरी स्थित वाइल्ड हार्ट पब पर छापा मारकर मालिक, 10 ग्राहकों और 17 महिला डांसरों को अश्लीलता करते हुए पकड़ा। पुलिस के अनुसार, पब का प्रबंधन अवैध गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा था। ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए यह महिलाओं के नृत्य कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा था। जांच के दौरान उन्होंने मुंबई की महिला डांसरों की जांच की और पाया कि वे पब के प्रबंधन से काफी दिनों से परिचित थीं। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने बार पर छापा मारा और उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

टेक्सास में हिट-एंड-रन में तेलुगु छात्रा घायल

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को यहां पहुंची रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका के टेक्सास के डेंटन शहर में एक तेलुगु महिला हिट-एंड-रन सड़क दुर्घटना का शिकार होने के बाद अपने जीवन के लिए संघर्ष कर रही है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, घायल महिला की पहचान दीप्ति वंगावोलू के रूप में हुई है, जबकि एक अन्य महिला को हल्की चोटें आईं हैं और उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। दीप्ति वंगावोलू और उनकी सहेली जो पैदल घर पहुंचने वाली थीं, उन्हें एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। डेंटन पुलिस ने दो पैदल यात्रियों को टक्कर मारने के बाद रुकने वाले वाहन के चालक की पहचान करने में पुलिस की मदद मांगी।

स्थानीय मीडिया संगठन ने एक भारतीय छात्रा के हवाले से बताया कि गंभीर रूप से घायल महिला (दीप्ति वंगावोलू) के सिर में गहरी चोट आई है, जबकि दूसरी महिला को गंभीर चोटें आई हैं और उसका ऑपरेशन किया जा रहा है। दीप्ति वंगावोलू के लिंक्डइन प्रोफाइल के अनुसार, वह नॉर्थ टेक्सास विश्वविद्यालय में कंप्यूटर और सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर कर रही हैं और उन्होंने मार्च 2023 में नरसारावपेटा इंजीनियरिंग कॉलेज से बीटेक पूरा किया है। संभवतः वह आंध्र प्रदेश के गुंटूर की रहने वाली हैं।

नाबालिग लड़के ने बुजुर्ग महिला की हत्या कर रिकॉर्ड किया डांस

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एक नाबालिग लड़का (जो प्रवासी मजदूर है) ने कथित तौर पर एक बुजुर्ग महिला की हत्या कर दी और कथित तौर पर शव के सामने नाचते हुए अपना वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। यह संदेह है कि यह घटना 11 अप्रैल को घटित हुई थी, लेकिन इसकी सूचना 14 अप्रैल को मिली, जब 17 वर्षीय संदिग्ध ने पीड़िता के बेंगलुरू स्थित रिश्तेदार के साथ वीडियो साझा किया। पीड़िता की पहचान राजस्थान की मूल निवासी कमला देवी (70) के रूप में हुई है, जो आजीविका की तलाश में लगभग 30 साल पहले अपने पति के साथ हैदराबाद आई थीं और कुशाईगुड़ा के कृष्णा नगर में रह रही थीं।

जानकारी के अनुसार, कमला देवी को अपने पति से कुछ दुकानें विरासत में मिली थीं, जिससे पीड़िता और उसके परिवार को अच्छी आय होती थी। पता चला है कि संदिग्ध व्यक्ति उसकी एक दुकान पर सहायक के रूप में काम करता था और उसके दैनिक कामों में भी मदद करता था। कमला कथित तौर पर छोटी-छोटी बातों को लेकर उसे गाली देती थी। इससे नाराज होकर 11 अप्रैल की रात करीब 11.30 बजे संदिग्ध उसके घर गया और कथित तौर पर बहस के बाद लोहे की रॉड से उस पर हमला कर दिया। इसके बाद उसने बेडरूम में छत के पंखे से साड़ी से उसका गला घोंट दिया। संदिग्ध ने खुद का एक सेल्फी-वीडियो भी रिकॉर्ड किया, जिसमें वह नाच रहा था, जबकि पीड़िता का शव लोहे की रॉड से लटका हुआ था। घटना तब प्रकाश में आई जब संदिग्ध ने खुद ही पीड़िता के बेंगलुरू में रहने वाले एक रिश्तेदार को फोन करके रविवार रात को हत्या की जानकारी दी। सूचना मिलने पर कुशाईगुडा पुलिस ने दरवाजा तोड़ा और कमला का क्षत-विक्षत शव बरामद किया। शव को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल भेज दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है और संदिग्ध को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

राज्यपाल के साथ प्रोटोकॉल बैठक की

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना और आंध्र सब एरिया (टीएएसए) के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) मेजर जनरल अजय मिश्रा ने आंध्र प्रदेश के राज्यपाल सैयद अब्दुल नजीर के साथ प्रोटोकॉल बैठक की। बैठक के दौरान, उन्होंने राज्य और राष्ट्र निर्माण में सेना की भूमिका से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की। राष्ट्र निर्माण की पहल में सेना की भागीदारी का महत्व और राज्य के विकास में इसकी भूमिका।

भूतपूर्व सैनिकों (ईएसएम) का कल्याण, भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण को प्रभावित करने वाले प्रमुख मुद्दे और उनकी जरूरतों को पूरा करने के संभावित समाधान, झंडा दिवस कोष के पहलू, जो भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण का समर्थन करता है।

गुजरात सरकार के वरिष्ठ अधिकारी ने जन पोषण केंद्रों का दौरा किया

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। गुजरात सरकार, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के प्रधान सचिव रमेश चंद मीना, आईएएस (आरआर 1997) ने तेलंगाना दौरे के दौरान पंजागुट्टा और ए.जी. कॉलोनी में स्थित दो जन पोषण केंद्रों का दौरा किया। उन्होंने लक्षित लाभार्थियों को आवश्यक वस्तुओं के वितरण में तेलंगाना राज्य द्वारा अपनाई गई पूर्णतया सुरक्षित ई-पीओएस प्रणाली की सराहना की। उन्होंने पारदर्शी और कुशल सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने में राज्य के प्रयासों की सराहना की।

तेलंगाना सरकार, सीए और एफएंडसीएस विभाग के प्रधान सचिव श्री डी.एस. चौहान ने नागरिक आपूर्ति विभाग के संचालन का अवलोकन प्रदान किया, जिसमें पिछले वर्ष शुरू किए गए प्रमुख सुधारों पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने राज्य सरकार के चार प्रमुख कार्यक्रमों के सफल कार्यान्वयन पर जोर दिया, जो परिवर्तन और जवाबदेही के लिए विभाग की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। आर.सी. मीना, आईएएस विशेष रूप से तेलंगाना राज्य नागरिक आपूर्ति में धान खरीद और सार्वजनिक वितरण प्रणाली को मजबूत करने के लिए लागू किए गए अभिनव और नए नीति सुधारों से प्रभावित थे। उन्होंने एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए खामियों को दूर करने में विभाग की सफलता को स्वीकार किया। उन्होंने राज्य सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका की भी सराहना की। गुजरात के प्रधान सचिव ने तेलंगाना की अपनी तरह की पहली पहल, फिलीपींस गणराज्य को जी2जी आधार पर चावल के निर्यात के बारे में विशेष प्रशंसा व्यक्त की, जो तेलंगाना चावल के लिए वैश्विक मांग और पहचान बनाने के लिए राज्य सरकार की दृष्टि और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। श्री आर.सी. मीना का दौरा बेहद सकारात्मक तरीके से संपन्न हुआ, जिससे नागरिक आपूर्ति विभाग और निगम के क्षेत्र में अंतर-राज्यीय सहयोग और ज्ञान-साझाकरण को मजबूती मिली।

धोखा खाई महिला ने की आत्महत्या

नलगोंडा, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बोक्कामंटुलापाडु गांव में मंगलवार को आत्महत्या करने वाली महिला के परिजनों ने एक व्यक्ति के घर के सामने शव रखकर प्रदर्शन किया। परिजनों ने शव हटाने से इनकार कर दिया, जिससे गांव में तनाव बढ़ गया। यहां पहुंची रिपोर्ट के अनुसार, महिला मल्लीश्वरी ने हैदराबाद में आत्महत्या कर ली, जब उसे पता चला कि उसके प्रेमी जना रेड्डी ने किसी दूसरी महिला से शादी कर ली है। उसके रिश्तेदारों ने आरोप लगाया कि वह उसी गांव के जना रेड्डी के साथ रिलेशनशिप में थी और उसे व्हाट्सएप पर शेयर की गई कुछ तस्वीरें देखने के बाद उसकी शादी के बारे में पता चला।

सभी के साथ समानता और सम्मान का व्यवहार करना चाहिए : जीएम

एससीआर ने डॉ. बी.आर. अंबेडकर की 134वीं जयंती मनाई

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने एससीआर मुख्यालय, रेल निलयम ऑडिटोरियम, सिकंदराबाद में भारत रत्न, बाबा साहेब डॉ. बी.आर. अंबेडकर की 134वीं जयंती मनाई। कार्यक्रम में दमरे महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन, मुख्य अतिथि थे। जबकि नीरज अग्रवाल, अतिरिक्त महाप्रबंधक और सिद्धार्थ काटी, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी, दक्षिण मध्य रेलवे विशिष्ट अतिथि थे। प्रमुख विभागाध्यक्ष, अन्य वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी सदस्य, एससी और एसटी, ओबीसी संघों और मान्यता प्राप्त ट्रेड यूनियनों के वरिष्ठ नेताओं ने भी कार्यक्रम में भाग लिया और डॉ. बी.आर. अंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की। सभा को संबोधित करते हुए अरुण कुमार जैन ने कहा कि डॉ. बी.आर. अंबेडकर की विरासत भारतीयों की पीढ़ियों को शिक्षा और सामाजिक सुधार के माध्यम से अपनी पूरी क्षमता का एहसास करने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि जाति, पंथ और धर्म के बावजूद सभी भारतीय डॉ. अंबेडकर की महान विरासत के लाभार्थी हैं। उन्होंने कहा कि अपने निजी परिवार और स्वास्थ्य को अलग रखते हुए, डॉ. अंबेडकर ने अपनी अंतिम सांस तक वंचितों के उत्थान और सभी भारतीयों की समानता के लिए अथक प्रयास किया। महाप्रबंधक ने यह भी कहा कि डॉ. अंबेडकर न केवल एक शिक्षाविद् थे, बल्कि एक अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ, समाज सुधारक और महिला और श्रम अधिकारों के चैंपियन भी थे। उन्होंने कहा कि डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने हमें दीर्घकालिक संवैधानिक ढांचा प्रदान किया है जो प्रत्येक नागरिक को उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति के बावजूद सक्षम और सशक्त बनाता है।

उन्होंने कहा कि आज हमें अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करनी चाहिए और डॉ. बी.आर. अंबेडकर की सच्ची भावना को आत्मसात करना चाहिए। उन्होंने सभी से छोटे बच्चों को डॉ. अंबेडकर के आदर्शों को सिखाने का आह्वान किया, विशेष रूप से साथी भारतीयों के साथ समानता का व्यवहार करना।

उन्होंने कहा कि हमें न केवल अपने कार्यस्थलों पर बल्कि अपने घरों में भी सभी के साथ समानता और सम्मान का व्यवहार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आइए हम महान आत्मा का सम्मान करें और उनके आदर्शों पर चलें। इस अवसर पर कार्मिक विभाग, दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा भारत में सामाजिक न्याय विषय पर आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता में महाप्रबंधक ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। इससे पहले, एससीआर एससी एंड एसटी; ओबीसी और ट्रेड यूनियन नेताओं के प्रतिनिधियों ने डॉ. बी.आर. अंबेडकर की उपलब्धियों, योगदान और विरासत के बारे में बात की।

चलती बाइक में लगी आग, सवार बाल-बाल बचा

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। गच्चीबावली में मंगलवार दोपहर एक चलती मोटरसाइकिल में आग लग गई। इंजन से आग निकलने के बाद चालक के भाग जाने के कारण कोई हताहत नहीं हुआ। यह घटना उस समय घटी जब बाइक सवार, जो कथित तौर पर एक सॉफ्टवेयर कर्मचारी है, गच्चीबावली से माधापुर की ओर स्पोर्ट्स बाइक चला रहा था। वहां से गुजर रहे वाहन चालकों ने आग को देखा और पुलिस और अग्निशमन विभाग को सूचित किया। मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ी ने आग बुझाई। हालांकि, बाइक जलकर खाक हो गई। गच्चीबावली पुलिस जांच कर रही है। ऐसा संदेह है कि इंजन में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी।

तेलंगाना ने गिग, प्लेटफॉर्म श्रमिकों के लिए नए अधिनियम की बनाई योजना

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार मई दिवस पर गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों के कल्याण के लिए एक नया कानून पेश करने की योजना बना रही है। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को 25 अप्रैल तक मसौदा विधेयक को अंतिम रूप देने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे मसौदा विधेयक पर लोगों की राय लें, जो गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि सभी वर्गों से सुझाव और आपत्तियां स्वीकार की जानी चाहिए और मसौदा विधेयक को ऑनलाइन अपलोड किया जाना चाहिए ताकि राय ली जा सके।

राज्य श्रम विभाग ने श्रमिकों को कल्याण, नौकरी की सुरक्षा, बीमा सुविधाएं और अन्य अधिकार प्रदान करने के लिए तेलंगाना गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स बिल का मसौदा पहले ही तैयार कर लिया था। अधिकारियों ने सोमवार को एक बैठक में मुख्यमंत्री को बिल में शामिल किए जाने वाले पहलुओं के बारे में जानकारी दी। राज्य भर में करीब चार लाख गिग वर्कर फूड डिलीवरी, कैब ड्राइवर और पैकेज डिलीवरी का काम कर रहे हैं। अधिकारियों को मई दिवस (1 मई) पर मसौदा विधेयक को लागू करने के लिए आवश्यक व्यवस्था करने को कहा गया है।

पवन कल्याण से मिलने पहुंचे अल्लू अर्जुन

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अभिनेता अल्लू अर्जुन अपनी पत्नी स्नेहा के साथ आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और अभिनेता पवन कल्याण के हैदराबाद स्थित घर पहुंचे। सिंगापुर में आग लगने की घटना में पवन कल्याण के छोटे बेटे मार्क शंकर के घायल होने के बाद यह दौरा किया गया। अल्लू अर्जुन और स्नेहा ने व्यक्तिगत रूप से बच्चे के स्वास्थ्य के बारे में पूछताछ की और परिवार को अपना समर्थन देने की पेशकश की। हालांकि उनकी यात्रा में देरी हुई, लेकिन इसे पहले जवाब न देने के लिए आलोचना मिलने के बाद एकता दिखाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

इससे पहले चिरंजीवी और उनकी पत्नी सुरेखा पवन कल्याण के परिवार से मिलने के लिए तुरंत सिंगापुर चले गए थे। हालांकि, घटना के समय अल्लू अरविंद के परिवार से किसी ने भी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, जिसके कारण सोशल मीडिया और प्रशंसकों में काफी नाराजगी देखी गई। पवन कल्याण और अल्लू अर्जुन के बीच पिछले मतभेदों के बावजूद (विशेष रूप से आंध्र प्रदेश चुनावों के दौरान जब अल्लू अर्जुन ने एक विपक्षी पार्टी का समर्थन किया था) इस कदम को एक संकेत के रूप में देखा जा रहा है कि राजनीतिक मुद्दों से परे उनका पारिवारिक बंधन मजबूत बना हुआ है।

सबसे बड़ी बात यह है कि 8 साल के बच्चे के साथ हुई इतनी गंभीर दुर्घटना के बाद भी, जिसमें मार्क के हाथ और पैर जल गए और उसे सांस लेने में भी दिक्कत हुई, फिल्म इंडस्ट्री के कई अभिनेताओं ने सार्वजनिक रूप से अपना समर्थन नहीं जताया। आमतौर पर अभिनेता सोशल मीडिया पर छोटी-छोटी खबरों पर प्रतिक्रिया देते हैं, लेकिन इस मामले में चुप्पी साधी गई। मार्क शंकर 12 अप्रैल को अपने माता-पिता पवन कल्याण और अन्ना लेझनेवा के साथ हैदराबाद लौटे। 13 अप्रैल को अन्ना ने तिरुमाला मंदिर का दौरा किया और अपने बाल अर्पित करके एक मन्नत पूरी की। उन्होंने वेंगमम्बा नित्यान्नदना सतरम में भोजन भी परोसा और अपने बेटे के नाम पर श्री वेंकटेश्वर अन्नप्रसादम ट्रस्ट को 17 लाख रुपये दान किए।

नाबालिग लड़की से दुराचार के आरोप में बांग्लादेशी गिरफ्तार

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बालापुर पुलिस ने सोमवार को एक नाबालिग लड़की के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप में एक बांग्लादेशी व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, संदिग्ध ने 12 वर्षीय लड़की के साथ उस समय दुर्व्यवहार किया जब वह दुकान जा रही थी।

वह उसके पास गया, उसे पकड़ लिया और उसके साथ गलत व्यवहार करने लगा। उसने शोर मचाया, जिसके बाद स्थानीय निवासी उसे बचाने के लिए आए। लड़की की मां की शिकायत के आधार पर बालापुर पुलिस ने मामला दर्ज कर संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.